শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 09 | अंक : 210 | गुवाहाटी | बुधवार, 22 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस ले रही हमसे और भाजपा से पैसे : अजमल पेज 3
चारधाम यात्रा के बेहतर व्यवस्थाओं के लिए धन की नहीं होने दी जायेगी कमी : मुख्यमंत्री पेज 4
उप्र विधानसभा सत्र : सदन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केशरी नाथ... पेज 5
आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिये सामुहिक प्रयासों की... पेज 8

## ईएनपीओ की पूर्वी नगालैंड की मांग होगी पूरी : अमित शाह

**त्येनसांग (नगालैंड) (हि.स.)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि चुनाव के बाद ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) की अलग राज्य की मांग अक्षरश: पूरी हो जाएगी। केंद्र की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने पहले ही नगा राजनीतिक समस्या का समाधान सुनिश्चित कर लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह मंगलवार को यहां नगालैंड के त्येनसांग जिला मुख्यालय में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह सोमवार को दो दिवसीय चुनावी दौरे पर नगालैंड में पहुंचे थे। पहले दिन उन्होंने मोन जिला मुख्यालय में चुनावी जनसभा को संबोधित किया था। त्येनसांग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि ईएनपी अलग राज्य की मांग कर रही है। उनका तर्क है कि *पूर्वी नगालैंड* प्रशासनिक और राजनीतिक उपेक्षा के कारण विकास में राज्य के बाकी हिस्सों से पीछे है। उन्होंने कहा, ईएनपीओ के दावे में दम है। भाजपा सरकार जल्द ही नगा राजनीतिक समस्या का समाधान करेगी। मामला अंतिम चरण में है। इसे लागू करने के लिए सरकार अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री वाई पाटन और नगालैंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तेमजेन इम्ना के साथ मिलकर केंद्र सरकार दशकों पुरानी समस्या को हल करने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। हालांकि, नई सरकार विधानसभा चुनाव के बाद *पूर्वी नगालैंड* की मांगों को पूरा करेगी। इसे देखते हुए गृह मंत्री ने मतदाताओं से भाजपा और एनडीपीपी को वोट देने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि कुछ लोग भ्रम पैदा कर रहे हैं कि भाजपा इस चुनाव में दूसरे दलों के उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है। उनकी बातों से भ्रमित न होने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रोपेगेंडा है, इसमें सच्चाई नहीं है। उन्होंने भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि नगालैंड में 2015 से अब तक कुल 53 प्रमुख बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं लागू की गई हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना पर टिप्पणी करते हुए शाह ने कहा कि इस योजना के तहत कुल 55 हजार लोगों को मुफ्त घर दिए गए हैं। साथ ही पूर्वोत्तर -शेष पृष्ठ दो पर

## गुलाब चंद कटारिया का राजभवन में भव्य स्वागत

### शपथ लेंगे आज



**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के नवनियुक्त राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया का मंगलवार को राजभवन पहुंचने पर राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गर्मजोशी के साथ पारंपरिक रूप से स्वागत किया। कटारिया के साथ उनकी पत्नी अनीता कटारिया का भी हैं। उल्लेखनीय है कि गुलाबचंद कटारिया बुधवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में एक भव्य कार्यक्रम में राज्यपाल पद की शपथ लेंगे। वह राज्य के 31वें राज्यपाल होंगे। प्रोफेसर जगदीश मुखी ने राज्यपाल के रूप में अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद अपना पद छोड़ दिया। मनोनीत राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया राजस्थान के उदयपुर के रहने वाले हैं। वह राज्यपाल के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले राजस्थान के पूर्व गृह मंत्री और राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता के दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।

## स्थानीय लोग मददगार, खुले दिल से करते हैं स्वागत

**मोन।** मूल रूप से बिहार के रहने वाले शंभू प्रसाद नगालैंड के मोन जिले में लगभग तीन दशकों से रह रहे हैं। वह चाहते हैं कि उनका बेटा भी पूर्वोत्तर के इस राज्य में जिंदगी बिताए। उनकी पत्नी बसंती देवी भी यही चाहती हैं की उनके तीन बच्चे मोन में अपनी रोजी रोटी कमाएं। प्रसाद ने कहा कि हमने अपनी सारी जवानी यहीं बिताई है। कभी-कभी समस्याएं आती हैं। लेकिन क्या कोई ऐसी जगह है, जहां कोई समस्या नहीं है? हम एक *धारणा* का खंडन करना चाहते हैं कि यहां *बाहरी लोगों* का जीना मुश्किल है। असम के करीमगंज से दशकों पहले यहां आए 70 साल के आलम ने कहा कि वह और उनका परिवार कभी मोन के बाहर जिंदगी बिताने के बारे में सोच भी नहीं सकता है, जिसने खुली बाहों से हमें स्वीकार किया है। आलम, प्रसाद और ऐसे कई प्रवासी अब मोन टाउन निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं। वे आगामी विधानसभा चुनावों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नगालैंड की 60 -शेष पृष्ठ दो पर

## पत्नी ने भी कभी ऐसे पकड़ा नहीं मेरा हाथ : अलोबो



**कोहिमा।** नगालैंड के मंत्री तेमजेन इम्ना अलॉन्ग की असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के साथ एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है जिसमें दोनों नेता एक दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। ये तस्वीर पूर्वोत्तर में हो रहे चुनाव के प्रचार के दौरान की है। इस तस्वीर को गायक अलोबो नगा ने शेयर किया जिसपर अलॉन्ग ने प्रतिक्रिया भी दी। अब ये तस्वीर जमकर वायरल हो रही है। दरअसल इस तस्वीर को शेयर करते हुए अलोबो -शेष पृष्ठ दो पर

## ग्यारह राज्यों में आईटी का छापा

**नई दिल्ली।** देश में आज आयकर विभाग की टीम ने 11 राज्यों में 64 जगहों पर छापा मारा है। आयकर विभाग की टीम ने यूफ्लेक्स लिमिटेड के ठिकानों पर छापा मारा है। सूत्रों के हवाले से बताया कि आयकर विभाग की उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, तमिलनाडु, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में करीब 64 जगहों पर छापेमारी जारी है। इससे पहले आज सुबह से एनआईए की देश के आठ राज्यों में 70 से अधिक जगहों पर छापेमारी जारी है। ये कार्रवाई गैंगस्टर केस मामले को लेकर की गई है। जिन राज्यों में एनआईए द्वारा कार्रवाई की गई है, उनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश शामिल है।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

## कटाव निवारण-कार्य पूरा करें : मंत्री पीयूष

**बाक्सा (हि.स.)।** जिले में श्रीश्री शंकर माधव गोवर्धना सत्र (मठ) से सटकर बहने वाली बेकी नदी में बाढ़ के पानी ने पिछले दिनों सत्र के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया था। जल संसाधन विभाग ने सत्र को नदी के तट कटाव से बचाने के लिए पहले ही कई उपाय किए हैं। राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को फिर से इस क्षेत्र का दौरा किया और विभागीय अभियंताओं के साथ चर्चा की। तट कटाव निवारण कार्य थोड़ा धीमा हो गया है। मंत्री ने ठेकेदार को 15 अप्रैल से पहले इसे पूरा करने का निर्देश दिया और संभागीय अभियंता को हर सात दिन में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सरभोग विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोरंजन तालुकदार, बीटीआर के जल संसाधन विभाग के कार्यकारी सदस्य वकील मुसाहारी, जीएम प्रणबज्योति बर्मन, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता बोरसिंह रंग्पी, अधीक्षण अभियंता पुलक चौधरी सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## संसदीय प्रणाली की पहचान है अनुशासन और मर्यादा : राष्ट्रपति



**इटानगर (हि.स.)।** राष्ट्रपति ने मुर्मू ने डिजीटल इंडिया कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश में ई-विधान प्रणाली अपनाने और विधानसभा में पेपरलेस प्रणाली लागू करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनुशासन और मर्यादा संसदीय प्रणाली की पहचान है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बहस की सामग्री और गुणवत्ता उच्चतम स्तर की हो। साथ ही हमें विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर आम सहमति बनाने की जरूरत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित कर रही थीं। मुर्मू सोमवार से दो दिवसीय दौरे पर अरुणाचल प्रदेश में हैं। विधानसभा में मुर्मू ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा पर उन्होंने राज्य सरकार के राज्य के जलवायु परिवहन को बचाने के लिए पक्के घोषणा अपनाने की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आज के युग में पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक विकट समस्या है। हमें इन चिंताओं का समाधान जल्द खोजना होगा। अरुणाचल प्रदेश जैसे भौगोलिक रूप से संवेदनशील राज्यों के लिए ये मुद्दे और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने इस पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि इस राज्य के नीति-निर्माताओं ने इस मुद्दे पर अपना ध्यान रखा है। राष्ट्रपति ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत ई-विधान-कागज रहित डिजिटल यात्रा को लागू करने के लिए अरुणाचल प्रदेश विधानसभा की सराहना की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने साल 2022 को ई-शासन का वर्ष घोषित किया है और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## होली बाद तेजस्वी बन सकते हैं सीएम : विजय

**सासाराम (रोहतास)।** बिहार में महागठबंधन के नेताओं के बयानों से राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। ऐसे में यह देखना होगा कि इस बयानबाजी से प्रदेश की राजनीति किस ओर करवट लेगी। दरअसल, राजद विधायक राजद विधायक विजय कुमार मंडल ने मंगलवार को स्थानीय समाहरणालय में पत्रकारों से बातचीत की और सीएम पद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मार्च में होली के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी प्रसाद यादव बिहार की कमान संभाल सकते हैं और नीतीश कुमार देश का प्रधानमंत्री बनने के -शेष पृष्ठ दो पर

## कुत्तों के नोचने से 4 साल के बच्चे की मौत

**हैदराबाद।** हैदराबाद के बाग अंबेरपेट इलाके में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां आवारा कुत्तों ने सड़क पर जा रहे 4 साल के मासूम बच्चे को नोंच खाया। 6 कुत्तों का झुंड मासूम को तब तक नोचता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। बाद में कुत्ते उसे घसीटकर पास खड़ी कार के नीचे ले गए। रविवार को हुई ये पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिस मासूम को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया, उसका नाम प्रदीप था। वह एरुकुला बस्ती में रहने वाले गंगाधर का बेटा था। गंगाधर 4 साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ काम के लिए हैदराबाद आया था। वह अंबेरपेट में कार सर्विस सेंटर में सिक्योरिटी गार्ड बन गया। रविवार को गंगाधर प्रदीप को भी साथ ले आया था। बेटे को अपने केबिन में छोड़कर गंगाधर काम के लिए बाहर चला गया। थोड़ी देर बाद प्रदीप केबिन से बाहर आ गया और पार्किंग में पहुंच गया। जब वह कैम्पस में अकेला घूम रहा था, तब 3 कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। मासूम प्रदीप के नीचे गिरने -शेष पृष्ठ दो पर

## हमें हराना नामुमकिन : पुतिन

**मॉस्को।** रूस-यूक्रेन जंग को 24 फरवरी को एक साल पूरा हो रहा है। इससे ठीक 3 दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के लोगों को संबोधित किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने शुरुआत में जंग को टालने के लिए तमाम डिप्लोमैटिक कोशिशें कीं, लेकिन नाटो और अमेरिका ने इन्हें कामयाब नहीं होने दिया। हम अब भी बातचीत चाहते हैं, लेकिन इसके लिए शर्तें मंजूर नहीं हैं। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को लॉन्ग रेंज डिफेंस सिस्टम दिए जा रहे हैं। हमारे बॉर्डर पर इसकी वजह से खतरा मंडरा रहा है। रूस और यूक्रेन का मामला लोकल था। अमेरिका और उसके साथियों ने इसे दुनिया का मसला बना दिया। रूस 2011 में अमेरिका -शेष पृष्ठ दो पर

### सुप्रभात

बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमें खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके में भी चल देता है।

**ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

### न्यूज गैलरी

## योगी आदित्यनाथ का बनेगा भव्य मंदिर भूमि पूजन 24 को

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता तो वैसे खूब है। लेकिन अब उनके मंदिर का भी निर्माण होने जा रहा है। मंदिरों का शहर कहे जाने वाले अयोध्या में योगी आदित्यनाथ के मंदिर का निर्माण होगा। यहां श्री योगी मंदिर बनने जा रहा है। इस मंदिर का निर्माण योगी के प्रचारक प्रभाकर मौर्य कराने जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 24 फरवरी को मंदिर -शेष पृष्ठ दो पर

## अडाणी पर फोर्ब्स-रिपोर्ट लेने से एससी का इनकार



**नई दिल्ली।** अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फोर्ब्स की अडाणी ग्रुप को लेकर पब्लिश रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक जया ठाकुर के वकील एडवोकेट वरुण ठाकुर ने बेंच से रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने का अनुरोध करते हुए कहा था कि इसे बाद में पब्लिश किया गया। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि नहीं, हम इसे रिकॉर्ड में नहीं लेंगे। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी का नाम, शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में 54 बार लिया गया। वहीं गौतम अडाणी के बड़े भाई विनोद अडाणी का जिक्र 151 बार किया गया। यानी गौतम के नाम से 97 बार ज्यादा। जनवरी में पब्लिश इस रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और स्टॉक मैनिपुलेशन के आरोप लगाए गए हैं। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के अनुसार विनोद अडाणी विदेश में शेल कंपनियों को मैनेज करते हैं। इनके जरिए भारत में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड और प्राइवेट कंपनियों में अरबों डॉलर ट्रांसफर किए गए। इसने अडाणी ग्रुप को कानूनों से बचने में मदद की। दरअसल, भारतीय कानून में किसी भी लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25 फीसदी शेयरहोल्डिंग पब्लिक यानी नॉन इनसाइडर्स की होनी चाहिए। अडाणी ग्रुप ने अपने चेयरमैन के भाई के साथ इस -शेष पृष्ठ दो पर

## पाक : परीक्षा परीक्षा में भाई-बहन के संबंध पर सवाल

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित कॉमसैट यूनिवर्सिटी दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गई है। विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा देने वाली यह यूनिवर्सिटी अंग्रेजी विषय के एक पेपर में भाई-बहन के बीच शारीरिक संबंधों का उदाहरण देते हुए एक प्रश्न पूछा गया था। इसी घोर आपत्तिजनक प्रश्न को लेकर पाकिस्तान में बवाल मचा हुआ है। उदाहरण और सवाल इतना अभद्र और आपत्तिजनक था कि प्रोफेसर की नौकरी तो गई ही, लेकिन पाकिस्तान सरकार तक किरकिरी हो रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# तस्करी और नकली सामान विकास में बाधा : ब्रिगेडियर

**डिमापुर।** ब्रिगेडियर एस के श्योरन, वाईएसएम, एसएम, उप महानिरीक्षक, असम राइफल्स प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल, दीमापुर, नागालैंड ने आज कहा कि सरकार ने असम राइफल्स को पूर्वोत्तर राज्यों में नशीले पदार्थों की तस्करी पर नजर रखने के लिए, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत शक्ति दी है। फिक्की की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी गतिविधियों के खिलाफ समिति (सीएएससीएडीई) द्वारा आयोजित 'जालसाजी और तस्करी की रोकथाम पर असम राइफल्स के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' को संबोधित करते हुए, ब्रिगेडियर श्योरन ने कहा कि तस्करी और जालसाजी उपभोक्ताओं के लिए देश की प्रगति, आर्थिक विकास में बाधा डालती है और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती है। नतीजतन, खतरे से निपटने के लिए अवैध व्यापारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रग्स, सिगरेट, हथियार और गोला-बारूद और सुपारी कुछ ऐसे उत्पाद हैं जिनकी हमारे देश में अक्सर तस्करी की जाती है। इसलिए, अवैध व्यापार की समस्या को कम करने के लिए सख्त सजा और कानून के डर की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीमा पर तस्करी को रोकने का एकमात्र तरीका सतर्क रहना और खासकर म्यांमार के बिना बाड़ वाली सीमा के माध्यम सेदेश में आने वाली हर चीज पर नजर रखना है।

# 2000 लोगों ने लिया नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का लाभ

**गुवाहाटी।** असम के ग्रामीण अंचल में रह रहे लोगों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दिनों असम में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर अब तक आयोजित करीब 15 शिविरों में 2000 से अधिक लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा चुके हैं। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस सेवा की ओर से इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड के चेयरमैन तथा सेवा संस्थान के प्रमुख ट्रस्टी रमेश गोयल के नेतृत्व में लोटस टीएमटी बार मेडिकल सेवा की ओर से 22 फरवरी को कठियातली, 23 को डबका, 24 को बकलिया, 26 को होजाई व 27 को लंका में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जाएगा। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि संबंधित तारीख को उक्त स्थान के जरूरतमंद लोग शिविर में पहुंचकर आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लैबोरेट्री की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्सरे की सुविधा का लाभ इस मोबाइल मेडिकल बस के माध्यम से नि:शुल्क ले सकते हैं। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच आनंदलोक हॉस्पिटल के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर नि:शुल्क शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

# नर्सों के कौशल को निखारने व नौकरी के योग्य बनाने के लिए इफान और जॉबिजो की साझेदारी

**गुवाहाटी।** टाइम्सप्रो ने भारतीय नर्सों को नए जमाने के कौशल से लैस करने और उन्हें यूनाइटेड किंगडम में नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) के अस्पतालों में नौकरी केयोग्यबनानेके उद्देश्य से इफान ग्लोबल और जॉबिजो के साथ साझेदारी की है, ताकि भारतीय नर्सों को विश्व स्तर पर अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिल सके। नर्सों को यूनाइटेड किंगडम में अवसरों का लाभ उठाने के लिए सर्टिफिकेट इन ऑक्यूपेशनल इंग्लिश फॉर नर्सेस के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें एनएचएस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स में नौकरी काअवसरमिलेगा।एनएचएस अस्पतालों का संचालन सरकार द्वारा किया जाता है जो बेहद प्रतिष्ठित संस्थान हैं। यह भारतीय नर्सों को अपने करियर को आगे बढ़ाने के अलावा बेहतर जीवन जीने के लिए शानदार वेतन के साथ-साथ कामकाज के समृद्ध और व्यवहार-कुशल माहौल का अनुभव करने के लिए मनोनुकूल मंच प्रदान करेगा। नर्सों को शुरुआत में सालाना 23,949 (भारतीय मुद्रा में लगभग 23,85,650 रुपए) का वेतन मिलने की उम्मीद है। सर्टिफिकेट इन ऑक्यूपेशनल इंग्लिश फॉर नर्सेस चार महीने का विस्तृत कार्यक्रम है, जिससे नर्सों के लिए विदेश जाकर काम करना बेहद सहज हो जाएगा और कार्यक्रम के दौरान उन्हें यूनाइटेड किंगडम में काम के माहौल के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी। टाइम्सप्रो अपने अत्याधुनिक इंटरएक्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए उम्मीदवारों को आवश्यक प्रशिक्षण के साथ-साथ इ्रवख्क्ख् या इ्रख्क्ख्ड परीक्षाओं को पास करने के लिए कौशल विकसित करने में भी मदद करेगा, और यह प्रशिक्षण डायरेक्ट-टू-डिवाइस मोड में दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, उन्हें इस क्षेत्र में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव रखने वाले निपुण अध्यापकों से परामर्श और प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

## ड्रग्स तस्कर के परिजनों से पुलिस के नाम पर वसूली करने वाला गिरफ्तार

**नगांव (हि.स.)।** नगांव में पुलिस के नाम पर ड्रग्स तस्करों से अवैध रूप से रुपए की उगाही करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि ड्रग्स तस्कर से पुलिस के नाम पर उगाही करने वाले 40 वर्षीय खुटीकटिया निवासी शंकुमणि गोस्वामी को सोमवार रात नगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शंकुमणि पर आरोप है कि एक भगोड़े ड्रग्स तस्कर के परिजनों से पुलिस के नाम पर एक लाख रुपए की मांग की थी। वह ड्रग्स तस्कर के परिजनों को धमका कर पहले ही 60 हजार रुपए वसूल चुका था। पुलिस ने बताया है कि पहले भी शंकुमणि अन्य जालसाजी और असामाजिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है।

# डिब्रूगढ़ : डॉक्टर पर जानलेवा हमला

**डिब्रूगढ़ (हि.स.)।** दो युवकों ने डिब्रूगढ़ में एक डॉक्टर के घर पर जानलेवा हमला किया। हमले में डॉक्टर को काफी गंभीर चोट आई है। बेहोशी की हालत में डॉक्टर को छोड़कर दोनों हमलावर फरार हो गए। डिब्रूगढ़ के बैरागीमठ निवासी किरन सैकिया और रूमा सैकिया के पुत्र डॉ. गीतार्थ सैकिया पर दो युवकों ने रात में घर पर जानलेवा हमला किया। पीड़ित ने मंगलवार को पुलिस ने बताया है कि देवराज बरगोहाईं नामक युवक अपने एक अन्य साथी के साथ घर पर पहुंचकर कथित तौर पर हत्या के प्रयास से डॉ. गीतार्थ पर हमला कर दिया। हमले में डॉ. गीतार्थ के कान और सिर सहित शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर चोटें आई हैं, जिसके चलते डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉ. गीतार्थ सैकिया माजुली में डॉक्टर के तौर पर इंटर्नशिप कर रहे हैं। पीड़ित के माता-पिता ने आरोप लगाया कि माजुली से अपने घर पहुंचने के तुरंत बाद देवराज बरगोहाईं सहित एक अन्य युवक घर पहुंचकर डॉ. गीतार्थ सैकिया को घर से बाहर बुलाकर उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, वहीं पुलिस अब तक हमलावर को नहीं पकड़ पाई है। पीड़ित की मां ने पुलिस से अपने बेटे पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

# अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : अपनी भाषा का करें ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल : अमित शाह

**नई दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मातृभाषा से जुड़ने और इसे और ज्यादा समृद्ध बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। शाह ने यह भी कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाएगा, तो सभी भाषाएं समृद्ध होंगी और देश भी समृद्ध होगा। उन्होंने कहा, यह हमारी मातृभाषा से जुड़ने और इसे और अधि समृद्ध बनाने का संकल्प लेने का दिन है... हमें अपनी मातृभाषा का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने का संकल्प लेना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब कोई बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ता है, बोलता है और सोचता है तो इससे उसके सोचने, तर्क करने, विश्लेषण करने और शोध करने क्षमता बढ़ जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इसे ध्यान मे रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने नई शिक्षा नीति के जरिए मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया है। यही भारत के स्वर्णिम कल का आधार बनेगा।

Apollo HOSPITALS

**अपोलो गायनोकोलोजी**
स्क्रीनिंग कैंप

**डॉ. इलान कुमारन,** MBBS, MS, MRCS, DNB, Mch, PDF
कन्सलटेंट-लीवर विशेषज्ञ /ट्रांसप्लांट टीम

**4 मार्च 2023 को गुवाहाटी में परामर्श के लिए**

जो मरीज लीवर फेलियर से हेपटाइटिस बी एंड सी, अल्कोहोलिक लीवर रोग, लीवर सिरहोसिस और लीवर ट्यूमर इत्यादि से बीमार हैं, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।

**Apollo Medical Centre**
**Subham Buildwell Complex** (near NEEPCO office)
RG Baruah Road, **Guwahati**
**Contact : 8720902000, 8876958514, 0361-7135005**

**GOVERNMENT OF ASSAM**
**OFFICE OF THE DIRECTOR::::: TOWN & COUNTRY PLANNING :: ASSAM**
**DISPUR::::: GUWAHATI-6**
No. TP/GIS Geo-Hub/01/2023/54

**CORRIGENDUM : III**

It is for information to all concerned that the last date for submission of bids invited vide IFB No. TP/GIS-Geo Hub/01/2023/26 dated, Dispur the 18th January' 2023 for the work **"Design Development and Execution of GIS based Urban Portal and related Data Collection works for the Establishment of GIS Geo Hub in the H.Q. office of Town and Country Planning, Assam under the Department of Housing and Urban Affairs",** which was extended up to 01:00 P.M. of 21st February'2023 is further extended for another 3(three) days i.e. up to 01:00 P.M. of 24th February' 2023. All other earlier terms and conditions of the Tender will remain same. The bids will be opened on 24th February" 2023 at 5:00 P.M.

Director
Town and Country Planning, Assam
Dispur. Guwahati-6

*Janasanyog /C/ 20919 /22*

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *ईएनपीओ की पूर्वी ...*

क्षेत्र में मोदी सरकार के उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में नगालैंड में 4,800 करोड़ रुपए जारी किए हैं, लेकिन 2009-2010 में, कांग्रेस सरकार ने केवल 1,300 करोड़ रुपए ही आवंटित किया था। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का उदाहरण दिया, जिसने नगालैंड में 1.4 लाख परिवारों को मुफ्त चावल प्रदान किया और जल जीवन मिशन, जिसने राज्य में 2.80 लाख परिवारों को लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत नगालैंड के तीन लाख लोगों को कवर किया गया है। शाह ने राज्य के मतदाताओं को याद दिलाया कि नगालैंड के बजट को चौगुना कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 50 से ज्यादा बार पूर्वोत्तर का दौरा कर चुके हैं। यह मोदी के कारण ही संभव है। गृह मंत्री ने लोगों से पूछा कि दूसरा कोई प्रधानमंत्री इससे पहले कितनी बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है। शाह ने कहा कि यहां आने के बाद से जो सम्मान देखने को मिला है, उसके लिए मैं नगा महिलाओं का ऋणी हूं और इसके लिए उन्होंने नगालैंड की सभी महिलाओं की प्रशंसा की और उनके प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। अमित शाह ने नगालैंड में राज्यसभा के लिए एक महिला सांसद को चुनने का श्रेय राज्य के लोगों के साथ-साथ महिलाओं को भी दिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री बनने के बाद से उन्होंने नगा संस्कृति और परंपराओं को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए नगाओं के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। अमित शाह ने नगालैंड, विशेष रूप से पूर्वी नगालैंड, जिसे पहले नेफा (पूर्वोत्तर सीमांत एजेंसी) के रूप में जाना जाता था, में शांति और विकास कार्य शुरू करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। आज की रैली में शाह ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि उग्रवाद की 70 प्रतिशत समस्या हल हो चुकी है। सात जिलों और 15 थाना क्षेत्रों से 60 प्रतिशत अफ्सपा [सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां)] को वापस ले लिया गया है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा सीमावर्ती राज्यों के रूप में उत्तर-पूर्वी राज्यों की उपेक्षा किये जाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2024 में कांग्रेस पार्टी देश में कहीं भी दूरबीन लेकर ढूंढने से नहीं मिलेगी।

## *पत्नी ने भी कभी...*

नगा ने मजाक कते हुए कहा कि कि मेरी पत्नी ने भी ऐसे कभी मेरा हाथ नहीं पकड़ा। मुझे जलन हो रही है सर। इस पर भाजपा नेता अलॉन्ग ने इसका मजेदार जवाब दिया और गायक भाजपा में शामिल होने की सलाह भी दे डाली। उन्होंने कहा कि पार्टी वेव असल शादी से ज्यादा मजबूत है। अलोबो नगा आप भी भाजपा जॉइन कर लीजिए, मैं आपका हाथ भी पकड़ लूंगा। अलॉन्ग की इस प्रतिक्रिया के बाद कई लोगों ने कमेंट सामने आए हैं। एक यूजर ने लिखा कि आप जैसे खुशमिजाज लोग इस दुनिया को एक बेहतर जगह बनाते हैं। तो वहीं अन्य यूजर ने लिखा कि इसे एक दूसरे के प्रति परस्पर सम्मान कहते हैं। भाजपा में कोई छोटा या बड़ा नहीं है। इससे पार्टी बड़ी होती है। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा कि कतई सलमान खान हो रहे हो आप। फुल्ली इन डिमांड / वोट में भी और मैरिज के लिए भी। बता दें, ये तस्वीर ऐसे समय में वायरल हो रही है जब नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय में चुनावी माहौल बना हुआ है। त्रिपुरा में वोटिंग हो चुकी है जबकि नगालैंड औक मेघालय में ये 27 फरवरी को होगी।

## *स्थानीय लोग मददगार...*

सदस्यीय विधानसभा में 27 फरवरी को मतदान होगा, जबकि मतगणना दो मार्च को होगी। आलम ने कहा कि मोन में प्रवासियों के लिए रोजगार के अवसर अभी भी कम हैं। उम्मीद है कि स्थिति में सुधार होगा क्योंकि यहां अधिक विकास कार्य किए जाएंगे। लगभग 30 साल पहले अपने बड़े भाई के साथ बिहार के दरभंगा से यहां आए शंभू प्रसाद ने कहा कि जो कोई भी सत्ता में आता है, हम आशा करते हैं कि हमारे बच्चों को नौकरी मिले और समग्र विकास हो। प्रसाद ने आगे कहा कि हम बच्चों को यहां नौकरी दिलाने की कोशिश करेंगे। लेकिन, अगर उसे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना है, तो हम उसे बिहार में परिवार के पास वापस भेज सकते हैं। मगर, हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे हमारे साथ रहें। प्रसाद का मानना है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में साक्षरता के स्तर बढ़ने की वजह से लोग बाहरी लोगों को स्वीकार कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों ने हम जैसे प्रवासियों का स्वागत किया है और हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में भी ऐसा ही रहेगा। बसंती शादी के बाद अपने पति के साथ नगालैंड के इस पूर्वी सिरे पर रहने आ गई थीं। वह अब साल में एक या दो बार बिहार जाती हैं। बसंती ने अपनी छोटी सी किराना और सब्जी की दुकान पर रखे सामान को ठीक करते हुए कहा कि यात्रा थकाऊ है। एक-तरफ के सफर में तीन-चार दिन से अधिक का समय लगता है। उसने बताया कि उनका बड़ा बेटा कॉलेज के अंतिम वर्ष में है। दो अन्य बच्चे अभी स्कूल में हैं। 1970 में मोन में रहने आए आलम ने एक दुकान में काम करना शुरू किया था। वह बताते हैं कि मेरा एक बेटा डॉक्टरेट की डिग्री हासिल कर चुका है और एक निजी कॉलेज से जुड़ा हुआ है। दूसरे को दुबई जाना पड़ा क्योंकि उसे यहां कोई नौकरी नहीं मिली।

## *संसदीय प्रणाली की ...*

कई ई-शासन परियोजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये परियोजनाएं न केवल प्रशासनिक सुधारों में सहायता करेंगी बल्कि, आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने में भी योगदान देंगी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के प्राकृतिक सुंदरता, लोगों की वेशभूषा व संस्कृति की तारीफ की। उन्होंने जनजातीय लोगों को अपनी संस्कृति को बचाए रखने और हर कार्य में महिलाओं की भागीदारी का मौका देने पर राज्य सरकार की प्रसंशा की। राष्ट्रपति ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार की सहायता से तेजी से कार्य हो रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक और उपमुख्यमंत्री चोना मीन के अलावा सभी मंत्री और विधायक मौजूद रहे।

## *होली बाद तेजस्वी...*

लिए समाजवादियों और महागठबंधन का नेतृत्व करें। विधायक ने आगे कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि 2025 तो दूर अभी होली के बाद ही बिहार का नेतृत्व नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को सौंपकर प्रधानमंत्री बनने के लिए कार्य शुरू कर देंगे, जिसमें राजद उनके साथ है। विधायक विजय कुमार मंडल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नीतीश कुमार अपना वादा अवश्य निभाएंगे। वे लोग चाहते हैं कि 2025 तो अभी दूर है, अगले महीने ही तेजस्वी बिहार के मुख्यमंत्री बने और सीएम नीतीश कुमार देश के प्रधानमंत्री के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर उन्हें कोई शक नहीं है, माले भी साथ है और नीतीश कुमार पर भी पूरा भरोसा है। सीएम नीतीश कुमार ने वादा किया है कि वे आने वाले समय में तेजस्वी को बिहार का प्रभार सौंप देंगे। ज्ञातव्य हो कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि 2025 में तेजस्वी यादव के सीएम बनने पर अभी चर्चा करना उचित नहीं है। वहीं, दूसरी ओर राजद विधायक अगले ही माह उन्हें सीएम बनाने की बात कह रहे हैं।

## *कुत्तों के नोचने से ...*

के बाद में 3 छोटे कुत्ते और आ गए। इन कुत्तों ने प्रदीप को काटना शुरू किर दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गया। कुत्तों के हमले से घबराया हुआ मासूम रोने लगा, लेकिन उसकी मदद को कोई नहीं पहुंचा। कुत्तों ने उसकी गर्दन और पैर पकड़कर खींचना शुरू कर दिया। इस हमले से मासूम बेसुध हो गया और कुत्ते उसे घसीटकर कार के नीचे ले गए। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारी के मुताबिक 2 दिन पहले इसी क्षेत्र में 28 कुत्तों को पकड़ा गया था। इनकी नसबंदी कर दी गई थी और छोड़ दिया गया था। बाकी कुत्तों की नसबंदी हो पाई थी।

## *हमें हराना नामुमकिन...*

के साथ किया गया एटमी करार भी सस्पेंड कर रहा है। पुतिन ने कहा कि सच्चाई ये है कि इस जंग की शुरुआत वेस्टर्न पावर्स की वजह से हुई। हमने उस वक्त भी हर मुमकिन कोशिश की। वो लोग कीव और यूक्रेन के कंधों पर रखकर बंदूक चला रहे हैं, उन्हें मूर्ख बना रहे हैं। हम अपने वतन की हिफाजत करना बखूबी जानते हैं। अमेरिका और उसके साथी महज अपना दबदबा बढ़ाने की साजिश की खातिर दूसरों को मोहरा बना रहे हैं। वेस्टर्न पावर ने ही जंग के जिन्न को बोतल से बाहर निकाला है, और वो ही इसे वापस बोतल में डाल सकते हैं। हम तो सिर्फ अपने देश और लोगों की हिफाजत करना चाहते हैं और यही कर भी रहे हैं। जहां तक डोनबास इलाके का मामला है तो हमने हमेशा कहा कि पहले इसे शांति से सुलझा लीजिए, लेकिन रूस पर इल्जाम लगाने वाले ये भी देख लें कि वेस्टर्न लीडर्स का क्या रोल रहा। इन लोगों ने लगातार धोखेबाजी की और झूठ बोला। वेस्टर्न पावर सम्मान देना नहीं जानते। वो पूरी दुनिया पर थूकने की कोशिश करते हैं। यही तरीका वो अपने देश की जनता के साथ भी अपनाते हैं। पुतिन ने कहा कि वेस्ट की हरकतों की वजह से हमें यूक्रेन पर हमला करना पड़ा। अपनी हिफाजत के लिए, यूक्रेन पर अटैक जरूरी था। डोनबास के लोगों ने तो रूस सरकार से मदद मांगी थी। जिस तरह इन ताकतों ने यूगोस्लोवाकिया, इराक, लीबिया और सीरिया को तबाह किया, वही ये यूक्रेन के साथ भी करना चाहते हैं। ये ध्यान रखना चाहिए कि रूस अपनी इज्जत से समझौता नहीं करेगा। कीव में इतनी ताकत नहीं कि वो डोनबास का मसला सुलझा ले। वहां के लोग चाहते हैं कि रूस आए और उनकी परेशानियों को हल करे। मैंने ये कभी नहीं कहा कि जंग से ही इस मसले का हल निकाला जा सकता है। बातचीत तो होनी चाहिए, लेकिन इसमें सही तरीका अपनाया जाना चाहिए। प्रेशर टैक्टिक्स के आगे रूस न झुका है और न झुकेगा। हमें तो वेस्टर्न पावर्स से भी बातचीत करने में कोई दिक्कत नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे बीच जॉइंट सिक्योरिटी स्ट्रक्चर हो। इसके लिए मैंने खुद कई साल तक कोशिश की, लेकिन अमेरिका और दूसरे वेस्टर्न पावर हल चाहते ही नहीं है। हमें हमेशा इग्नोर किया गया। दुनिया में ऐसा कौन सा देश है जिसके अमेरिका के बराबर दुनिया के दूसरे देशों में मिलिट्री बेसेस हैं? इसके बाद वो अमन की बात करते हैं तो सोचना पड़ता है। पुतिन ने कहा कि वेस्टर्न वर्ल्ड आध्यात्मिक तबाही की तरफ जा रहा है। वो हमारे चर्च और परंपराओं पर हमला कर रहे हैं। उनके धर्मगुरु तक *सेम सेक्स मैरिज* का समर्थन कर रहे हैं। पुतिन ने भाषण के आखिरी मिनटों में अहम घोषणा की। उन्होंने कहा है कि रूस परमाणु हथियारों को लेकर अमेरिका के साथ की गई स्टार्ट न्यू ट्रीटी को नहीं मानेगा। इसे सस्पेंड किया जा रहा है।

## *पाक : परीक्षा परीक्षा ...*

विवादित प्रश्न को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से लेकर सरकार तक शर्मिंदा है। मामला सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में आ गया। दरअसल, कॉमसेट्स यूनिवर्सिटी, इस्लामाबाद के एक प्रोफेसर खैर उल बशर द्वारा सेट किए गए अंग्रेजी पेपर ने पाकिस्तानियों को नाराज कर दिया है। पेपर स्पष्ट तौर पर व्यभिचार को बढ़ावा देने वाला बताया गया है। जैसे ही 20 फरवरी, 2023 को जब सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय का पेपर लीक हुआ तो हड़कंप मच गया। कई मशहूर हस्तियां भी इसके खिलाफ सामने आईं और प्रश्न-पत्र को *अश्लीलतापूर्ण, गंदगी* और *आपत्तिजनक* बताते हुए इसकी आलोचना की। हालांकि, प्रोफेसर को बर्खास्त कर दिया गया था और दंडित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जांच का आदेश दिया है। इस्लामाबाद के शहजाद टाउन थाने में मामला भी दर्ज किया गया है। पेपर में छात्रों पर एक पैसेज दिया गया था जिसमें परिदृश्य बताया गया कि जूली और मार्क भाई और बहन हैं। वे कॉलेज से गर्मी की छुट्टियों में फ्रांस में एक साथ यात्रा कर रहे हैं। एक रात वे समुद्र तट के पास एक केबिन में अकेले रह रहे हैं। रात में उन्होंने आपस में शारीरिक संबंध बनाए और उसे मजेदार अनुभव माना। पेपर में इस दृश्य को लेकर छात्रों से उनके विचारों के बारे में पूछा और छात्रों को यह समझाने के लिए कहा गया था कि उन्हें क्यों लगा कि जूली और मार्क के लिए एक-दूसरे से प्यार करना ठीक है, और प्रासंगिक उदाहरणों और अपनी व्यक्तिगत राय का उपयोग करके अपने उत्तर को युक्तिसंगत बनाना है। उत्तर तीन भागों में और कम से कम 300 शब्दों में मांगा गया था। वहीं, पाकिस्तानी पत्रकार इहतेशाम उल हक ने कहा कि कॉमसैट में जो हुआ वह यहां पश्चिमी देशों में भी नहीं होता है। वहीं, शोधकर्ता और लेखिका शमा जुनेजो ने कहा कि मैं दशकों से पश्चिम में रह रही हूं। मेरे बच्चे यूके में पढ़े हैं, मैंने ऐसी गंदगी और अश्लीलता कभी नहीं देखी। यहां अनाचार और व्यभिचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। कॉमसेट यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त रजिस्ट्रार नवीद खान ने कहा कि बीएस इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष अंग्रेजी का पेपर दिसंबर 2022 में आयोजित किया गया था। प्रोफेसर खैर उल बशर को पांच जनवरी 2023 को बर्खास्त कर विश्वविद्यालय से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। पाकिस्तान आइडियोलॉजिकल पार्टी की एडवोकेट विंग के अध्यक्ष मुहम्मद अल्ताफ ने अश्लील सवाल द्वारा इस्लामी मूल्यों के खिलाफत के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

## *अडाणी पर फोर्ब्स ...*

तरह की किसी भी टाइज से इनकार किया है। कंपनी ने हिंडनबर्ग को 29 जनवरी 2023 को जारी अपने 413 पन्नों के जवाब में लिखा है कि विनोद किसी भी अडाणी लिस्टेड कंपनीज या उसकी सब्सिडियरी में मैनेजिरियल पोजिशन पर नहीं हैं। अडाणी ग्रुप ने कहा कि उन्होंने संबंधित पक्षों से जुड़े सभी लेन-देन को डिस्क्लोज किया है। हालांकि फोर्ब्स ने अडाणी ग्रुप को फायदा पहुंचाने वाले विनोद अडाणी के कुछ अनरिपोर्टेड ट्रांजैक्शन्स की पहचान की है जिसमें ऑफशोर फंड का इस्तेमाल किया गया है। यह ट्रांजैक्शन हिंडनबर्ग के अडाणी ग्रुप के अकाउंटिंग फ्रॉड के आरोपों को और मजबूत करते हैं। ऑस्ट्रेलिया बेस्ड एनालिसिस फर्म क्लाइमेट एनर्जी फाइनेंस के डायरेक्टर टिम बकले कहते हैं कि मुझे हमेशा लगा कि यह एक पार्टनरशिप है। गौतम फ्रेंडली पब्लिक फेस हैं, और विनोद प्राइवेट टैक्स हेवन में मास्टरमाइंड, रियल पपेट मास्टर हैं। टिम बकले ने अडाणी ग्रुप और ऑस्ट्रेलिया में कोल माइन डेवलप करने के उसके प्लान की स्टडी की है। अडाणी ग्रुप के साथ विनोद के कुछ सौदे सबके सामने हैं। अंबुजा की एक पब्लिक फाइलिंग के अनुसार विनोद की कंपनियों में से एक, एंडेवर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड ने भारतीय सीमेंट कंपनियों अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड और एसीसी लिमिटेड में स्विस फर्म होल्सिम के 10.5 बिलियन डॉलर के अधिग्रहण के लिए अडाणी ग्रुप के एक्विजिशन व्हीकल के रूप में काम किया। इस डील ने अडाणी ग्रुप को भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बना दिया। पिनेकल ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट, सिंगापुर की कंपनी है जिसे इनडायरेक्टली विनोद कंट्रोल करते हैं।

## *योगी आदित्यनाथ का ...*

के लिए भूमि पूजन किया जाएगा। इसमें रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास भी शामिल होंगे। साथ ही साथ हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास और अयोध्या के कई बड़े संत हिस्सा लेंगे। जानकारी के मुताबिक श्री योगी मंदिर 101 फीट ऊंचा होगा। इसकी लंबाई और चौड़ाई 50/50 की होगी। मंदिर बनाने में कुल लागत 4 करोड़ की आएगी। इसको लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतना पैसा कहां से आएगा? इस पर प्रभाकर मौर्य ने बताया कि यह पैसा यूट्यूब चैनल से और कई मुस्लिम संगठनों के सहयोग से हासिल किया जाएगा। अयोध्या के कल्याण भद्रासा गांव में इस मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रण भेजा गया है।

## *स्वर्वेद भाष्य*

**चतुर्थ मंडल** **अष्टम अध्याय**

**( योगाभ्यास )**

**बहें न मन माया संगे, इन्द्रिन अर्थ न पास।**
**अपर वास मन काम में, अन्तर रहे उदास॥ 53॥**

**शब्दार्थ :** (अपर वास) एकांत।

**भाष्य :** मन-माया के संग में न रहकर तथा इंद्रिय विषय-प्रवाह में न बहकर एकांत में रह अपना साधन करें और भीतर में जगत से उदासीन रहें।

**साधन दोनों समय में, अमृत ऊषा काल।**
**क्रमसह वृद्धि सुधार में, अग्र विहंगम चाल॥ 54॥**

**शब्दार्थ :** (ऊषाकाल) ब्राह्ममुहूर्त (अग्र) आगे (विहंगम चाल) विहंगम मार्ग।

**भाष्य :** योगाभ्यास अमृत ऊषाकाल और दोनों संध्या में क्रमश: बढ़ावें और अपनी त्रुटियों को सुधार कर विहंगम मार्ग द्वारा अपने साधन में आगे प्रगति करें।

# कांग्रेस ले रही हमसे और भाजपा से पैसे : अजमल

**धुबड़ी ( हि.स. )।** ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख और धुबड़ी के सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा हमारे साथ भी संतुलन बनाए रखा और भाजपा के साथ भी घनिष्ठता बनाए रखी। वे हमसे भी पैसा ले रहे और भाजपा से भी पैसा ले रहे हैं। इसलिए भूपेन बोरा दोनों पार्टियों के अंदर की खबर जानते हैं। एआईयूडीएफ प्रमुख अजमल के इस विस्फोटक बयान से राजनीति गरमा गई है। सांसद अजमल में बीती रात को पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं को धुबड़ी जिले के पश्चिम बिलासपुर निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बैठकें करने के बाद निर्वाचन क्षेत्र के हतीधुरा पहुंचकर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। सांसद अजमल ने गठबंधन को लेकर विस्फोटक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों में गठबंधन दिल्ली के नेताओं के साथ होगा। मित्रता की बैठक में नीतीश कुमार, सलमान खुर्शीद जैसे अन्य नेता गठबंधन चाहते हैं। इसलिए अगर केंद्र में गठबंधन होता है, तो उसे असम में भी होना चाहिए, लेकिन असम में गठबंधन पर भूपेन बोरा का विरोध महत्वहीन है। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के दिन खराब होते जा रहे हैं। मुसलमानों को कष्ट पहुंचाना उनका काम है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बाल विवाह के संबंध में कानूनी मदद ली है। बदरुद्दीन अजमल ने विधायक अखिल गोगोई को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने मीडिया से कहा कि अखिल गोगोई झूठे आदमी हैं। सांसद के साथ धुबड़ी के विधायक नजरूल इस्लाम, गौरीपुर के विधायक निजानुर रहमान, पश्चिम बिलासपुर के विधायक हाफिज बशीर अहमद और पूर्वी बिलासीपारा के विधायक शमसुल हुदा भी मौजूद थे।

## तालाब में जहरीला पदार्थ डालकर लाखों की मछलियां मारीं

**चिरांग ( हि.स. )।** जिले के भारत-भूटान सीमावर्ती इलाका रुनीखाता थाना अंतर्गत बंदौगुरी गांव में एक व्यक्ति के तालाब में लाखों मछलियां मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत दर्ज कर ली है। माना जा रहा है कि अज्ञात व्यक्ति ने तालाब में जहर डालकर मछलियों मार दिया है। मंगलवार को बंदौगुरी गांव निवासी निजौम बसुमतारी के तालाब में लाखों मरी हुई मछलिया सुबह पानी में उतराती देखी गई। पीड़ित निजौम ने आरोप लगाया कि बीती रात अज्ञात व्यक्ति ने बदले की भावना से कोई जहरीला पदार्थ तालब में डाल दिया। जिससे पांच लाख रुपए से अधिक की मछलियां मर गईं। इस घटना से रुनीखाता के बंदौगुरी गांव के ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों की सूचना पर रूनीखाता थाना पुलिस ने पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। पीड़ित व्यक्ति ने इस संबंध में थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है।

# समग्र शिक्षा, कामरूप का विद्यालय प्रबंधन व विकास समिति के साथ बैठक आयोजित

**रंगिया ( निसं )।** जिला के विद्यालयों की शिक्षा के उत्तरन तथा समग्र शैक्षिक वातावरण के उत्तरन के लक्ष्य को आगे रखते हुए समग्र शिक्षा, कामरूप द्वारा अमिनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला के विद्यालय प्रबंधन और विकास समिति के अध्यक्षों के साथ सोमवार को एक औपचारिक बैठक आयोजित की गई। कामरूप जिले की उपायुक्त कीर्ती जल्ली द्वारा स्वागत भाषण के साथ प्रारम्भ इस बैठक में विधायिका नंदिता दास, विभिन्न क्षेत्र के विधायकों के प्रतिनिधि, शिक्षा प्रभारी अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुवा, विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया, पूर्व आयुक्त सचिव थानेश्वर मालाकार, पूर्व पीसीसीएफएमसी मालाकर के साथ जिला के करीब दो सौ स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष मौजूद रहे। अपने उद्घघाटन भाषण में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने जिले के विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्षों को उनके नेतृत्व में विद्यालयों की समग्र शैक्षिक सफलता की दिशा में कदम बढ़ाने पर बल दिया। इसके अलावा, विद्यालयों के सुधार के लिए पूर्व छात्र-छात्राओं की भागीदारी, सामाजिक व्यवस्था की भागीदारी, विद्यांजली योजना के माध्यम से विद्यालय में जरूरी सामग्री प्रदान, विज्ञान शिक्षा का उत्तरन, विद्यालयों के प्रबंधन में पूर्व शिक्षकों की भागीदारी के साथ-साथ शैक्षिक परिवर्तन, बाल्य विवाह के विरुद्ध जागरूकता, छात्र-छात्राओं के बैंक एकाउंट, आधार कार्ड की व्यवस्था, विद्यालय के प्रति छात्रों का मन बढ़ाने के लिए भी व्यवस्थापना पर गुरुत्व दिया गया। बैठक में विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया ने भाग लिया जिन्होंने विद्यालय अध्यक्षों के दायित्वों एवं कर्तव्यों के बारे में बताया जिसमें छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की योजनाएं तैयार करना, शैक्षिक संसाधनों का संरक्षण, हस्तलिखित पत्रिकाएं, पुस्तकालय, विद्यालय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति शामिल है। उन्होंने आवंटित राशि के सदुपयोग पर प्रकाश डाला। बैठक का आयोजन शैक्षिक पहलुओं में सुधार की योजना तैयार करने के उद्देश्य से किया गया विभिन्न विद्यालयों के अध्यक्षों ने भी विद्यालय की विभिन्न समस्याओं को प्रस्तुत किया एवं विभिन्न सुझाव दिये बैठक में शिक्षा विभाग के दायित्व में रहने वाले अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुआ ने भाग लिया, जिन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और विद्यालय प्रबंधन समितियों द्वारा पालन किए जाने वाले कई मुद्दों का सुझाव दिया।

# पूर्वोत्तर क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी का काम करेगी जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** भारतीय रेल पूर्वोत्तर राज्यों में भी कई परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है, जो पूर्ण होने की दिशा में अग्रसर है। मणिपुर के राजधानी शहर इंफाल को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं के अलावा इस नई रेल लाइन परियोजना का कार्य भी जोर-शोर से चल रहा है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सव्यसाची डे ने मंगलवार को बताया है कि जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन परियोजना का निर्माण कार्य लगभग 110 किमी लंबे क्षेत्र पर हो रहा है। इसके दुर्गम इलाकों में कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। 52 सुरंगों में से सुरंग संख्या 12 इस परियोजना की सबसे लंबी सुरंग है। इसकी कुल लंबाई 10.275 किमी है, जिसमें 8.30 किमी लंबे समानांतर सुरक्षा सुरंग के साथ 529 मीटर आरसीसी रैंप शामिल है। सुरंग संख्या 12 नाजुक भू-दशा के साथ सबसे जटिल भूगर्भीय अवस्था से गुजर रही है। इस खंड में सुरंग बनाने का कार्य सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक है और पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) भारी बारिश एवं अन्य लॉजिस्टिक बाधाओं जैसे सभी चुनौतियों का सामना करते हुए दिन-रात अपने पूरे प्रयास में जुटी है। इस जटिल सुरंग निर्माण कार्यों के लिए पूसीरे के इतिहास में पहली बार वर्टिकल शाफ्ट्स निर्माण तकनीक को अपनाया गया है। आम तौर पर इस तकनीक का उपयोग केवल मेट्रो परियोजनाओं में किया जाता है। इंफाल घाटी की जटिल भूगर्भीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए और शेष सुरंग खंड के निर्माण काल को घटाने के लिए, वर्टिकल शाफ्ट का निर्माण किया जा रहा है। इससे सुरंग कार्य की प्रगति में तेजी लाने में मदद मिलेगी। सभी सुरंग बनाने के कार्य को वर्टिकल शाफ्ट के माध्यम से करते हुए गैन्ट्री क्रेन और अन्य अत्याधुनिक मशीनों की मदद ली जा रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अद्भुत अवसंरचना के निष्पादन में पूसीरे निरंतर परचम लहरा रहा है। इस रेलवे ने जिरिबाम-इंफाल परियोजना में काफी ऊंचे और पहाड़ी सुरंगों के सफल समापन के साथ बड़े पैमाने पर सुरंग बनाने का कार्य शुरू किया है।

## धुबड़ी में 50 लाख की शेगुन की लकड़ी जब्त

**धुबड़ी ( हि.स. )।** असम-बंगाल सीमा पर धुबड़ी के छगलिया में पुलिस ने बड़ी मात्रा में तस्करी की शेगुन की लकड़ी जब्त की है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार किया है। वन विभाग ने जब्त लकड़ी की कीमत 50 लाख रुपए आंकी है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि छगलिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगालैंड से बिहार जाते समय एक ट्रक को रोका। इस 14 चक्का ट्रक में तस्करी कर लाई गई शेगुन की लकड़ी जब्त की है। जब्त शेगुन की लकड़ी की कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने ट्रक चालक जगतार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त लकड़ी वन विभाग को सौंप दी है। उल्लेखनीय है कि असम-पश्चिम बंगाल की सीमा पर तलाशी चौकी नहीं होने पर अवैध रूप से बर्मीज सुपारी, लकड़ी, फेंसिडिल, कोयला, तंबाकू, उर्वरक आदि की तस्करी होती रहती है।

# आमसांग वन्य जीव अभयारण्य में कीमती पेड़ों को काटने का आरोप

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** वन्यजीव अभ्यारण्य का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद संरक्षित क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा बने आमसांग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में पेड़ों की निर्बाध रूप से कटाई का सिलसिला वन अधिकारियों की नाक के नीचे बदस्तूर जारी है। गुवाहाटी शहर के पूर्वी किनारे पर स्थित आमसांग वन्यजीव अभयारण्य 78.64 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है। मूल्यवान पेड़ों से समृद्ध है और दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षियों और जानवरों का आसियाना है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब मीडिया सूचना मिलने पर मंगलवार को हस्तिनापुर क्षेत्र के पास आमसांग वन्यजीव अभयारण्य में पहुंचा। यह क्षेत्र गुवाहाटी वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत खानापाड़ा वन्यजीव रेंज की सीमा में आता है। इलाके में कई पेड़ काटे देखे गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि पेड़ों की कटाई हाल के दिनों में हुई है। आरोप लगाया गया है कि वन विभाग की घोर लापरवाही के चलते लकड़ी माफिया अभयारण्य से कीमती शेगुन के पेड़ काट रहे हैं। इस गतिविधि को रोकने के लिए स्थानीय लोगों द्वारा आज गुवाहाटी वन्य जीव प्रभाग, आईएफएस के प्रभागीय वन अधिकारी, जयश्री नैडिंग के संज्ञान में लाया गया। डीएफओ के निर्देश पर मौके पर पहुंचे वन अधिकारियों की टीम ने इलाके का सर्वे किया और अभयारण्य के अंदर पेड़ गिरने की पुष्टि की। खानापाड़ा वाइल्ड लाइफ रेंज के रेंज ऑफिसर सफीकुर रहमान से संपर्क करने पर पता चला कि उन्हें काटे गए पेड़ों की सही संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। स्थानीय लोगों ने गुवाहाटी वन्यजीव प्रभाग से काटे गए पेड़ों की सही संख्या और पेड़ों की अवैध कटाई के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने संरक्षित क्षेत्र में पेड़ों की और कटाई को रोकने के लिए कदम उठाने की भी मांग की। कुछ स्थानीय निवासियों ने आमसांग में पेड़ों की अवैध कटाई की जांच करने में पूरी तरह से अक्षम वन विभाग की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वन अधिकारियों को जंगल की रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जानकारी के अनुसार, खानापाड़ा वन्यजीव रेंज और बोंदा वन्यजीव रेंज के वन अधिकारियों को आमसांग वन्यजीव अभयारण्य की सुरक्षा के लिए गश्त करनी है। हालांकि, अभयारण्य की तलहटी में रहने वाले लोगों ने बताया कि उन्होंने खानापाड़ा रेंज के किसी भी वन अधिकारी को जंगल के अंदर गश्त करते हुए कभी नहीं देखा है, बल्कि उनके वाहनों को, खासकर राजमार्गों पर तेजी से दौड़ते हुए देखा है।

# तोलाराम बाफना अस्पताल का मनाया गया स्थापना दिवस

**रंगिया।** अमिनगाँव स्थित तोलाराम बाफना कामरूप सिविल अस्पताल के 14वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार का शिलान्यास किया। इस मौके पर उपायुक्त ने आधिकारिक तौर पर इस दिवस के संयोजन में एक रक्तदान शिविर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने साथ ही अस्पताल के ईएनटी विभाग और खरसूत्र शल्य चिकित्सा कक्ष भी आधिकारिक तौर पर खोला और लोगों की सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने अस्पताल के जिला जनस्वास्थ्य परीक्षागार में एफएनएसी परीक्षा केंद्र का भी उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि उद्घघाटन किये गए ईएनटी और खरसूत्र अस्त्रोपचार कक्ष से मरीजों को इस प्रकार के अस्त्रोपचार की सुविधा अस्पताल में ही मिलने के साथ-साथ एफएनएसी परीक्षण केंद्र के जरिये मरीज यह विशेष जांच अस्पताल में ही करा सकेंगे। इसके पश्चात उपायुक्त ने अस्पताल की प्रबंधन समिति की बैठक में भी भाग लिया और अस्पताल के सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों से निस्वार्थ भाव एवं लोगों के हित के लिए समर्पित भाव से काम करने का आग्रह किया। बैठक में लोक निर्माण विभाग को तोलराम बाफना अस्पताल के प्रवेश द्वार के निर्माण की अनुमानित लागत निर्धारित करने का भी निर्देश दिया गया और सिविल अस्पताल में आने वाले मरीजों को मुफ्त प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए तोलाराम बाफना और नारायण हृदयालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर जोर दिया गया।

# लायंस इंटरनेशनल के जिला 322जी के जिलापाल बीएस राठौड़ का गुवाहाटी दौरा

**लायंस गुवाहाटी।** लायंस इंटरनेशनल के जिला 322जी के जिलापाल बीएस राठौड़ के लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर मे एक दिवसीय दौरे के दौरान लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की अध्यक्ष बेला नाउका के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम जिलापाल बी एस राठौड़ एवं प्रथम महिला लेखा राठौर ने उदालबाकरा स्थित विवेकानंद कल्याण केंद्र जातीय शिक्षा निकेतन स्कूल का दौरा किया और स्कूल की देखरेख से जुड़े सतीश मीत्तल के कार्यो की प्रसन्सा की एवं स्कूल में स्थित वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर की संयोजक नीरु काबरा द्वारा वहां की गतिविधियों की जानकारी ली और कंप्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी आदि के प्रशिक्षण की काफी तारीफ की साथ ही कराटे क्लास के बच्चों द्वारा प्रस्तुत एक कार्यक्रम का भी आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच चॉकलेट बिस्कुट वितरित किए गए और वीडीजी 2 सीमा गोयनका द्वारा बच्चों के बीच फरूटी का वितरण किया गया और रीतू सीकरीया के सौजन्य से स्कूल के अध्यापकों को पूमा के जूते एवं क्लब द्वारा छात्रों के बीच ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी भी वितरित की गई। मुस्कान कार्यक्रम के तहत क्विज के विजेताओं को पुरस्कार एवं सिलाई का एडवांस कोर्स पूरा करने वाले छात्रों को माननीय जिलापाल महोदय द्वारा सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। तत्पश्चात जू रोड स्थित ब्लू लेडर चिल्ड्रंस लाइब्रेरी का भी दौरा कर पुरुषोत्तम गग्गड द्वारा लाइब्रेरी की गतिविधियों की जानकारी ली। लाइब्रेरी में जिलापाल महोदय ने बच्चों को कई मनोरंजक प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई और बच्चों को कई उपहार भी प्रदान किए गए। तत्पश्चात स्थानीय होटल औरनेट में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं साधारण सभा में शिरकत की। कार्यक्रम में वंदना हेड़ा मिंडा और अमिता मौ द्वारा पारंपरिक राजस्थानी गीत और नृत्य के साथ जिलापाल का भव्य स्वागत किया। क्लब के 5 सदस्यों के ग्रुप द्वारा असम का राज्यगीत प्रस्तुत किया गया। अपने विशेष पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन में क्लब की अध्यक्ष बेला नाउका ने क्लब के परमानेंट प्रोजेक्ट और सेक्रेटेरियल रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसकी सभी ने बहुत सराहना की। वीडीजी 2 सीमा गोयनका ने तीन नए सदस्यों को सदस्यता की शपथग्रहण करवाई और अपने संबोधन में कहा कि धारावाहिक रूप से इतने प्रोजेक्ट करना हर किसी के वश की बात नहीं है। पीडीजी डॉक्टर श्याम सुंदर हरलालका ने अपने संबोधन में अनेकोनेक प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए क्लब की तारीफों के पुल बांध दिए। लायंस इंटरनेशनल के कैबिनेट के पदाधिकारी, अनेक पीडीजी एवं अन्य क्लबों के पदाधिकारियों की उपस्थिति विषेश रही। सुधा शर्मा ने जिलापाल बी एस राठौड़ एवं प्रथम महिला लेखा राठौड़ की जीवनी पर आधारित एक वीडियो द्वारा उनका परिचय दिया।

# रतनगढ़ के प्रवासियों ने विधायक अभिनेष महर्षि का किया सम्मान

**गुवाहाटी।** राजस्थान की विधानसभा क्षेत्र रतनगढ़ के प्रवासी राजस्थानीयों ने खानापाड़ा स्थित आशीर्वाद विवाह भवन में रतनगढ़ के भाजपा विधायक अभिनेष महर्षि वह उनकी धर्मपत्नी रूबी महर्षि का गुवाहाटी पधारने पर नागरिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रवासी श्यामसुंदर पारीक, देवकरण पारिक,परेश पारिक और दिनेश पारीक ने फुलाम गमछा से विधायक का अभिनंदन किया। सम्मान सत्र में विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा, सचिव दिनेश पारीक, राष्ट्रीय महासचिव चंद्र प्रकाश शर्मा, सांस्कृतिक समिति सलाहकार संपत मिश्र, भारतीय अटल सेवा महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा, खांडल विप्र परिषद के अध्यक्ष शिव भगवान नवहाल,सुजानगढ नागरिक परिषद के मनोज गहलोत पारीक सभा के अरविंद पारीक और अमित पारीक के अलावा विनोद शर्मा, अधिवक्ता विश्वंभर शर्मा ने भी उपस्थित होकर विधायक का अभिनंदन किया। गौरतलब है कि विधायक अभिनेष महर्षि असम के नवनियुक्त राज्यपाल गुलाब कटारिया के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर गुवाहाटी पधारे हुए हैं।

# अणुव्रत अमृत महोत्सव का शुभारंभ

**गुवाहाटी ( नसं )।** अणुव्रत विश्वभारती सोसाइटी के तत्वाधान में अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन के गौरवशाली 75 वर्ष के उपलक्ष में अणुव्रत अमृत महोत्सव का गुवाहाटी शाखा के सौजन्य से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेंद्र शरणीया ने झंडोत्तोलन करके अणुव्रत रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले समणी निर्देशिका विपुल प्रज्ञा ने आशीर्वचन देते हुए कहां कि आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन की शुरुआत की थी। क्योंकि भगवान महावीर स्वामी ने दो व्रत अर्थात महाव्रत और अणुव्रत की चर्चा की थी। महाव्रत को हर कोई नहीं कर सकता। कारण इसमें पांच कठिन व्रत होते हैं जिसके पालन से व्यक्ति संयमी साधु हो जाता है किंतु सामान्य व्यक्ति के लिए अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन आचार्य तुलसी के द्वारा किया गया। जिसके पालन से मनुष्य मनुष्य हो जाता है। यह असंप्रदायिक आंदोलन है। जिसमें जाति पति अथवा धर्म का भेद नहीं है। जिसके पालन से मनुष्य का जीवन सहज हो जाता है। अणुव्रत अपने आप में संयमी जीवन जीते हैं। इस अवसर पर मेयर मृगेन शरणीया ने कहा कि विश्व में कितनी अशांति है। भाई भाई में दुश्मनी हो रही है। ऐसे में मानव कल्याण के कार्यक्रमों की जरूरत है। अनुव्रत का उद्देश्य मानव कल्याण के लिए है। अणुव्रत अमृत महोत्सव मानव सेवा के लिए एक सराहनीय कदम है। आज आयोजित अमृत महोत्सव रैली भी काफी प्रशंसनीय है। इस अवसर पर गुवाहाटी नगर निगम के पार्षद प्रमोद स्वामी और सौरभ झुनझुनवाला भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अणुव्रत समिति गुवाहाटी के अध्यक्ष बजरंगलाल डोषी ने अणुव्रत के 75वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में अमृत महोत्सव वर्ष के बारे में विस्तार से बताया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के संयोजक अशोक मालू ने अणुव्रत अमृत रैली के बारे में विस्तार से बताया। शाखा कार्यक्रम के संयोजक निर्मल श्यामसुखा ने कार्यक्रम की व्यवस्था को संभाल रखा था। ध्वजारोहण के पश्चात रैली तेरापंथ भवन से फैंसी बाजार एचबी रोड, जेल रोड होते हुए पुन: तेरापंथ धर्म स्थल में समापन हुई। इस रैली में लायंस क्लब द्वारा संचालित सहयोग स्कूल के छात्रो के अलावा तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम एवं तेरापंथ धर्मसंघ की अन्य संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात संवाददाताओं के साथ एक संवाद मेल का आयोजन भी किया गया।

# मंत्री अशोक सिंघल ने उद्यम-2023 का किया उद्घाटन

**रंगिया ( निसं )।** राज्य सरकार के गृह निर्माण और शहरी मामलों और सिंचाई विभाग के मंत्री अशोक सिंघल ने आज उत्तर गुवाहाटी महाविद्यालय खेल मैदान प्रांगण में आयोजित उद्यम -2023 शीर्षक लघु, हल्के और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) व्यापार और वाणिज्य सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन आज से 25 फरवरी तक भारत सरकार के कामरूप, कामरूप (महानगर), नलबाड़ी और ग्वालपारा जिलों के साथ भारत सरकार के एमएसएमई और बैंकिंग खंड के विभिन्न संस्थानों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जा रहा है।अपने उद्घाटन भाषण में, मंत्री सिंघल ने कहा कि असम में 10 स्थानों पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्वशर्मा के नेतृत्व में असम के दस स्थानों में आयोजित उद्यम -2023 नामक इस कार्यक्रम के जरिए व्यापार और उद्यमिता के प्रति एक जन जागरूकता का कदम उठाने के साथ असम को आर्थिक रूप से आगे ले जाने का प्रयास है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा उद्यमियों के लिए समय-समय पर चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश के दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा हमारे स्वदेशी उद्योगों और उद्यमियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग जगत के लिए आशा का प्रतीक है कि उद्योग और व्यापार के प्रति उदासीनता दिखाने वाले भी आज इस क्षेत्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर यह गति जारी रही तो आने वाले दिनों में असम में उद्यमियों की संख्या में काफी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि अब स्थापित होने वाला हर बड़ा उद्योग एक समय मे छोटे रूप में उभरा था और इसलिए नए उद्यमियों के लिए इस बारे में संदेह करना निराधार है। उद्यम के हिस्से के रूप में किए गए लघु, हल्के और मध्यम उद्यमों की प्रदर्शनी, सेमिनार और प्रशिक्षण शिविरों जैसे अभिनव कार्यक्रमों से राज्य के लघु, हल्के और मध्यम उद्योग खंड द्वारा व्यवसाय को एक नई गति प्रदान करेगा और राज्य के विभिन्न हिस्सों में आयोजित उद्यम कार्यक्रम में उन्होंने सभी से भाग लेने की अपील की। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में 100 से अधिक एमएसएमई दुकानें और 12 खाद्य दुकानों ने भाग लिया। सम्मेलन में कामरूप जिले के कृषि, रेशम, हस्तशिल्प और कपड़ा और जिला ग्रामीण प्राधिकरण की दुकानों ने भी भाग लिया। सम्मेलन व्यापार व्यवहार्यता, उपयुक्त परियोजनाओं का चयन, व्यवसाय विकास, पंजीकरण, ऋण की उपलब्धता, बांस और बेंत से सुंदर सामानों का निर्माण, हस्तशिल्प और वस्त्र शिल्प के आधुनिकीकरण पर महत्व, खरीददार और विक्रेता सम्मेलन, काठफुला का मूल्य संयोजन, सामानों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, मार्केट लिंकेज, निर्यात जागरूकता आदि पर प्रशिक्षण और सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं और विद्यालय और महाविद्याल के छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं की व्यवस्था की जा रही है। आज के कार्यक्रम में उद्योग और वाणिज्य और सार्वजनिक प्रतिष्ठान विभाग के सचिव डॉ. लक्ष्मनन एस, भारत सरकार के एमएसएमई के संचालक आरके गिरि, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष मनोज लुंडिया, कामरूप जिले के विकास आयुक्त नरसिंह बे, असम वाणिज्य विकास संस्था के अध्यक्ष सुनील डेका, एआईडीसी के उपाध्यक्ष नवद्वीप कलिता एवं उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आला अधिकारी उपस्थित थे।

## संसदीय प्रणाली की पहचान है अनुशासन और मर्यादा : राष्ट्रपति मुर्मू

**इटानगर (हि.स.)।** राष्ट्रपति ने मुर्मू ने डिजीटल इंडिया कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश में ई-विधान प्रणाली अपनाने और विधानसभा में पेपरलेस प्रणाली लागू करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनुशासन और मयार्दा संसदीय प्रणाली की पहचान है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बहस की सामग्री और गुणवत्ता उच्चतम स्तर की हो। साथ ही हमें विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर आम सहमति बनाने की जरूरत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित कर रही थीं। मुर्मू सोमवार से दो दिवसीय दौरे पर अरुणाचल प्रदेश में हैं। विधानसभा में मुर्मू ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा पर उन्होंने राज्य सरकार के राज्य के जलवायु परिवहन को बचाने के लिए पक्के घोषणा अपनाने की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आज के युग में पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक विकट समस्या है। हमें इन चिंताओं का समाधान जल्द खोजना होगा। अरुणाचल प्रदेश जैसे भौगोलिक रूप से संवेदनशील राज्यों के लिए ये मुद्दे और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने इस पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि इस राज्य के नीति-निमार्ताओं ने इस मुद्दे पर अपना ध्यान रखा है। राष्ट्रपति ने 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तहत 'ई-विधान'-कागज रहित डिजिटल यात्रा को लागू करने के लिए अरुणाचल प्रदेश विधानसभा की सराहना की।

# चारधाम यात्रा के बेहतर व्यवस्थाओं के लिए धन की नहीं होने दी जायेगी कमी : मुख्यमंत्री

**देहरादून, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए बेहतर व्यवस्थाओं के लिए धनराशि की कमी नहीं होने दी जायेगी। यात्रा के सफल संचालन के लिए जोशीमठ में आपदा प्रबंधन का कंट्रोल रूम भी बनाया जायेगा। उन्होंने यह बात मंगलवार को चारधाम यात्रा की समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों से यात्रा से पूर्व अपने स्तर से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कही। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के दौरान बताया कि श्री बद्रीनाथ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए बीआरओ की एक टीम नियमित रूप से जोशीमठ में रहेगी। यदि जोशीमठ में सड़कों में दरार या कोई अन्य समस्याएं आती हैं, तो उनका शीघ्र ट्रीटमेंट किया जायेगा। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग को लोक निर्माण विभाग की सड़कों को शत प्रतिशत गड्ढ़ा मुक्त करने के निर्देश दिये गये थे, लेकिन अभी भी कई जगह सड़कों पर गड्ढे की शिकायतें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिये कि सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने और सड़कों के सुधारीकरण के लिए प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग प्रत्येक सप्ताह जिलाधिकारियों और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। यह समीक्षा तब तक जारी रखी जायेगी, जब तक जिलाधिकारियों से लोक निर्माण विभाग की सड़कों के शत प्रतिशत गड्ढा मुक्त होने और सुधारीकरण की रिपोर्ट न आये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा मार्गों पर वाहनों के पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए। वाहन चालकों के लिए पार्किंग स्थलों पर आराम करने की व्यवस्थाएं भी की जाएं। चारधाम यात्रा में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। पैदल मार्गों में भी स्वच्छता के लिए पूरी व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पेट्रोल पम्पों पर पेयजल और टॉयलेट की उचित व्यवस्था हो। यात्रा मार्गों पर साइनेज एवं क्रैश बैरियर की आवश्यकतानुसार पूरी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए खर्चे की पूरी व्यवस्था की जायेगी, लेकिन कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। चारधाम यात्रा के लिए वाहनों के फिटनेस टेस्ट एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाए। चारधाम यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य, पेयजल, शौचालयों एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रखी जाएं। चारधाम यात्रा के पैदल मार्गों पर घोड़े-खच्चरों के लिए गर्म पानी की व्यवस्था के साथ ही पशुपालन विभाग से डॉक्टरों की टीम की पूरी व्यवस्था रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा के बेहतर संचालन के लिए यात्रा शुरू होने से पूर्व अधिकारी धरातल पर जाकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। चारधाम यात्रा मार्गों के आस-पास के मन्दिरों एवं धार्मिक स्थलों का भी व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि श्रद्धालु चारधाम यात्रा के साथ इन धार्मिक स्थलों के भी दर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि अपने यात्रा खर्च का पांच प्रतिशत खर्च स्थानीय उत्पादों को खरीदने में करें, जिससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए चारधाम में किन स्थानीय उत्पादों को प्रमोट किया जा सकता है, इस दिशा में प्रयास किये जाएं। मिलेट पर आधारित उत्पादों को भी चारधाम यात्रा के दौरान प्रमोट किया जाए।

# मेट्रो स्टेशन तक ही नहीं आपको घर तक पहुंचाएगा डीएमआरसी

**अजय कुमार**

**नई दिल्ली।** अगर आप राजधानी दिल्ली में रहते हैं तो ये खबर आपके बड़े काम की है। अब आपको मेट्रो स्टेशन से घर तक पैदल जाने की जरूरत नहीं है और न ही इसके लिए ऑटो वालो को मंहगा किराया देना पड़ेगा। दिल्ली मेट्रो अब आपको स्टेशन से घर तक पहुंचाने का भी इंतजाम करने वाला है। दरअसल आने वाले महीनों में दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोर्रेशन डीएमआरसी छतरपुर रोहिणी और मध्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक ऑटो के माध्यम से लास्ट-माइल कनेक्टिविटी लेकर आने वाला है। डीएमआरसी ने लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए ई-ऑटो चलाने के लिए वर्तमान में दो ऑपरेटरों को नियुक्त किया है। इनमें से एक ऑपरेटर मैसर्स सन मोबिलिटी ने अक्टूबर 2022 में द्वारका इलाके से 50 ई-ऑटो के साथ सामान्य कोटा के तहत ई-ऑटो सर्विस की शुरूआत की और फिलहाल 136 ई-ऑटो को चला रहा है। इसके अलावा एक अन्य ऑपरेटर मेसर्स ईटीओ मोटर्स ने 36 ई-ऑटो के साथ दिसंबर 2022 में आजादपुर इलाके में महिलाओं के कोटे (केवल महिलाओं द्वारा संचालित) के तहत ई-ऑटो सेवाओं की शुरूआत की। डीएमआरसी के कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन के मुख्य कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा आने वाले महीनों में छतरपुर रोहिणी और मध्य दिल्ली के आसपास के इलाकों में भी इन ई-ऑटो-आधारित अंतिम माइल कनेक्टिविटी का विस्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। ई-ऑटो से पहले डीएमआरसी लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए दिल्ली में इलेक्ट्रिक फीडर बसें लेकर आया था। लेकिन डीएमआरसी के अधिकारियों ने कहा कि ई-फीडर बसें व्यवहारिक नहीं थीं क्योंकि उसकी क्षमता के हिसाब से कम लोग इस्तेमाल कर रहे थे यानी बसें खाली चल रही थीं। एक अधिकारी ने पहले कहा था कि ई-ऑटो के इस्तेमाल के लिहाज से ज्यादा बेहतर है वहीं बसें लास्ट माइल कनेक्टिविटी के बजाय शहरी ट्रांसपोर्ट के लिए ज्यादा बेहतर ऑप्शन है।

# यूफ्लेक्स के दिल्ली व नोएडा सहित 64 ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** आयकर विभाग ने पैकेजिंग क्षेत्र की कंपनी यूफ्लेक्स के दिल्ली और नोएडा सहित देशभर में 64 ठिकानों पर छापेमारी की है। आयकर अधिकारियों ने यूफ्लेक्स के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के सिलसिले में ये कार्रवाई की। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आयकर विभाग की टीम ने कंपनी के दिल्ली, नोएडा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक स्थित कार्यालयों और संबंधित परिसरों समेत करीब 60 से 70 ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की है। हालांकि, इस बारे में कंपनी की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। फिलहाल आयकर विभाग की टीम कंपनी के दस्तावेजों को खंगाल रही है। उल्लेखनीय है कि यूफ्लेक्स लिमिटेड कंपनी का देशभर में कंटेनर और पैकेजिंग क्षेत्र में बड़ा कारोबार है। इसके अलावा यूफ्लेक्स पान मसाले की पैकेजिंग से संबंधित बिजनेस भी करती है। कंपनी का दिल्ली, नोएडा, मुंबई, जम्मू, चेन्नई, देहरादून, कोलकाता, हिमाचल, हरियाणा के फरीदाबाद सहित कई जगहों पर कार्यालय है।

# दिल्ली सरकार करेगी पंजाबी बाग ट्रंक सीवर लाइन की सफाई

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** उममुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मोती नगर के करमपुरा वार्ड में पंजाबी बाग एसपीएस से शिव मंदिर मनोहर पार्क (पूर्वी पंजाबी बाग) तक ट्रंक सीवर लाइन की सफाई के लिए 64 लाख रुपये की परियोजना को मंगलवार को मंजूरी दी। पंजाबी बाग ट्रंक सीवर लाइन की सफाई होने के बाद मनोहर पार्क, मदन पार्क, चन्नामल पार्क, जयदेव पार्क, पूर्वी पंजाबी बाग के लोगों को सीवर ओवरफ्लो की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। सिसोदिया ने दिल्ली जल बोर्ड को यह कार्य प्रमुखता के आधार पर समयसीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया है। सिसोदिया ने बताया कि केजरीवाल सरकार द्वारा मोती नगर के करमपुरा वार्ड में एसपीएस पंजाबी बाग से शिव मंदिर मनोहर पार्क (पूर्वी पंजाबी बाग) तक ट्रंक सीवर लाइन की डिसिल्टिंग की जाएगी। इस सीवर लाइन में गाद जमा होने के कारण सीवरेज के पानी का प्रवाह कम हो रहा है। खासकर बारिश के मौसम में एसपीएस से अत्याधिक पंपिंग के कारण बैक-ओवरफ्लो की स्थिति पैदा हो जाती है। इस वजह से सड़क पर जल भराव की समस्या होती है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या भी उत्पन्न होती है। साथ ही वाहनों व पैदल चलने वाले लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पंजाबी बाग ट्रंक सीवर लाइन की डिसिल्टिंग के बाद इलाके के लोगों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से मुक्ति मिलेगी। साथ ही सुचारू तरीके से सीवर फ्लो हो सकेगा।

**2.60 किमी तक की जाएगी ट्रंक सीवर लाइन की सफाई** - पंजाबी बाग एसपीएस तक इस सीवर लाइन की कुल लंबाई करीब 2.60 किमी है। यह ट्रंक सीवर लाइन मनोहर पार्क से शुरू होकर मनोहर पार्क, मदन पार्क, चन्नमल पार्क, जयदेव पार्क, पूर्वी पंजाबी बाग आदि से निकलने वाले डिस्चार्ज को केटर करती है। 15 किमी से अधिक की दूरी तय करके निलोठी प्लांट एसटीपी में जाती है। सीवर लाइन में ब्लॉकेज व गाद आदि से सीवर सही से फ्लो नहीं हो पाता। इसलिए दिल्ली सरकार ने पंजाबी बाग एसपीएस तक सीवर लाइन की गाद निकालने का फैसला लिया है।

## पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली-एनसीआर के तापमान में आ सकती है थोड़ी कमी

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** दिल्ली एनसीआर में फरवरी के महीने में ही गर्मी बढ़ गई है। दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है। सोमवार को दिल्ली एनसीआर का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि पिछले 55 सालों में तीसरा सबसे अधिकतम तापमान रहा है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ के चलते तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने वाला एक पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है, इसलिए बुधवार को उत्तर पश्चिम भारत में तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर है। पिछले कई दिनों से उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में मौसम मुख्य रूप से शुष्क था। इसलिए आसमान साफ है, जिससे तापमान में बढ़ोतरी हो रही है।

# दिल्ली के हर घर जाकर अब डेंगू पर होगा प्रहार

**अजय त्यागी**

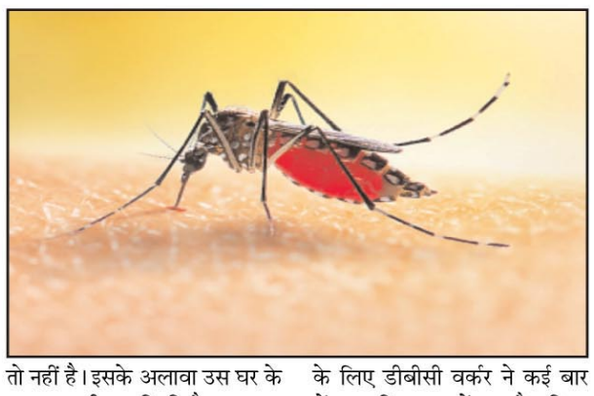

**नई दिल्ली।** हर साल राजधानी दिल्ली और एनसीआर में डेंगू का जबरदस्त प्रकोप देखने को मिलता है। लेकिन राहत की बात यह रही कि बीते सालों की तुलना में इस बार डेंगू मरीजों की संख्या में थोड़ी कमी देखने को मिली। वहीं मौत का आंकड़ा भी पिछली बार की तुलना में कम रहा। लेकिन अब डेंगू से बचाव के लिए अब एमसीडी द्वारा हर घर पहुंचकर पूछताछ की जाएगी और बचाव के हर संभव उपाय भी किए जाएंगे । एमसीडी डीबीसी डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स हर घर जाकर इस बात की पुष्टि करेंगे कि मरीज को डेंगू का बुखार तो नहीं हुआ है और अगर हुआ है तो उससे कितने लोग पीड़ित हैं और आसपास की क्या स्थिति है। डेंगू मरीजों की पहचान के लिए घर-घर जाकर केवल दवाइयों का छिड़काव ही नहीं होगा। बल्कि यह भी पता किया जाएगा कि उस परिवार में किसी को बुखार और डेंगू से संबंधित लक्षण तो नहीं है। इसके अलावा उस घर के आसपास की क्या स्थिति है। अब तक बुखार और अन्य डेंगू संबंधित लक्षण के बारे में अस्पताल से ही मरीज के बारे में पता चलता था लेकिन अब डीबीसी वर्कर घर घर जाकर इसकी पड़ताल करेंगे।

अधिक बार बुखार से पीड़ित रहने वाले व्यक्तियों के इलाकों को कंटेनमेंट जोन बनाया जाएगा। यहां पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। वैसे पिछले साल एंटी लारवा के छिड़काव के लिए डीबीसी वर्कर ने कई बार डेंगू प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। बारिश के बाद खासतौर पर दिल्ली और एनसीआर में डेंगू का जमकर कहर देखने को मिलता है। लेकिन इस बार राहत की बात यह रही कि बीते 3 सालों में डेंगू मरीजों की संख्या की आने में कमी देखने को मिली। 2022 में कुल लगभग 4469 मरीजों के मिलने की पुष्टि हुई वहीं डेंगू से 9 मरीजों की मृत्यु भी हुई।

# एसीबी ने दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर नरेश सिंह को किया गिरफ्तार

**आशीष वर्मा**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एसीबी (एंटी करप्शन ब्रांच)) ने जल बिल स्कैम मामले में एक अन्य आरोपित नरेश सिंह को गिरफ्तार किया। नरेश सिंह घोटाले के समय दिल्ली जल बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर पद पर तैनात थे। एसीबी के वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि नरेश सिंह पर कई लाख रुपये घूस लेने का आरोप है इसके एवज में उन्होंने अन्य कंपनियों को बिल वसूली कर दिल्ली जल बोर्ड में जमा न करने की सहूलियत दी थी। इस मामले में एसीबी ने पेमेंट कंपनियों के अधिकारियों व मालिकों को पहले ही गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नरेश सिंह वर्ष 2015 से 2020 तक दिल्ली जल बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर पद पर तैनात थे। इस दौरान उन्होंने फ्रेश पे कंपनी को लगातार सहूलियतें दी, ताकि वह लोगों से बिल वसूली कर सके। विजिलेंस जांच में दिल्ली जल बोर्ड में 20 करोड़ रुपये के घोटाले की बात सामने आई थी। इस जांच में दिल्ली जल बोर्ड के फंड में 20 करोड़ रुपये की घपलेबाजी का खुलासा हुआ है। जांच में यह भी पता चला है कि कॉरपोरेशन बैंक की मिली-भगत से कुछ लोगों ने भ्रष्टाचार के इस खेल को अंजाम दिया है। पहले से गिरफ्तार आरोपितों में राजू नायर, गोपी कुमार केडिया और डॉक्टर अभिलाष पिल्लई शामिल हैं। राजू नायर ऑरम-ई- पेमेंट प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है। डॉक्टर अभिलाष पिल्लई फ्रेशपे आईटी सॉल्यूशन का निदेशक है।

## आपने झूठ का जो लाक्षागृह बनाया है, जनता उसे जल्दी ही भस्म में करने वाली है : कमलनाथ

**भोपाल, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सवालों के बदले सवाल पूछ रहे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और भी हमलावर हो गए हैं और सरकार पर तीखे सवाल साध रहे हैं। मंगलवार को भी दोनों राजनेताओं ने महिलाओं के मुद्दे पर एक दूसरे को घेरते हुए आरोप प्रत्यारोप लगाए। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री चौहान पर निशाना साधते हुए कहा है कि आपने झूठ का जो लाक्षागृह बनाया है, जनता उसे जल्दी ही भस्म में करने वाली है। कमलनाथ ने मंगलवार को ट्वीट कर लिखा कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करहिं सो तस फल चाखा। शिवराज जी, अपने कर्मों का हिसाब आदमी को यहीं देना पड़ता है। आपने झूठ का जो लाक्षागृह बनाया है, जनता उसे जल्दी ही भस्म में करने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल साधते हुए कहा कि आपने अपने झूठ पत्र में वादा किया था कि पुलिस बल में महिलाओं के लिए आरक्षित पदों के लिए प्राथमिकता से भर्ती प्रक्रिया करेंगे। लेकिन महिलाओं की पुलिस में भर्ती तो दूर, हर तरह की पुलिस भर्ती को आपने विवादों में उलझा दिया है। आपका यह षड्यंत्र मध्यप्रदेश की मातृशक्ति कभी नहीं भूलेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान ने पौधरोपण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कमलनाथ ने सवाल पूछते हुए कहा कि ताकि सनद रहे...कांग्रेस के झूठ उजागर करना मेरे कर्तव्य है। कमलनाथ जी ने कहा था कि महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करेंगे। उनको स्वरोजगार हेतु रियायती दरों पर बैंकों से ऋण उपलब्ध कराएंगे। 15 महीनों में कितनी महिलाओं को आपने ऋण उपलब्ध कराया? वहीं एक दिन पहले एआईसीसी की जारी सूची पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि कांग्रेस खानदानी पार्टी है। खानदानी मतलब एक ही परिवार की पार्टी, माँ, बेटा और बहन की पार्टी, पिता और पुत्र की पार्टी। उन्हें दूसरों की जरूरत ही नहीं। कार्यकर्ता दरी बिछाएं। नेता मौज उड़ाएं।

# ममता बनर्जी ने कहा : चाहे जितनी भाषाएं सीखिए लेकिन घर पर बांग्ला बोलिए

**कोलकाता, (हि.स.)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कहा है कि चाहे जितनी भाषाएं सीख लीजिए लेकिन जब घर पर बात करनी हो तो बांग्ला भाषा में ही बात करें। महानगर के देशप्रिया पार्क में आयोजित मातृभाषा दिवस कार्यक्रम में संबोधन करते हुए ममता ने प्रवासी बंगालियों के लिए आमरा बांग्ला पोर्टल का उद्घाटन किया। इस दौरान कई कवियों ने कविता पाठ किया। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ बांग्ला भाषा समृद्ध हुआ है। विश्व में कुछ ऐसे शब्द हैं जो सभी भाषाओं में कॉमन हैं। जैसे मां को कोई मदर कहता है कोई अम्मा कहता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जितनी भाषाएं हैं उसे सीख लीजिए। अंग्रेजी सीखिए कोई भी भाषा सीखिए लेकिन जब घर पर बात करें तो बांग्ला भाषा में करें। उन्होंने कहा कि बंगला भाषी लोगों को हिंदी, उर्दू, कुर्मी, नेपाली, राजबंशी, अलचिकी, गोरखा भाषा सीखनी चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी भाषाओं को स्वीकृति दी है क्योंकि यहां हर धर्म और जाति के लोग रहते हैं। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिलीगुड़ी के लिए रवाना हो गई हैं। पंचायत चुनाव से पहले उत्तर बंगाल का दौरा बेहद महत्वपूर्ण है। खासकर तब जबकि सरकार ने एक दिन पहले ही राज्य विधानसभा में बंगाल के बंटवारे के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है।

# आंदोलन ऐसे ही चलता रहा तो कोई नतीजा नहीं निकलेगा : दिलीप घोष

**कोलकाता, (हि.स.)।** बकाया डीए की मांग को लेकर राज्य के सरकारी कर्मचारियों के धरने का आज दूसरा दिन है। वहीं राज्य सरकार की चेतावनी के बावजूद आंदोलनकारी 48 घंटे के धरने के फैसले पर अड़े हैं। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों और सरकार के बीच खींचतान के संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। दिलीप घोष ने मंगलवार को कहा कि आंदोलन ऐसे ही चलता रहा तो कोई नतीजा नहीं निकलेगा। सरकार के साथ चर्चा में बैठना चाहिए। सरकार गलत सर्कुलर से लोगों को डरा नहीं सकती। कर्मचारियों को अपना पेट बांधकर काम नहीं करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कल यानी सोमवार को राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों का एक समूह हड़ताल में शामिल हुआ। इस बीच धर्मतला में बकाया डीए की मांग को लेकर संगमरी संयुक्त मंच के आंदोलन को 26 दिन हो गया है। सरकारी कर्मचारियों का आंदोलन आज मंगलवार को और भी व्यापक हो गया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनका डर खत्म हो गया है। वे अधिक एकजुट हैं। सरकार की ओर से कोई संवाद नहीं किया गया। आज उपवास का 12वां दिन है। भीड़ हर दिन बढ़ती जा रही है। प्रदेशभर में पेन डाउन जारी है। बजट में तीन फीसदी डीए की घोषणा ने आग में घी का काम किया है। एक ओर जहां बकाया महंगाई भत्ते (डीए) की मांग को लेकर प्रदेश भर में आंदोलन व धरना चल रहा है। इस बीच सत्ता पक्ष की बेचैनी बढ़ाते हुए तृणमूल शिक्षा प्रकोष्ठ के शिक्षक एक के बाद एक इस्तीफा दे रहे हैं। राज्य में तृणमूल शिक्षा प्रकोष्ठ से कम से कम 50 शिक्षकों ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। संयुक्त मंच की ओर से बताया गया है कि इस संयुक्त मंच का आंदोलन 28 संगठनों के साथ शुरू किया गया था। अब इसकी संख्या बढ़कर 38 हो गई है। उनका कहना है कि बकाया डीए नहीं मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

## इग्नू ने जनवरी सत्र के लिए प्रवेश की समय सीमा 28 फरवरी तक बढ़ाई

**राकेश शर्मा**

**नई दिल्ली।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी-2023 सत्र (ऑनलाइन और ओडीएल मोड) के लिए प्रवेश की समय सीमा 28 फरवरी तक बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जनवरी 2023 सत्र के लिए ऑनलाइन और ओडीएल मोड और पुनः पंजीकरण दोनों के लिए सभी कार्यक्रमों के लिए नए प्रवेश की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2023 तक बढ़ा दी गई है। सभी कार्यक्रमों (ऑनलाइन और ओडीएल मोड दोनों के लिए) के लिए जनवरी 2023 चक्र के लिए पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि भी 28 फरवरी 2023 तक बढ़ा दी गई है। शिक्षार्थी लिंक https://onlinerr.ignou.ac.in/ के माध्यम से अगले वर्ष/सेमेस्टर के लिए अपना पुनः पंजीकरण फॉर्म जमा कर सकते हैं।

# नीरव मोदी की कंपनी फायरस्टार डायमंड इंटरनेशनल की 25 को होगी ई-नीलामी

**-हीरे, सोने व प्लेटिनम के आभूषणों की बिक्री की जाएगी**

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी की कंपनी फायरस्टार डायमंड इंटरनेशनल की ई-नीलामी 25 को होगी, इसमें हीरे, सोने व प्लेटिनम के आभूषणों की बिक्री की जाएगी। यह बिक्री नोटिस शांतनु टी. रे ने जारी किया है, जिन्हें फरवरी 2020 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ ने फायरस्टार डायमंड इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया था। इस कंपनी से जुड़े मामलों का प्रबंधन शांतनु द्वारा किया जा रहा है। नोटिस के मुताबिक सोने, प्लेटिनम और हीरे के आभूषणों की बिक्री 25 मार्च को ई-नीलामी के जरिए होगी। नीलाम की जाने वाली वस्तुओं का आरक्षित मूल्य नीलामी की तिथि को घोषित किया जाएगा।

# लखनऊ में ई-रिक्शा चालक को खिड़की पर लटकाने के बाद चलती कार से फेंका, मौत

**- लटकाने से पहले मारा ई-रिक्शा में टक्कर, कार सीज**

**लखनऊ, (हि.स.)।** राजधानी लखनऊ में ई-रिक्शा को टक्कर मारने और चालक को खिड़की से लटकाकर घसीटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से कार चालक फरार है। हजरतगंज इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को एक वीडियो तेजी से सार्वजनिक हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कार ने पहले ई-रिक्शा में टक्कर मारा। फिर चालक को खिड़की से लटका कर स्वास्थ्य भवन चौराहे से परिवर्तन चौक तक घसीटा। इसके बाद चलती कार से चालक को सड़क पर फेंककर भाग गए। अस्पताल में इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक चालक की पहचान कैसरबाग निवासी जीतू (40) के रूप में की है। परिवार के लोगों का कहना है कि अगर सही समय पर इलाज मिल जाता तो बेटे की जान नहीं जाती। इंस्पेक्टर ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वाहन गाड़ी को सीज किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे। यह कार अलीगंज के सेक्टर बी के रहने वाले गोपाल अग्रवाल के नाम है। जो पेशे से बिल्डर है, जिसकी तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं।

# उप्र विधान सभा सत्र : सदन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केशरी नाथ त्रिपाठी के निधन पर शोक

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में वर्तमान विधानसभा के सदस्य राहुल प्रकाश कोल के अलावा उप्र विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी समेत 15 पूर्व सदस्यों के निधन पर मुख्यमंत्री योगी ने सदन में शोक प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री योगी समेत सभी दलीय नेताओं और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शोक संवेदना व्यक्त किया। इसके साथ ही विधान सभा की कार्यवाही बुधवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गयी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन को अवगत कराया कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य राहुल प्रकाश कोल का दो फरवरी 2023 को 40 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह युवा राजनीतिज्ञ थे। कोल छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे। वह 2017 व 2022 में सदन के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। अत्यंत विनम, व्यवहारकुशल व समर्पित जननेता होने के साथ ही अपने विधानसभा क्षेत्र, गरीबों-वंचितों और वनवासी क्षेत्र के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहे। सेवा भाव के कारण अपने क्षेत्र में अत्यंत ही लोकप्रिय जननेता के रूप में उभर रहे थे। राहुल कोल के निधन से प्रदेश ने युवा नेता व कुशल राजनीतिज्ञ को खो दिया है। उनका निधन समाज की अपूर्णनीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी के निधन पर भी शोक जताया। आठ जनवरी 2023 को 88 वर्ष की अवस्था में उनका निधन हो गया। केशरी नाथ त्रिपाठी ने प्रारम्भिक जीवन की शुरूआत अधिवक्ता के रूप में की थी।

वह 1977 में जनता पार्टी से झूंसी विधान सभा सीट से विधायक बने। इसके बाद 1989, 1991, 1993, 1996 व 2002 में भी भाजपा से प्रयागराज से विधानसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। त्रिपाठी रामनरेश यादव मंत्रिमंडल के सदस्य भी रहे। 1991, 1997 व 2002 में तीन बार निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष बने। श्री त्रिपाठी जुलाई 2014 से जुलाई 2019 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इसके अलावा बिहार, मेघालय व मिजोरम के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया। वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे। उन्होंने अनेक काव्य संग्रह की रचना की। उन्हें हिंदी गरिमा सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्मान, वागीश्वरी समेत अनेक सम्मान दिए गए। यूपी हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष रहे। केशरी नाथ त्रिपाठी को उत्कृष्ट सेवा के लिए चाणक्य, भारत गौरव, यूपी रत्न, विकास पुरुष आदि कई उपाधियों से सम्मानित किया गया। उनका निधन यूपी के साथ भारतीय राजनीति के लिए अपूर्णीय क्षति है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सदस्यों कौशांबी से रामचरण त्रिपाठी, वाराणसी से अमरनाथ यादव, बांदा से जगन्नाथ सिंह परमार, अलीगढ़ से त्रिलोकीराम, अयोध्या से मथुरा प्रसाद तिवारी, संभल से ब्रजपाल सिंह, कन्नौज से विजय बहादुर पाल, संभल से सत्यप्रकाश, प्रयागराज से विक्रमाजीत मौर्य, बाराबंकी से सुंदरलाल दीक्षित, कासगंज-जसबीर सिंह, अलीगढ़- संजीव राजा, कन्नौज-बनवारी लाल दोहरे, कानपुर देहात-रामस्वरूप सिंह के दिवंगत होने पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किया। नेता सदन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने वर्तमान विधान सभा के सदस्य रहे राहुल प्रकाश कोल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कोल के योगदान को याद करते हुए कोल के निधन से समाज और प्रदेश को अपूर्णीय क्षति बताया। अपना दल (एस) के नेता व मंत्री आशी पटेल, लोकदल के नेता राजपाल बालियान, निषाद पार्टी के नेता व मंत्री संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता जगदीश नारायण राय, कांग्रेस पार्टी की नेता आराधना मिश्रा ह्यमोनाह्न, बहुजन समाज पार्टी के नेता उमाशंकर सिंह ने विधान सभा के सदस्यों, पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक संवेदना करते हुए अपूर्णीय क्षति बताया। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदस्यों के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के उपरांत दो मिनट का सदन ने मौन रखा। इसके बाद विधान सभा की कार्यवाही बुधवार की सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गयी है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को प्रदेश की योगी सरकार अपना बजट पेश करेगी।

# कानपुर देहात की घटना में जिम्मेदार अधिकारियों पर सरकार नहीं कर रही कार्रवाई : अखिलेश यादव

**लखनऊ, (हि.स.)।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बजट सत्र के दूसरे दिन भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सदन की कार्यवाही के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि कानपुर देहात में मां-बेटी के मौत की घटना सरकार के इशारे पर हुई है। बुलडोजर चलाकर सरकार गरीबों को परेशान कर रही है। सरकार की बुलडोजर नीति गरीबों की जान ले रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस घटना के बाद अभी तक जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई तक नहीं की गई है। बुलडोजर वाली तस्वीर पूरा विश्व देख रहा है। सपा अध्यक्ष ने इन्वेस्टर समिट पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि 40 लाख करोड़ का निवेश सरकार कहां से लाएंगी, उसे यह बात स्पष्ट करना चाहिए। भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ रही है। अखिलेश ने डीजल और पेट्रोल की कीमत के दाम बढ़ाने का सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीबीसी जैसी संस्था और अन्य लोगों पर छापेमारी की कार्रवाई को डराने वाला बताया।

कहाकि विधायक राहुल कोल की कैंसर की वजह से जान गई है और इस सरकार में कैंसर संस्थान नहीं बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिवंगत विधानसभा सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने अपना दल (एस) के दिवंगत विधायक राहुल कोल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिवंगत विधायक राहुल प्रकाश कोल मिजार्पुर जिले की छानबे विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका निधन इलाज के दौरान मुंबई के एक अस्पताल में हुआ था।

# एनआईए की टेरर फंडिंग को लेकर उप्र के कई जिलों में छापेमारी जारी

**लखनऊ।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की है। सूत्रों की मानें तो गैंगस्टर और उनके आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज मामलों में यूपी के कई शहरों में सुबह से छापेमारी जारी है। एनआईए ने लखनऊ, प्रतापगढ़, पीलीभीत, बुलंदशहर, नोएडा सहित कई जिलों में छापा मारा है। टीम ने जनपद प्रतापगढ़ के गोडे गांव में छापा मारा, लेकिन जिस नाम के युवक की तलाश में टीम पहुंची थी उसका पता गलत निकला। लोगों का कहना है कि एनआईए ने रात में ही छापा मारा था और टीम के लोग मंगलवार को भी यहां मौजूद हैं। इसी तरह पीलीभीत जिले के घुंघचाई थाना क्षेत्र स्थित पूरनपुर के अभयपुर माधोपुर गांव में एनआईए की टीम ने कबड्डी खिलाड़ी की हत्या के मामले में पंजाब जेल में बंद आरोपित के घर छापेमारी कर जानकारी जुटाई। घर पर चौकीदार के अलावा कोई मौजूद न होने के कारण टीम बैरंग लौट गई। पंजाबी गायक मूसेवाला मर्डर केस में हथियार की सप्लाई करने वाले के रिश्तेदार याहया पहलवान के घर जनपद बुलंदशहर में खुर्जा में चार टीमों ने छापेमारी की है। यहां पर मौजूद कई लोगों से इस मामले में पूछताछ कर रही है। नोएडा में भी एनआईए की टीम ने छापेमारी की है। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर-टेरर फंडिंग-आर्म्स सप्लायर नेक्सस मामले में एनआईए ने यूपी, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, चंड़ीगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश में छापेमारी की है। देश भर में कुल 72 जगह एक साथ छापेमारी की कार्यवाही जारी है।

# किसानों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड अत्यंत आवश्यक : सीपी श्रीवास्तव

**लखनऊ, (हि.स.)।** विकास भवन के सभागार में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-टू की कार्यशाला में लखनऊ मंडल की सेवानिवृत्त संयुक्त कृषि निदेशक सीपी श्रीवास्तव ने कहा कि किसानों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य कार्ड से मिलने वाले लाभों पर भी चर्चा की। सीपी श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहाकि सरकार किसानों के हित में विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बहुत ही लाभदायक और कृषक हित वाली योजना है। वर्तमान में देश के भीतर किसानों को इसका बड़ा लाभ मिल रहा है। जो किसान इसका लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें भी प्रयास कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का कार्ड बनवाना चाहिए। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी डाक्टर बृजनाथ ने उद्यान विभाग अंतर्गत ड्रॉप मोर क्रॉप सिंचाई योजना की जानकारी दी। डाक्टर बृजनाथ ने कहा कि ड्रॉप मोर क्रॉप से सिंचाई करने से पानी की दोगुनी बचत होती है।

विभाग में संचालित योजनाओं में मिलने वाली अनुदान पद्धति को लेकर भी जिला उद्यान अधिकारी ने व्यापक चर्चा की। कार्यशाला का समापन करते हुए भूमि संरक्षण अधिकारी ने आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया एवं योजना के सफल क्रियान्वयन तथा शासन से निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आश्वस्त भी किया। कार्यशाला में धन्यवाद ज्ञापन भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार ने किया। मौके पर लखनऊ एफपीओ के फाउण्डर निराला, पीपीओ से डाक्टर शरद, वरिष्ठ अकाउंटेंट विकास, टेक्नीकल आफिसर दिनेश, सीनियर इंस्पेक्टर डाक्टर यशलोक सिंह उपस्थित रहें।

# हाई कोर्ट ने रांची के जलाशयों को लेकर राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

**रांची, (हि.स.)।** झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में रांची के जलस्त्रोतों के अतिक्रमण एवं रांची शहर के बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर दाखिल विभिन्न जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार से रांची के जलाशयों को लेकर कोर्ट के निर्देश के अनुपालन पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 22 मार्च निर्धारित की है। खंडपीठ ने रांची नगर निगम से भी पूछा है कि उसने निगम के मैनपावर बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं। रांची नगर निगम में कितनी नियुक्तियां की गई है एवं कितनी और नियुक्तियां की जानी है। इन सभी पर नगर निगम से कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता खुशबू कटारुका ने पैरवी की।

याचिकाकर्ता खुशबू कटारुका ने रांची के बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर जनहित याचिका दाखिल की है, जिसमें कहा गया था कि रांची शहर के विभिन्न गंदे नाले -नालियों का पानी बड़ा तालाब में गिराया जाता है। इससे बड़ा तालाब का पानी काफी दूषित है। बड़ा तालाब में जलकुंभियों का अंबार लगा हुआ है। इसकी सफाई नहीं की जाती है, कई ट्रक मालिक अपने वाहन को बड़ा तालाब के किनारे लगाते हैं और वहां उसकी धुलाई करते हैं। बड़ा तालाब की जमीन का भी अतिक्रमण किया गया है। वहीं रांची के जल स्त्रोतों यथा कांके डैम, हटिया डैम एवं रुक्का डैम की जमीन का अतिक्रमण किए जाने मामले में भी कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें कई सुनवाइयों में कोर्ट ने राज्य सरकार को कई दिशा निर्देश दिए गए थे।

# भाजपा नेता को अपराधियों ने मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

**रांची, (हि.स.)।** राजधानी के ओरमांझी थाना स्थित चुटुपाल क्षेत्र में मंगलवार को मास्क पहनकर आए अपराधियों ने भारतीय जनता पार्टी के नेता चतुर साहू को गोली मार दी, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ओरमांझी थाना प्रभारी राजीव घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। साथ ही चतुर साहू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओरमांझी थाना प्रभारी ने बताया कि घायल व्यक्ति से जानकारी हासिल करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह अभी बात कर पाने की स्थिति में नहीं है। पूछताछ के दौरान चतुर साहू ने बताया कि मास्क लगाए अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

# रामगढ़ उपचुनाव में रहेंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, तीन हजार जवान की होगी तैनाती

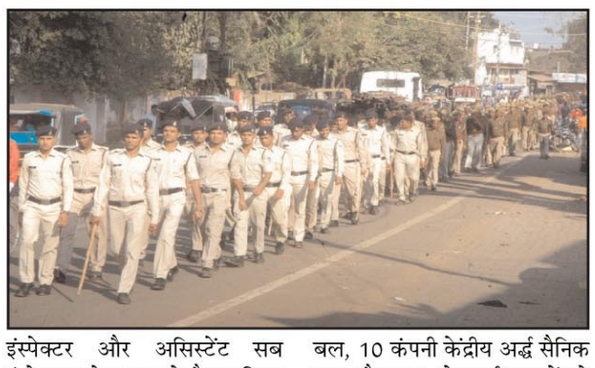

**रांची, (हि.स.)।** रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव 2023 को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। पुलिस मुख्यालय के अनुसार चुनाव शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न हो। इसके लिए जिले में मौजूदा पुलिस बल के अलावा तीन हजार अतिरिक्त जवानों को तैनात किया जाएगा।

इसमें दस कंपनी केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल भी शामिल हैं। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव 27 फरवरी को है। जानकारी के अनुसार चुनाव को लेकर 280 पुलिस इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर को अलग से तैनात किया जा रहा है। जबकि 1797 सशस्त्र बल, 10 कंपनी केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल और 200 होमगार्ड जवानों को तैनात किया जाएगा।

# फरवरी को एनआइओएस क्षेत्रीय कार्यालय पटना का घेराव करेंगे शिक्षक

**बेगूसराय, (हि.स.)।** रिजल्ट प्रकाशन तिथि के नाम पर एनआइओएस प्रशिक्षित शिक्षकों के वेतन में कटौती की साजिश से शिक्षकों में आक्रोश गहराता जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि सरकार न्यायालय के आदेश की गलत व्याख्या करते हुए विभागीय आदेश निकाल कर शिक्षकों को प्रताड़ित करने की साजिश रच रहा है। बिहार के प्राथमिक शिक्षा निदेशक के पत्रांक-12, दिनांक पांच जनवरी 2023 द्वारा एनआइओएस से प्रशिक्षित शिक्षकों के 22 मई 2019 की तिथि को ही प्रशिक्षण तिथि मानते हुए ऐसे सभी शिक्षकों की पिछली सेवा अवधि को नगण्य मानते हुए, प्रशिक्षण तिथि से नवनियुक्त मान कर उनका वेतन का पुनर्निर्धारण करने की बात कही गई है। जिसके कारण जिले के करीब दो हजार शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। उनका वेतन वर्तमान में मिल रहे वेतन से दस से 12 हजार तक कम हो जा रहा है। उपरोक्त मामले पर जिले के एनआइओएस प्रशिक्षित शिक्षकों की बैठक मंगलवार को शिक्षाक संघ गोपगुट जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार मिश्र ने कहा कि शिक्षा अधिकार अधिनियम की धारा 23(2) के तहत सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों को 31 मार्च 2019 तक प्रशिक्षित होना अनिवार्य था। इसी अधिनियम को ध्यान में रखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेशानुसार एनआइओएस के द्वारा 2017-19 सत्र में संपूर्ण भारत में कार्यरत अप्रशिक्षित शिक्षकों का 18 महीने का विशेष सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। उक्त प्रशिक्षण की परीक्षा सहित सभी गतिविधि भी संपन्न करा ली गई थी। लेकिन प्रशिक्षित शिक्षकों का परिणाम 22 मई 2019 को घोषित किया गयोश। जबकि एनआइओएस के उप निदेशक के द्वारा दस मार्च 2022 को स्पष्ट किया जा चुका था कि सेवाकालीन प्रशिक्षण की सारी प्रक्रिया 31 मार्च 2019 तक पूरी करा ली गई और प्रमाण पत्र पर अंकित तिथि 22 मई 2019 केवल प्रिंटिंग डेट है। जिला महासचिव ज्ञानप्रकाश एवं उपाध्यक्ष रामकरण चौरसिया ने कहा कि इस मसले पर राज्यस्तरीय संघर्ष के दौरान 23 फरवरी को एनआइओएस क्षेत्रीय कार्यालय पटना का घेराव किया जाएगा। जब तक विभाग अपने आदेश में संशोधन नहीं करेगी, तब तक शिक्षकों की लड़ाई जारी रहेगी। बैठक के बाद स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के नाम पत्र उनके प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर को सौंपा गया। इसके साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि से भी शिक्षकों ने गुहार लगाई है।

# 25 फरवरी को होगा उर्दू सेमिनार एवं मुशायरा

**बेगूसराय, (हि.स.)।** समाहरणालय परिसर स्थित कारगिल विजय भवन में 25 फरवरी को फरोग-ए-उर्दू सेमिनार एवं मुशायरा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी उर्दू शिक्षकों को आदेश दिया गया है। जिला उर्दू कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी रतन ने बताया कि जिला फरोग-ए-उर्दू सेमिनार एवं मुशायरा का आयोजन 15 फरवरी को निर्धारित किया था लेकिन मुख्यमंत्री समाधान यात्रा के कारण उस दिन रद्द कर जिलाधिकारी द्वारा 25 फरवरी को कार्यक्रम करने का आदेश दिया गया है। इसके लिए शिक्षा पदाधिकारी को सभी उर्दू शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य करने का पत्र भेज दिया गया है। जिला उर्दू कोषांग द्वारा सभी उर्दू प्रेमियों एवं साहित्यकारों से इसमें शामिल होने का भी अनुरोध किया जा रहा है। 25 फरवरी को 11 बजे से यह कार्यक्रम होगा। जिसमें पटना से असर फरीदी एवं चोंच गयावी भी शामिल होंगे। स्थानीय स्तर के वक्ता एवं साहित्यकार जी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसकी तैयारी तेज कर दी गई है।

# खाद-बीज की कालाबाजारी पर रोक लगाने किसानों के गन्ना का मूल्य 500 रुपये क्विंटल घोषित करने की मांग

**बेतिया, (हि.स.)।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी चनपटिया अंचल की ओर से 13 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना चनपटिया अंचल सह प्रखण्ड कार्यालय के समक्ष दिया गया। भाकपा के राज्यव्यापी आह्वान पर बिहार में बाढ़ सुखाड से स्थायी समाधान करने की मांग लेकर सभी अंचलों पर धरना दिया जा रहा है। धरना को संबोधित करते हुए भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने केन्द्र सरकार की किसान मजदूर छात्र नौजवानों विरोधी बजट एवं नीति का विरोध करते हुए देश में महंगाई, भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए 2024 में देश को भाजपा मुक्त बनाने का आह्वान किया। किसान नेता राधामोहन यादव ने धरना को संबोधित करते हुए खाद बीज के कालाबाजारी पर रोक लगाने किसानों के गन्ना का मूल्य 500 रुपये क्विंटल घोषित करने की मांग उठाया। जिला नेता बबलू दुबे गरीबों को उजाड़ने से बचाने के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। खेत मजदूर नेता सुबोध मुखिया ने खेत मजदूरों के लिए चल रहे कल्याणकारी योजनाओं को भ्रष्टाचार मुक्त करने का आह्वान किया।

# अवैध बालू लदे 19 ट्रैक्टर जब्त, नौ लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**भागलपुर, (हि.स.)।** जिले में अवैध रूप से बालू का कारोबार करने वालों के खिलाफ बुधवार सुबह विधि व्यवस्था डीएसपी सहित चार थानों की पुलिस ने जगदीशपुर, बायपास टीओपी और लोदीपुर से 19 बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है। इस दौरान 9 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस के द्वारा ट्रैक्टर चालकों से बालू के चालान की मांग की गई लेकिन यह लोग कोई कागजात मुहैया नहीं करा पाए। जिसके बाद पुलिस के द्वारा सभी ट्रैक्टरों को जब्त कर लोदीपुर थाने में लगा दिया गया। अवैध रूप से बालू लाने को लेकर मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। उधर अवैध रूप से बालू को लेकर परिचालन कर रहे ट्रैक्टर चालकों में पुलिस की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि अवैध रूप से बालू लदे ट्रैक्टरों के खिलाफ लगातार इस तरह की कार्रवाई चलती रहेगी।

# देश का पहला भोजपुरी विश्वविद्यालय पश्चिम चंपारण में स्थापित करने की सरकार से की मांग

**बेतिया, (हि.स.)।** सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सभागार में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों बुद्धिजीवियों एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल ,डॉ अमित कुमार लोहिया एवं डॉ शाहनवाज अली शोधार्थी इतिहास विभाग बिहार विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से मातृभाषा की रक्षा करते हुए विश्व भर में विभिन्न घटनाओं में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में विश्व भर में मनाया जाता है। वर्ष 2000 से यूनेस्को ने प्रतिवर्ष 21 फरवरी को भाषाई और सांस्कृतिक विविधता तथा बहुभाषावाद के विषय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लियए अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की। बांग्लादेश में मातृभाषा भाषा आंदोलन मे शहीदों की याद में 21 फरवरी को प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। 21,1952 को ढाका में बंगला को आधिकारिक भाषा बनाने के लिए ढाका मेडिकल कॉलेज छात्रों एवं बुद्धिजीवियों द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था ।जिस पर पुलिस कर्मियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई ।जिस में आठ व्यक्ति शहीद हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने की मांग सरकार से पुनः करते हुए कहा कि सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा बरसों से सरकार से भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में सम्मिलित करने एवं देश का पहला भोजपुरी विश्वविद्यालय बेतिया पश्चिम चंपारण में स्थापित करने के लिए गुहार लगाई जाती रही है। भारत की स्वाधीनता की 75 वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष पूरा देश मना रहा है ।इस शुभ बेला में सरकार द्वारा चंपारण के शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों प्रति यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि। इस अवसर पर वक्ताओं ने नई पीढ़ी की युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा की संरक्षण के लिए आगे आएं साथ ही वक्ताओं ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं सूची में सम्मिलित करने की मांग सरकार से की भारत की स्वाधीनता की 75 वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव पर सरकार द्वारा यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि।

## संपादकीय

# विपक्ष के भीतर विपक्ष

**बिहार** के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता के लिए कांग्रेस की पहल का आग्रह किया है। उनका दावा है कि यदि 2024 में भाजपा बनाम विपक्ष का साझा उम्मीदवार के आधार पर चुनाव लड़ा जाता है, तो भाजपा 100 सीटों तक सिमट सकती है। नीतीश के इस बड़बोले चुनावी गणित का आधार क्या है, हम नहीं जानते, लेकिन कांग्रेस बखूबी जानती है कि ऐसी खुशफहमी नहीं पालनी चाहिए। बहरहाल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने नीतीश के आग्रह और अपील का स्वागत किया है, लेकिन बिना नाम लिए यह तंज भी कसा है कि कुछ लोग विपक्ष की बैठकों में भाग लेते हैं, विपक्षी एकता के सरोकार भी लगातार जताते रहे हैं, लेकिन वे सत्ता-पक्ष की गोद में भी बैठते रहे हैं। कमोबेश कांग्रेस की राजनीति ऐसी दोगली नहीं है। कांग्रेस हमेशा भाजपा का वैचारिक विरोध करती रही है। विपक्षी गठबंधन पर कांग्रेस अपने रायपुर राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विमर्श करेगी और फिर कोई रणनीति तय करेगी। जयराम रमेश ने नीतीश ही नहीं, सभी विपक्षी दलों को यह जरूर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के बिना कोई भी विपक्षी एकता सफल नहीं हो सकती, लिहाजा विपक्ष को कांग्रेस की छतरी तले ही एकजुट होना है। बहरहाल यह नीतीश कुमार और कांग्रेस के बीच का संवाद है, जो विपक्षी एकता की एक हूक भर हो सकती है। विपक्ष का विस्तार काफी व्यापक है। दरअसल पहले जो तीसरा मोर्चा बनता था, वह कांग्रेसी समर्थन पर ही ज़िंदा रहता था। कांग्रेस ने समर्थन वापस लिया और सरकार धड़ाम हुई। अलबत्ता उन मोर्चों की राजनीति कमोबेश संकल्प और देशहित के इर्द-गिर्द की होती थी। आज जो विपक्षी मोर्चा आकार ग्रहण कर सकता है, वह संपूर्ण लामबंदी नहीं होगा। राष्ट्रीय मोर्चा भी नहीं होगा। राज्यों के स्तर पर, सुविधा के मुताबिक, गठबंधन किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय मोर्चा की संभावनाएं इसलिए क्षीण हैं, क्योंकि विपक्ष के भीतर ही विपक्ष मौजूद है। हालिया त्रिपुरा चुनाव का ही उदाहरण लें, तो एक तरफ वामदल और कांग्रेस का गठबंधन था, तो उनके विरोध में तृणमूल कांग्रेस 'चुनावी समर' में रही। इसके समानांतर केरल में वाममोर्चा और कांग्रेसी मोर्चा आमने-सामने होंगे। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल आदि राज्यों में विपक्षी एकता की दिशा और दशा ही भिन्न है। वहां कई नेता प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाएं पाले हुए हैं। यह दीगर है कि उनके राज्यों के बाहर उनकी स्वीकृति 'शून्य' सी है। अब केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और मिज़ोरम राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लडऩे की रणनीति पर काम कर रही है। यह राजनीति कांग्रेस और नीतीश के विपक्षी इरादों के बिल्कुल विपरीत है। दरअसल विपक्षी एकता के बयान तो खूब आते रहे हैं, लेकिन प्रयास नहीं किए जा पा रहे हैं, जबकि आम चुनाव करीब 15 माह दूर ही हैं। चुनाव की दृष्टि से यह बहुत समय नहीं है। कांग्रेस देश भर में 'हाथ से हाथ' जोडऩे के दिवास्वप्नों में ही डूबी है। उसे लगता है कि राहुल गांधी की यात्रा का प्रभाव और प्रयोग बेहद सफल रहा है, जबकि यथार्थ यह है कि उसके सामने प्रधानमंत्री मोदी की अकाट्य चुनौती है और संगठित तथा प्रशिक्षित काडर वाली भाजपा का मुकाबला करने में बिखरी कांग्रेस को अभी न जाने कितना वक्त लगेगा! चुनावी यथार्थ यह भी है कि देश के 17 राज्यों में कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। उप्र में 2 ही विधायक हैं और सांसद सोनिया गांधी ही हैं। ऐसे में सपा-बसपा के साथ गठबंधन कैसे होगा।

> विपक्षी गठबंधन पर कांग्रेस अपने रायपुर राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विमर्श करेगी और फिर कोई रणनीति तय करेगी। जयराम रमेश ने नीतीश ही नहीं, सभी विपक्षी दलों को यह जरूर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के बिना कोई भी विपक्षी एकता सफल नहीं हो सकती, लिहाजा विपक्ष को कांग्रेस की छतरी तले ही एकजुट होना है। बहरहाल यह नीतीश कुमार और कांग्रेस के बीच का संवाद है, जो विपक्षी एकता की एक हूक भर हो सकती है। विपक्ष का विस्तार काफी व्यापक है। दरअसल पहले जो तीसरा मोर्चा बनता था, वह कांग्रेसी समर्थन पर ही ज़िंदा रहता था। कांग्रेस ने समर्थन वापस लिया और सरकार धड़ाम हुई। अलबत्ता उन मोर्चों की राजनीति कमोबेश संकल्प और देशहित के इर्द-गिर्द की होती थी। आज जो विपक्षी मोर्चा आकार ग्रहण कर सकता है, वह संपूर्ण लामबंदी नहीं होगा। राष्ट्रीय मोर्चा भी नहीं होगा।

## बोध कथा

### ईर्ष्या का त्याग

**गुरु** ज्ञानेश्वर का आश्रम उनके जमाने में बहुत प्रसिद्ध था। उनके यहाँ हजारों छात्र विद्या अध्ययन के लिये आया करते थे। गुरुजी ने एक सुबह देखा कि उनके कुछ शिष्यों में एक-दूसरे के लिये ईर्ष्या का स्वभाव झलक रहा है। उन्होंने अपने शिष्यों को अपने पास बुलवाया और उन्हें आदेश देते हुए कहा, "कल प्रवचन के समय आप सभी अपने साथ बड़े-बड़े आलू की सब्जी लेकर आयेंगे और अपने सभी आलुओं में उन व्यक्तियों का नाम लिखेंगे जिनसे आप ईर्ष्या करते हो।" अगली सुबह प्रवचन के समय सभी के हाथों में आलू की सब्जी थी, किसी के हाथों में पांच तो किसी के हाथों में छह आलू और सभी में ईर्ष्या करने वाले व्यक्तियों के नाम थे। गुरु ने कहा, "ये सब आलू, आप स्वयं को सात दिनों तक के लिये भेंट करें, आप जहाँ भी जायें, ये आलू आपके साथ होने चाहिए, इसलिए खाते-पीते, सोते-जागते हर समय ये आलू की सब्जी आपके साथ रहनी चाहिए।" सभी शिष्य, गुरुजी के इस बात से चकित थे, लेकिन गुरु का आदेश तो उन्हें मानना ही था। वे अब जहाँ भी जाते आलू को हमेशा साथ रखते थे। लेकिन तीन से चार दिनों के बाद आलू से सड़ने की बदबू आने लगी। सभी उस बदबू से बहुत परेशान थे और सात दिन बीतने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही सात दिन की अवधि समाप्त हुई सभी अपने गुरू के पास गये और आलू के बदबू का सार समझाने को कहा। गुरु ने शिष्यों को समझाते हुए कहा," सात दिन में ही इन आलुओं से बदबू आनी शुरू हो गयी है और आपको ये बोझ लगने लगी है।तो अब जरा यह सोचिए कि आप, अपने जिन मित्रों से, जिन व्यक्तियों से ईर्ष्या करते हैं, उनका कितना बड़ा बोझ आपके मन पर रहता होगा। ईर्ष्या आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण ही आलूओं की तरह आपके मन से भी बदबू आनी शुरू हो जाती है।

## अमृत कलश

### सर्व कल्याण के लिए बोला गया वचन ही 'सत्य है'

**जिस** सत्य से अधर्म, अनीति और अमंगल को प्रश्रय (प्रोत्साहन) मिलता हो, वह सत्य भी किसी काम का नहीं। सत्य हर बार शुभ और मंगलकारी नहीं होता है और झूठ भी हर बार अशुभ और अमंगलकारी नहीं होता है। भगवान श्री कृष्ण ने अपने जीवन में यह सीख सबको दी कि झूठ और सत्य का निर्धारण कभी भी इस बात से नहीं होता कि आपने क्या कहा ? अपितु इस बात से होता है कि आपने क्यों कहा ? महाभारत में युधिष्ठिर को समझाते हुए भगवान श्री कृष्ण यही कहते हैं कि हे युधिष्ठिर जिस सत्य को बोलने और जिस सत्य पर चलकर अधर्म को, अनीति को और अमंगल को प्रश्रय (प्रोत्साहन) मिलता हो, वह सत्य भी किसी काम का नहीं। भगवान श्री कृष्ण कहते हैं, सर्वं भूत हितं प्रोक्तं, इति सत्यम ॥ सभी प्राणियों का जिसमें हित हो, ऐसा वचन बोलना ही सत्य है। जिससे लोक कल्याण हो वही सत्कर्म है। मान लीजिए, कोई चोर हाथ में तलवार लेकर छाती पर आ बैठा है और पूछ रहा है कि तुम्हारा धन कहाँ है? यदि कुछ उत्तर न दोगे तो जान ही से हाथ धोना पड़ेगा। ऐसे समय पर क्या बोलना चाहिए? सब धर्मों का रहस्य जानने वाले भगवान श्रीकृष्ण ऐसे ही चोरों की कहानी का दृष्टांत देकर कर्णपर्व 24 में अर्जुन से और आगे शांतिपर्व के सत्यानृत अध्याय 25 में भीष्म पितामह युधिष्ठिर से कहते हैं– अकूजनेन चेन्मोक्षो नावकूजेत्कथंचन। अवश्यं कूजितव्ये वा शंकेरन्वाप्यकूजनात। श्रेयस्तत्रानृतं वक्तुं सत्यादिति विचारितम्॥ अर्थात; 'यह बात विचारपूर्वक निश्चित की गई है कि यदि बिना बोले मोक्ष या छुटकारा हो सके, तो कुछ भी हो, बोलना नहीं चाहिए। और यदि बोलना आवश्यक हो अथवा न बोलने से (दूसरों को) कुछ संदेह होना संभव हो, तो उस समय सत्य के बदले असत्य बोलना ही अधिक प्रशस्त है।'

## पाकिस्तानी नेतृत्व ने ही भारत में आतंकवाद फैला कर लिखी अपनी बर्बादी की दास्तां, जिसे अब अब जनता झेल रही

# पाकिस्तान संभले अन्यथा आत्मविस्फोट निश्चित

ललित गर्ग

> भारत ने कई बार दोहराया है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति पाकिस्तान के लिए आत्मघाती एवं बर्बादा का कारण बनेगी। कई और देश भी उसे आतंकवाद पर लगाम कसने की नसीहत दे चुके हैं। पर पाकिस्तान ने कभी खुलकर कबूल नहीं किया कि आतंकी संगठनों को पनाह देना उसकी सबसे बड़ी गलती है। ऐसे संगठनों के प्रति हमदर्दी रखने की उसे भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उसकी शह पाकर खड़े हुए आतंकवादी संगठन उसी के लिए भस्मासुर साबित हो रहे हैं। जो जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। भारत शांतिप्रिय देश है, वह खुद शांति चाहता है और दुनिया में शांति की स्थापना के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहा है। शांति, अहिंसा, अयुद्ध एवं अमनचैन की भारत की नीतियों को देर से ही सही दुनिया ने स्वीकारा है।

**पाकिस्तान** और चीन दुनिया के दो ऐसे विध्वंसक देश है, जिन्होंने आतंकवाद, युद्ध एवं पडोसी देशों में अशांति फैलाने की राहों को चुनते हुए अपनी बर्बादी की कहानी खुद लिखी है। पाकिस्तानी नेतृत्व ने ही भारत में आतंकवाद फैला कर लिखी अपनी बर्बादी की दास्तां, जिसे अब अब जनता झेल रही है। रोटी, सब्जी, घी, तेल, दूध की महंगाई, बिजली, पानी, पेट्रोल, यातायात के आसमान छूते दामों ने पाकिस्तानियों के मुंह से निवाला ही नहीं छीना है, बल्कि उन्हें देश छोड़ने पर विवश कर दिया है। पाकिस्तान की हुकूमत दिवालिया होने से बचने के लिए अपनी अधिकतम कोशिशें करते हुए दुनिया के लगभग सभी के आगे हाथ फैला चुकी है, अब आगे रास्ता नजर नहीं आता। संभवतः पाकिस्तान के हालात सुधरने के बजाय दिनोंदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं, कहीं से कोई आशा की उम्मीद दिखायी नहीं देती है। भारत ने कई बार दोहराया है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति पाकिस्तान के लिए आत्मघाती एवं बर्बादा का कारण बनेगी। कई और देश भी उसे आतंकवाद पर लगाम कसने की नसीहत दे चुके हैं। पर पाकिस्तान ने कभी खुलकर कबूल नहीं किया कि आतंकी संगठनों को पनाह देना उसकी सबसे बड़ी गलती है। ऐसे संगठनों के प्रति हमदर्दी रखने की उसे भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उसकी शह पाकर खड़े हुए आतंकवादी संगठन उसी के लिए भस्मासुर साबित हो रहे हैं। जो जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। भारत शांतिप्रिय देश है, वह खुद शांति चाहता है और दुनिया में शांति की स्थापना के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहा है। शांति, अहिंसा, अयुद्ध एवं अमनचैन की भारत की नीतियों को देर से ही सही दुनिया ने स्वीकारा है। भारत की ऐसी ही मानवतावादी एवं सहजीवन की भावना को बल देने के कारण ही दुनिया एक गुरु के रूप में भारत को सम्मान देने लगी है। भारत आतंकवाद, हिंसा-युद्धयुक्त संसार और विस्तारवाद की भूख के खिलाफ जो सवाल उठाता रहा है, उसे अनेक देशों में न सिर्फ विचार के लिए जरूरी समझा जाने लगा है, बल्कि अब उन पर स्पष्ट रुख भी अख्तियार किया जा रहा है। चीन और पाकिस्तान को लेकर भारत के रुख को समर्थन मिल रहा है तो इसे वैश्विक स्तर पर सच की स्वीकार्यता की तरह देखा जा सकता है। गौरतलब है कि अमेरिकी सीनेट में एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें भारत की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को बदलने की चीन की आक्रामकता का विरोध किया गया है। साथ ही अरुणाचल प्रदेश पर चीन के हर दावे को खारिज करते हुए इसे भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देने की स्पष्ट वकालत की गई है। हालांकि इस तरह के मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक उदासीनता छाई रही, जिसका खामियाजा यह हुआ कि आतंकवादी संगठनों एवं चीन का हौसला बढ़ा।



लेकिन अब पाकिस्तान एवं चीन जैसे हिंसक, युद्ध एवं आतंकवादी राष्ट्रों के खिलाफ दुनिया एक होने लगी है, संगठित स्वरों में उनके मनसूबों को नेस्तनाबूदक करने को तत्पर है। भारत शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण बनाने, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये लगातार शांति प्रयास किये हैं। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं आतंकवाद की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है। पाकिस्तान की आतंकवादी एवं हिंसक मानसिकता सम्पूर्ण बर्बादी तक पहुंच कर भी बदलने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तानी फौज की सख्ती के कारण कुछ साल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर अंकुश रहा, पर 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की हुकूमत की वापसी के बाद यह लगातार पाकिस्तान में आतंकी हमलों को अंजाम दे रहा है। जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है। यह संगठन 2007 से पाकिस्तान के लिए सिरदर्द बना हुआ है। ज्यादातर हमलों में उसने सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया। कराची में पुलिस मुख्यालय पर हमले से पहले 30 जनवरी को इसने पेशावर की एक मस्जिद पर आत्मघाती हमला किया था। इसमें मारे गए सौ से ज्यादा लोगों में 97 पुलिसकर्मी थे। हैरानी की बात है कि पाकिस्तान के कई चर्च व स्कूलों, मस्जिद, पुलिस मुख्यालय पर हमले करने वाले आतंकी संगठन को सख्ती से कुचलने के बदले पाकिस्तान सरकार ने उसे बार-बार बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश ही की है, अपनी जमीन पर फल-फूल रहे आतंकी संगठनों को लेकर अब तक कोई कड़ा संकेत नहीं दिया है। पेशावर की मस्जिद में हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सारा दोष पिछली सरकार की नीतियों पर डालते हुए कहा था, 'हमने तो मुजाहिदीन (धार्मिक योद्धा) बनाए थे, लेकिन वे आतंकी बन गए।' पाकिस्तान से पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद ने दुनिया में भय, क्रूरता, हिंसा एवं अशांति को तो पनपाया ही है, लेकिन पाकिस्तान को भी नहीं बख्शा। वहां से पनपे हिंसक, क्रूर, उन्मादी एवं आतंकी लोगों ने शांति का उजाला छीनकर अशांति का अंधेरा फैलाया है। अब स्वयं पाकिस्तानी जनता हर दिन ऐसे ही आतंकी हमलों का तो शिकार हो ही रही है, पाकिस्तानी शासकों की कुचेष्ठाओं एवं अनीतियों के कारण घबराये लोग देश छोड़ भाग रहे हैं। पाकिस्तान का मीडिया कह रहा है कि अब पाकिस्तान जिन्दाबाद कहने का वक्त नहीं, पाकिस्तान से जिंदा भागने का नारा बुलंद हो रहा है। इसी बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कबूल कर लिया है कि पाकिस्तान दिवालिया हो चुका है और आतंकवाद हमारा मुकद्दर बन गया है। पाकिस्तान में त्राहि-त्राहि कर रही जनता शांति एवं जीवन-निर्वाह की समुचित व्यवस्था चाहती है, लेकिन यह कैसे संभव हो? चीन के खिलाफ प्रस्ताव को अमेरिका में भारत के पक्ष को लेकर बन रही राय और स्पष्टता के तौर पर देखा जा सकता है, मगर यह भी सच है कि विश्व के प्रभावशाली देशों में अब हो रही ऐसी पहलकदमी के लिए भारत को लंबे समय तक दुनिया को आईना दिखाना पड़ा है। जब तक चीन के अहंकार एवं विस्तारवादी सोच का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते। चीन को लेकर अमेरिकी सीनेट में जो पहलकदमी हुई है, उसकी अहमियत को भी इस दृष्टिकोण से देखा जा सकता है कि एक ओर जहां भारत को कूटनीतिक मोर्चे पर दुनिया को अपने पक्ष को सही साबित करने में कामयाबी मिल रही है, वहीं खुद कुछ देशों को यह हकीकत समझ में आने लगी है कि चीन और पाकिस्तान की ओर से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किस तरह दुनिया में अशांति एवं अस्थिरता फैलाने के लिये नाहक दखलअंदाजी की जाती रही है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी आतंकी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों को लेकर भारत ने तथ्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात रखी। लेकिन तकनीकी जटिलताओं का हवाला देकर इस मामले में ज्यादातर देश कोई स्पष्ट रुख अख्तियार करने से बचते रहे। लेकिन एक महीने पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक समिति ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा में अनेक भूमिकाएं निभाने वाले अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। इसकी मांग भारत काफी अरसे से कर रहा था।

# सरकारी कर्ज की राजनीति व अर्थशास्त्र

> अमरीका की जीडीपी भारत की जीडीपी से कई गुणा ज्यादा है और कई मुल्कों की जीडीपी भारत की जीडीपी से कई गुणा कम है। इसलिए हमें हर देश के सरकारी ऋण एवं अन्य देनदारियों को वहां की जीडीपी के अनुपात में देखना पड़ेगा। इस संदर्भ में यदि दुनिया की 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को देखा जाए तो आईएमएफ के अनुसार वर्ष 2021 में अमरीका में सरकारी ऋण जीडीपी का 122 प्रतिशत है, जापान का 221.3 प्रतिशत और भारत में मात्र 54.3 प्रतिशत था। हालांकि आईएमएफ के पास चीन का आंकड़ा नहीं है, अन्य वैश्विक अनुमानों के अनुसार यह 79.2 प्रतिशत था। केवल जर्मनी का कज़र्.जीडीपी अनुपात भारत से थोड़ा कम यानी 46.3 प्रतिशत था। कोरोना काल में भारत ही नहीं दुनिया के सभी देशों में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सरकारी कर्ज में वृद्धि हुई थी। इसका कारण यह था कि एक ओर कोरोना के दौरान न केवल जीडीपी सिकुड़ गई थी, बल्कि सरकारी राजस्व भारी रूप से घट गया था और समाज के कमजोर वर्गों को सहायता और राहत देने के लिए सरकारों का खर्च भी बढ़ गया था।

**पिछले** कुछ दिनों से मीडिया और सोशल मीडिया में एक चर्चा चल रही है कि सरकार पर कर्ज पहले की तुलना में काफी ज्यादा बढ़ गया है। कांग्रेस का कहना है कि जब 2014 में उन्होंने सत्ता छोड़ी थी उस समय देश पर 56.7 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था, जो 2022-23 में बढक़र 152.6 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, यानी यह कर्ज लगभग 96 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। देखने में यह आंकड़ा बड़ा दिखाई देता है।

**कर्ज-जीडीपी अनुपात :** दुनिया भर में सरकारी कर्ज के बारे में देखने का नजरिया अलग किस्म का है। सरकारी कर्ज को उसके आकार के अनुसार नहीं, बल्कि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखा जाता है। उसके हिसाब से देखा जाए तो वर्ष 2013-14 में चालू कीमतों पर 112 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी के संदर्भ में सरकार का कुल 56.7 लाख करोड़ रुपए का कुल कर्ज और देनदारियां जीडीपी का 50.5 प्रतिशत थी। उसके बाद वर्ष 2018-19 तक आते-आते सरकार का कुल कर्ज और देनदारियां 90.8 लाख करोड़ तक पहुंच गई, जो चालू कीमतों पर जीडीपी का 189 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी का मात्र 48 प्रतिशत ही था, यानी जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सरकारी का कर्ज और देनदारियां पहले से 2.5 प्रतिशत बिन्दु घट गई थीं। 2019-20 के वर्ष में कोरोना का प्रकोप शुरू हो चुका था, जिसके कारण उत्पादन और कर राजस्व दोनों प्रभावित होने शुरू हो चुके थे। ऐसे में सरकारी कर्ज में मात्र 12 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि के बावजूद जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सरकारी कर्ज 3 प्रतिशत बिन्दु ज्यादा होकर 51 प्रतिशत तक पहुंच गया था। वर्ष 2020-21 पूरे तौर पर कोरोना प्रभावित था, जिसमें मौद्रिक जीडीपी भी 2 लाख करोड़ रुपए घट गई थी, लेकिन कोरोना से गरीबों एवं अन्य प्रभावित वर्गों को राहत देने और अन्यान्य प्रकार के खर्च बढऩे के कारण सरकारी कर्ज और देनदारियां 18 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई थी। इसके कारण सरकारी कर्ज और देनदारियां जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 61 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों के अनुसार सरकारी ऋृण कुल जीडीपी का मात्र 56 प्रतिशत तक घट जाएगा। कर्ज निजी हो अथवा सार्वजनिक, इसके साथ उसके ब्याज और मूलधन की देनदारी जुड़ी होती है। जहां तक सरकारों का सवाल है, सरकारें लगातार ऋृण लेती हैं और यह ऋृण उत्तरोत्तर तौर पर बढ़ता ही जाता है। गौरतलब है कि 1950-51 में सरकार का कुल कर्ज और अन्य देनदारियां मात्र 2865.4 करोड़ रुपए ही थी, जो 2022-23 के संशोधित अनुमानों के अनुसार 152.6 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई। वर्ष 2023-24 के बजट में ब्याज और मूल वापसी हेतु लगभग 10.8 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, जो सरकार के कुल खर्च का 24 प्रतिशत है। वर्ष 2022-23 के संशोधित अनुमानों के अनुसार यह 9.4 लाख करोड़ रुपए था, जो कुल बजट का 22.4 प्रतिशत ही था। समझा जा सकता है कि साल दर साल बढ़ती ब्याज और मूल की अदायगी सरकार के चालू राजस्व से पूरी नहीं हो पाती और इसलिए ब्याज और कर्ज की अदायगी के लिए भी और अधिक ऋृण लेना पड़ता है। लेकिन यहां यह भी देखना होगा कि क्या अकेले भारत सरकार ही ऋृण लेती है? यह भी देखना होगा कि सार्वजनिक ऋृण के संदर्भ में दुनिया के दूसरे मुल्कों की तुलना में हमारी क्या स्थिति है।

**अन्य देशों की स्थिति :** गौरतलब है कि हर मुल्क की जीडीपी अलग-अलग है। अमरीका की जीडीपी भारत की जीडीपी से कई गुणा ज्यादा है और कई मुल्कों की जीडीपी भारत की जीडीपी से कई गुणा कम है। इसलिए हमें हर देश के सरकारी ऋृण एवं अन्य देनदारियों को वहां की जीडीपी के अनुपात में देखना पड़ेगा। इस संदर्भ में यदि दुनिया की 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को देखा जाए तो आईएमएफ के अनुसार वर्ष 2021 में अमरीका में सरकारी ऋृण जीडीपी का 122 प्रतिशत है, जापान का 221.3 प्रतिशत और भारत में मात्र 54.3 प्रतिशत था। हालांकि आईएमएफ के पास चीन का आंकड़ा नहीं है, अन्य वैश्विक अनुमानों के अनुसार यह 79.2 प्रतिशत था। केवल जर्मनी का कज़र्.जीडीपी अनुपात भारत से थोड़ा कम यानी 46.3 प्रतिशत था। कोरोना काल में भारत ही नहीं दुनिया के सभी देशों में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सरकारी कर्ज में वृद्धि हुई थी। इसका कारण यह था कि एक ओर कोरोना के दौरान न केवल जीडीपी सिकुड़ गई थी, बल्कि सरकारी राजस्व भारी रूप से घट गया था और समाज के कमजोर वर्गों को सहायता और राहत देने के लिए सरकारों का खर्च भी बढ़ गया था। अमरीका में वर्ष 2019 में सरकारी ऋृण, जो जीडीपी के प्रतिशत के रूप में मात्र 93.1 प्रतिशत था, अब बढक़र 122 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही स्थिति कमोबेश अन्य देशों की भी रही। समझा जा सकता है कि सरकारों की समाज के प्रति जिम्मेदारी के निर्वहन में जब कराधान आदि से काम नहीं चल पाता है, तो ऐसे में सरकारों को कर्ज लेना ही पड़ता है। लेकिन उस मामले में सरकारी कर्ज के जीडीपी के अनुपात में देखा जाए तो भारत सरकार का कुल कर्ज एवं देनदारियां दुनिया के अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में खासी कम हैं। यही नहीं अधिकांश छोटी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भी भारत का उधार-जीडीपी अनुपात काफी कम है। हालांकि भारत में राजकोषीय संतुलन के कारण सरकारी कर्ज व अन्य देनदारियों का जीडीपी के अनुपात में 50 प्रतिशत तक बना रहा, लेकिन पूर्व में भी और हाल ही में भी यह अनुपात बढ़ा है, जो स्थिति सामान्य होने पर फिर कम हो सकता है।

**सरकारी बजट पर कम कैसे हो बोझ :** यह तो सही है कि जनकल्याण ही नहीं पूंजी निर्माण के लिए भी सरकारों को ऋृण लेना पड़ता है और टैक्स जीडीपी अनुपात बढ़ाने की कठिनाइयों के चलते, समय की जरूरतों के साथ-साथ सरकारी कज़र्. बढ़ता भी जाता है। ऐसे में आर्थिक विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं की चिंता यह होती है कि सरकारी बजट पर इसका प्रभाव कैसे कम किया जाए। ब्याज की अदायगी, सरकारी बजट पर प्रभाव डालती है। इस वर्ष भी ब्याज और मूल की अदायगी पर हमारे कुल सरकारी खर्च का 24 प्रतिशत इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में इस बोझ को कैसे कम किया जा सकता है। सरकारी ऋृण के ब्याज और मूल अदायगी के बोझ को कम करने का एक ही मार्ग है, ब्याज दरों में कमी।

## नागरिक बोध

### दुःख भरे दिन बीते रे भय्या!

**नई** सरकार बनने के बाद आजकल राजधानी के सत्ताई गलियारों में विकास की नई बाद-ए-सबा बह रही है। हो सकता है कि मंद-मंद बहने वाली मद भरी विकास की यह समीर कैबिनेट कोठियों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। डर इस बात का भी है कि कहीं हर बार की तरह बाद-ए-सबा के सियासी गलियारों से बाहर आने तक लोग इस सरकार का भी पँचनामा न तैयार कर चुके हों। लोग एक बार फिर 'चलो अजनबी बन जाएं हम दोनों' गीत गाते हुए इस सरकार से सवाल पूछने की बजाय उसे कोसते हुए फिर उस पुरानी सरकार को ले आएं जिसके कार्यकाल में भी विकास की बाद-ए-नसीम पाँच साल तक उन्हीं सत्ताई गलियारों में चक्कर काटती रही थी। आम आदमी की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि हर बार सरकारों से सवाल उठाने की बजाय वह व्यवस्था को कोसते हुए तुलना शुरू कर देता है। वह कभी यह नहीं सोचता कि चुनकर आने वाले तोते उधार की फसल खाकर उड़ जाएंगे और लोगों के हिस्से भूसे एवं घास-फूस के अलावा कुछ न आएगा। शायद यह लोकतंत्र में उपलब्ध उस विकल्प का कमाल है कि ठगे जाने के बावजूद लोग कबीर बन कर ठगों को ठगने की बजाय ख़ुद को ठगे जाना ठीक समझते हैं और हर बार नई सरकार चुन लेते हैं। लोकतंत्र तो सवाल पूछने का हक़ भी देता है। लेकिन लोगों को सवाल पूछना पसन्द नहीं। शायद ठगे जाने में वक्त आसानी से निकल जाता है और पूछे या खोजे जाने पर भारी पड़ता है। इस बार आलतू पार्टी तो अगली बार फालतू सही। इस बार संत झांसा राम तो अगली बार काम लहीम सही। इस बार गप्पो-गप्पो तो अगली बार टप्पो सही। सरकार ने अभी नई दुल्हन की तरह प्रवेश किया है। लोग इन्तज़ार में हैं कि विकास की दुल्हन बाहर निकले, नेताओं की कोठियों और दफ्तरों से। अभी विकास हो रहा उनकी कोठियों का, दफ्तरों का। बेचारा विकास करे भी तो क्या? फालतू सरकार के मंत्री और कैबिनेट रैंक के पदाधिकारी अखिलेश यादव की तरह सरकारी आवास ख़ाली करते हुए बल्ब, ट्यूब, नलों की टोटियों सहित सब खोल कर ले गए थे। मरम्मत ज़रूरी थी। तभी इस बार विकास बिना टेंडर के ही काम पर लग गया।

## देश दुनीया से

### खानाबदोश विश्वविद्यालय परिसर

> आश्चर्य है कि जिस शहर में हिमाचल का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम स्थापित हो जाता है, उसी के आजू-बाजू जमीन की हर तरह की उपलब्धता को बार-बार ऐसी शक्तियां हरा रही हैं, जिन्होंने यह ठान रखा है कि तमाम केंद्रीय कानूनों की पहुंच से धर्मशाला के विश्वविद्यालय परिसर को हलाल किया जाए। आपत्तियों की सजावट का एक भयानक मंजर तब भी बुना गया, जब पहली बार जमीन का चयन हुआ और अब फिर से विश्वविद्यालय की अमानत लूटी जा रही है। कारण अगर हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में समझे जाएं, तो पूरे हिमाचल में विकास पर तो पूर्ण अंकुश लग जाना चाहिए। मसलन जदरांगल का प्रस्तावित स्थान भूकंपीय क्षेत्र, भूगर्भीय अस्थिर क्षेत्र, बारिश से अत्यधिक भीगता क्षेत्र व असुरक्षित वनों का क्षेत्र होने के कारण शिक्षा का मंदिर नहीं हो सकता।

**एक** बार फिर मनहूस राजनीति के पिंजरे में केंद्रीय विश्वविद्यालय का धर्मशाला परिसर कैद होकर रह गया। जिस राजनीति ने पहले इसे दो पाटों में बांटा, वही पुनः वन संरक्षण अधिनियम की चक्की में इसके अस्तित्व पर चोट पहुंच रही है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पुनः केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर के शिलान्यास में लगे पत्थरों पर कोड़े बरसाते हुए यह फरमान सुना दिया कि यह जमीन अयोग्य है। चौदह साल बाद भी राजनीति के इस खेल में धर्मशाला में परिसर का प्रस्ताव और जमीनों का हिसाब क्यों हार रहा है, इसे समझने की जरूरत है। आश्चर्य है कि जिस शहर में हिमाचल का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम स्थापित हो जाता है, उसी के आजू-बाजू जमीन की हर तरह की उपलब्धता को बार-बार ऐसी शक्तियां हरा रही हैं, जिन्होंने यह ठान रखा है कि तमाम केंद्रीय कानूनों की पहुंच से धर्मशाला के विश्वविद्यालय परिसर को हलाल किया जाए। आपत्तियों की सजावट का एक भयानक मंजर तब भी बुना गया, जब पहली बार जमीन का चयन हुआ और अब फिर से विश्वविद्यालय की अमानत लूटी जा रही है। कारण अगर हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में समझे जाएं, तो पूरे हिमाचल में विकास पर तो पूर्ण अंकुश लग जाना चाहिए। मसलन जदरांगल का प्रस्तावित स्थान भूकंपीय क्षेत्र, भूगर्भीय अस्थिर क्षेत्र, बारिश से अत्यधिक भीगता क्षेत्र व असुरक्षित वनों का क्षेत्र होने के कारण शिक्षा का मंदिर नहीं हो सकता। इन आपत्तियों को अगर हमीरपुर के मेडिकल कालेज निर्माण में समझा जाए, तो अंतर स्पष्ट हो जाएगा कि जमीन को कलंकित करने के लिए राजनीतिक तौर पर वन संरक्षण अधिनियम के हथकंडे कैसे सामने आते हैं। हिमाचली विकास के अनेक अध्याय अगर जमीन पर रेखांकित हो रहे हैं, तो केवल जदरांगल भूखंड की उपयोगिता क्यों प्रश्नांकित हो रही है। हद तो यह कि विश्वविद्यालय ने अपने चौदह साल के इतिहास में सबसे उल्लेखनीय पन्ना यह जोड़ा कि इसकी अमानत में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का चहेता परिसर देहरा में तो आकार ले रहा है, लेकिन धर्मशाला के प्रस्तावित परिसर में कई नेता विफल हो गए। पांच बार विधायक और वर्तमान सांसद किशन कपूर इस परिसर की हर असफलता के नायक हैं, तो तत्कालीन सांसद शांता कुमार भी अपनी वचनबद्धता हार गए। केंद्रीय विश्वविद्यालय को देहरा में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की संपत्ति के रूप में देखने की चाहत से राजनीति इस कद्र हावी रही कि धूमल सरकार ने इस परियोजना को भी एक पक्षीय आंख से देखा। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के नक्शे को खुर्दबुर्द करने के लिए तत्कालीन राज्य सरकार, भाजपा का आलाकमान, हिमाचल से केंद्र में मंत्रित्व की भागीदारी तथा पिछली जयराम सरकार भी इस दोष से मुक्त नहीं हो सकती, जबकि शिलान्यास का श्रेय तो भाजपा सरकारों ने ही लिया। पच्चीस हजार दर्शकों को अगर धर्मशाला स्टेडियम सुरक्षित बैठा लेता है, तो जदरांगल की जमीन को अभिशप्त करने का बहाना बना कर क्यों इस क्षेत्र की जनता को अभियुक्त बनाया जा रहा है। क्या हिमाचली क्षेत्र में सिर्फ धर्मशाला ही भूगर्भीय असंवेदना से भरा है या सारे भारत की बारिश यहीं बरस रही है। इन तमाम विडंबनाओं का सेहरा पहने केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जो खोना था, उसे खो चुका है। अब केवल इमारतें लड़ रही हैं। ऐसे में व्यवस्था परिवर्तन के नारे पर आई सुक्खू सरकार के लिए अब यह परीक्षा की घड़ी है कि किस तरह खानाबदोश हो रहे विश्वविद्यालय के परिसर को बचाया जाए।

# मॉरीशस से टकराया चक्रवात फ्रेडी : 280 किमी/घंटे की रफ्तार की हवाओं से खतरा, बारिश ने बरपाया कहर, उड़ानें रद्द

**पोर्ट लुइस ।**

मॉरीशस में आसमानी आफत ने लोगों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। दरअसल, यहां सोमवार को चक्रवात फ्रेडी के टकराने से भारी बारिश ने लोगों के जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने जो चेतावनी दी है वह और डराने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवात के कारण हवा की रफ्तार 280 किलोमीटर या 170 मील प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने इस चक्रवात को कक्षा-3 श्रेणी का चक्रवात बताया है।

### कई उड़ानें-स्टॉक एक्सचेंज बंद

चक्रवात के खतरे को देखते हुए द्वीप राष्ट्र ने कई उड़ानों को रद्द कर दिया और अपने स्टॉक एक्सचेंज को बंद कर दिया है। इतना ही नहीं लोगों को बिना जरूरत के घर से बाहर निकलने पर भी फिलहाल पाबंदी लगा दी गई है। देश में कोई सरकारी सेवाएं नहीं चल रही हैं जबकि दुकानें, बैंक और पेट्रोल स्टेशन बंद थे और सार्वजनिक परिवहन ठप था। मौसम एजेंसी ने कहा कि चक्रवात फ्रेडी द्वीप से अपनी निकटतम दूरी पर उत्तर की ओर लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर गुजरा था और लगभग 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम-दक्षिण पश्चिम की ओर बढ़ रहा था।

### लोगों से समुद्र में न जाने की सलाह

मौसम एजेंसी ने कहा कि अगर चक्रवात थोड़ा कमजोर भी होता है तो गरज और तेज हवा जारी रहेगी। समुद्र में सात मीटर तक ऊंची लहर उठ सकती है। निचले इलाकों के तटीय क्षेत्रों में जलप्लावन जारी रहेगा। इसलिए, यह सख्ती से सलाह दी जाती है कि लोग समुद्र में न जाएं।

### मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने सावधानी बरतने की अपील की

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने नागरिकों से सभी आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, चक्रवात फ्रेडी एक अत्यंत शक्तिशाली चक्रवात है जो मॉरीशस, रोड्रिग्स और सेंट-ब्रैंडन के द्वीपों के लिए सीधा खतरा है। मॉरीशस के हवाई अड्डों ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सोमवार से अगली सूचना तक बंद रहेगा।

## न्यूज ब्रीफ

### 21वीं सदी के लिए निर्णायक होंगे भारत अमेरिका संबंध, सांसद बोले- चीन से निपटने के लिए साथ जरूरी

**वॉशिंगटन ।** अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद का कहना है कि लोकतंत्र, तकनीकी विकास और मजबूत आर्थिक व्यवस्था के लिए भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत होना जरूरी है। उन्होंने ये भी कहा कि चीन से निपटने के लिए भी दोनों देशों के संबंध अहम होंगे। अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर ने भारत को दुनिया की प्रमुख ताकत बताते हुए चीन की तानाशाही से निपटने के लिए अमेरिका और भारत को साथ आने की जरूरत पर बल दिया। बता दें कि अमेरिका के सांसदों का एक दल इन दिनों भारत दौरे पर आया हुआ है। इस दल का नेतृत्व अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर कर रहे हैं। अमेरिकी सांसदों के इस दल ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में अहम तकनीक, अक्षय ऊर्जा पर निर्भरता, सप्लाई चेन और साथ मिलकर उत्पादन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। शूमर ने एक बयान में कहा कि हमें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत जैसे देशों की जरूरत है, जिनके साथ मिलकर हम एशिया और पूरी दुनिया में लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं। चक शूमर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद कहा कि बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने पर बातचीत हुई, ताकि चीन की चुनौती से निपटा जा सके। दोनों देशों के संबंध लोकतंत्र, वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए बेहद अहम हैं। अमेरिकी सांसदों के दल में चक शूमर के अलावा रॉन विडेन, जैक रीड, मारिया कैंटवेल, एमी क्लोबुचर, मार्क वार्नर, गैरी पीटर्स , कैथरीन कोर्टेज मास्तो और पीटर वेल्च शामिल हैं। ये सभी सांसद अमेरिका की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी से संबंधित हैं। शूमर ने कहा कि चीन से निपटने के लिए भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी, जलवायु परिवर्तन, व्यापार बढ़ाने जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। शूमर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ग्रीन हाइड्रोजन, आधुनिक तकनीकी विकासके क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग से अगली सदी में भारत और अमेरिका को फायदा मिल सकता है और 21वीं सदी हमारी हो सकती है।

### हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद मारा गया: 2 हमलावरों ने गोली मारकर हत्या की; नमाज पढ़कर एक दुकान के पास खड़ा था

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के रावलपिंडी में सोमवार को हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर मारा गया। हमलावर ने रावलपिंडी में एक दुकान के बाहर पीर को गोली मारी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पिछले साल 4 अक्टूबर को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उसे आतंकवादी घोषित कर दिया गया था। पीर हिजबुल मुजाहिद्दीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व-आतंकवादियों को एकजुट करने के लिए कई ऑनलाइन एक्टीविटीज में शामिल था। बशीर अपने घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। मस्जिद से बाहर निकलने के बाद वह एक दुकान के पास खड़ा हो गया। इसी दौरान दो हमलावर बाइक से आए और गोली मारकर बशीर की हत्या कर दी। हाजी और पीर कोड नाम से आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था बशीर अहमद को इम्तियाज आलम के नाम से भी जाना जाता था। जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में इसका हाथ था। वह हाजी, पीर और इम्तियाज के कोड नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। बशीर पिछले कुछ सालों से रावलपिंडी में रह रहा था। पाकिस्तान सरकार ने उसे अपने देश की नागरिकता दे दी थी। बशीर को जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ कराने का जिम्मा सौंप रखा था। वह जम्मू-कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के पूर्व आतंकियों को फिर से एक्टिव करने में जुटा था। वह इंटरनेट के जरिए कश्मीर के खिलाफ लगातार लोगों को भड़का रहा था।

# आखिरकार कर्ज के लिए आईएमएफ के सामने झुका पाक, मांगों को पूरा करने के लिए किया विधेयक पारित

**इस्लामाबाद ।**

**दिवालिया होने से बचने के लिए आखिरकार पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने झुकने के लिए मजबूर होना ही पड़ा। दरअसल, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने आईएमएफ द्वारा निर्धारित मांगों को पूरा करने के लिए सर्वसम्मति से एक धन विधेयक पारित कर दिया। बता दें कि अगर पाकिस्तान आईएमएफ की शर्तों को पूरा कर देता है तो उसे लगभग 8800 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त विधेयक 2023 जिसे पाकिस्तान का मिनी बजट कहा जा रहा है उसे संसद के निचले सदन में मंजूरी दे दी गई। पाक सरकार को यह कदम कर्ज पुनर्गठन के लिए उठाना पड़ा है।**

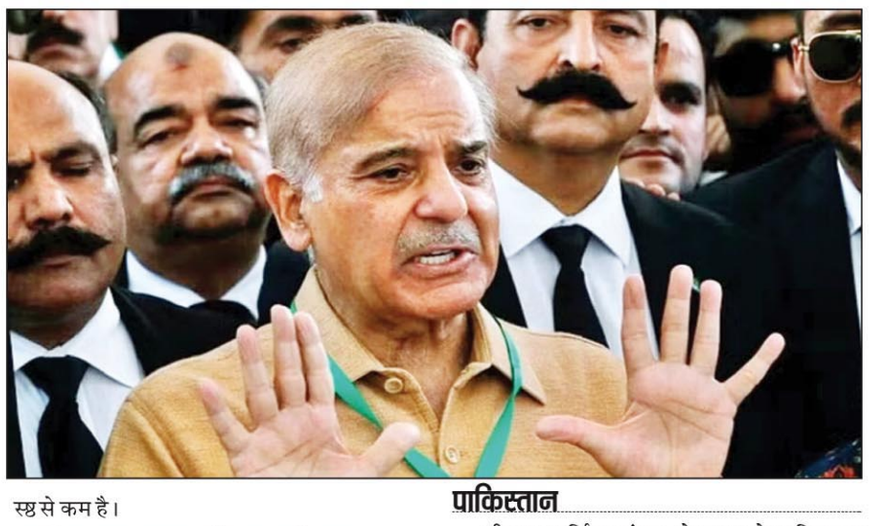

बता दें कि सरकार ने पिछले सप्ताह इस विधेयक को सप्ताहांत तक पारित करने के उद्देश्य से पेश किया था, लेकिन अपने सहयोगियों की आलोचना का सामना करने के बाद वह ऐसा नहीं कर सकी। वित्त मंत्री डार ने अपने भाषण में बिजली क्षेत्र में कुप्रबंधन और पिछली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार की खराब आर्थिक नीतियों को मौजूदा वित्तीय संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया।

यह बिल जून के अंत तक चालू वित्त वर्ष समाप्त होने पर आईएमएफ-निर्धारित 170 अरब रुपये एकत्र करने में मदद करेगा। सरकार द्वारा अन्य उपायों के साथ नए करों से जनता पर मुद्रास्फीति का और बोझ पड़ेगा जो पहले से ही उच्च है। हालांकि, यह पाकिस्तान को अपने घटते विदेशी मुद्रा भंडार का समर्थन करने के लिए आईएमएफ से 1.1 बिलियन की किश्त प्राप्त करने के करीब लाता है जो गंभीर रूप से केवल 3 बिलियन स्ष से कम है।

### आईएमएफ प्रमुख की सलाह के बाद पाकिस्तान ने उठाया कदम

आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान पिछले साल अचानक आई बाढ़ से तबाह हो गया था, जिससे उसकी एक तिहाई आबादी प्रभावित हुई थी। मैं जोर देना चाहता हूं कि हम दो चीजों पर जोर दे रहे हैं। नंबर एक कर राजस्व। जो सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा रहे हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था में योगदान करने की जरूरत है।

दूसरी बात, सब्सिडी को केवल उन लोगों तक पहुंचाकर दबावों का उचित वितरण करना जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि सब्सिडी से अमीरों को लाभ मिले। आईएमएफ प्रमुख का बयान दोनों पक्षों द्वारा 10 दिनों की बातचीत के बाद कर्मचारी स्तर के समझौते के बिना 6.5 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की नौवीं समीक्षा पूरी होने के कुछ दिनों बाद आया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने उपायों के एक सेट पर सहमति व्यक्त की जो अभी भी सौदा हासिल करने में मदद कर सकता है।

### भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान

भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को धन की सख्त जरूरत है। अतीत में आईएमएफ से वित्तीय सहायता प्राप्त कर चुका है और वर्तमान में अपने ऋण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए संगठन के साथ चर्चा कर रहा है। कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा पर एक समझौता 8000 करोड़ रुपये से अधिक जारी करेगा। आईएमएफ कार्यक्रम की बहाली से पाकिस्तान के लिए फंडिंग के अन्य रास्ते भी खुलेंगे।

### स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार गिरा

इस बीच, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो मुश्किल से तीन सप्ताह के नियंत्रित आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। इससे पहले, आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष लगे रहने के लिए सहमत हुए हैं और इस्लामाबाद में चर्चा की गई कर उपायों सहित नीतियों के कार्यान्वयन विवरण को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले दिनों में आभासी चर्चा जारी रहेगी।

# उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट से चीन, जापान में रेडिएशन का खतरा 10 लाख लोग हो सकते हैं प्रभावित

**प्योंगयांग।**

उत्तर कोरिया द्वारा बीते दिनों जमीन के अंदर किए गए न्यूक्लियर मिसाइल टेस्ट से उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में लाखों लोग रेडिएशन से प्रभावित हो सकते हैं। सिओल स्थित एक मानवाधिकार संगठन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी कर यह जानकारी सार्वजनिक की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूक्लियर टेस्ट से जमीन के भीतर मौजूद पीने के पानी में रेडिएशन का स्तर कई गुना बढ़ गया है। बता दें कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सरकारों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने साल 2006 से 2017 के बीच उत्तरी हामयोंग प्रांत के पहाड़ों में 6 बार न्यूक्लियर टेस्ट किए थे।

अब ट्रांजिशनल जस्टिस वर्किंग ग्रुप ने अपनी स्टडी में दावा किया है कि यह रेडिएशन हामयोंग प्रांत के आसपास के आठ शहरों में फैल सकता है। इससे उत्तर कोरिया में ही करीब दस लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। यह रेडिएशन पीने के पानी, खेती लोगों को प्रभावित कर सकता है। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि रेडिएशन का असर दक्षिण कोरिया, चीन, जापान में भी लोगों पर असर डाल सकता है क्योंकि जो इलाके रेडिएशन से प्रभावित होंगे, उनके खेती उत्पादन और मछलियां आदि उत्पाद स्मगलिंग द्वारा इन देशों में भेजे जाते हैं। बता दें कि जिस मानवाधिकार संगठन ने यह रिपोर्ट तैयार की है, उसकी स्थापना साल 2014 में की गई थी। इस संगठन के साथ कई न्यक्लियर और मेडिकल विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं। यह संगठन खूफिया सूचनाओं और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करता है। इस संगठन को यूएस कांग्रेस की गैर लाभार्थी कॉरपोरेशन नेशनल एंडोवमेंट फॉर डेमोक्रेसी द्वारा संचालित किया जाता है। साल 2015 में ही दक्षिण कोरिया की फूड सेफ्टी एजेंसी ने चीन से आयात किए गए मशरूम में 9 गुना ज्यादा रेडिएशन पाया गया था। जांच में पता चला कि ये मशरूम असल में उत्तर कोरिया से स्मगल होकर चीन आए और वहां से दक्षिण कोरिया पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन और जापान ने रेडिएशन को काउंटर करने के लिए इंतजाम भी मजबूत कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रेडिएशन की वजह से लोग कई तरह की बीमारियों जैसे कैंसर आदि की चपेट में आ सकते हैं।

### अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बाल

**वॉशिंगटन ।**

**अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों जॉर्ज वॉशिंगटन, जॉन एफ केनेडी, वाइट डी आइजनहावर और रोनाल्ड रीगन के बालों के सैंपल अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी की जा रही है। टेक्सास स्थित कंपनी केलेस्टिस इन बालों के सैंपल्स को अंतरिक्ष में भेजेगी। केलेस्टिस अवशेषों को अंतरिक्ष में दफनाने की विशेषज्ञ कंपनी है। अमेरिका में राष्ट्रपति दिवस के मौके पर रॉकेट द्वारा पूर्व राष्ट्रपतियों के डीएनए बालों के रूप में अंतरिक्ष में लॉन्च किए जाएंगे। इस मिशन को इस साल के अंत में लॉन्च किया जाएगा।**

खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपतियों के अलावा मशहूर टेलीविजन सीरीज स्टार ट्रेक के निर्माता जीन रोडेनबेरी और सीरीज के अन्य कलाकारों के अवशेष भी अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। बताया जा रहा है कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पूर्व राष्ट्रपतियों के बालों के सैंपल दान किए गए हैं और इनके साथ प्रमाण पत्र भी है। केलेस्टिस ने बताया कि अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले बालों के सैंपल क्लाइमेट कंट्रोल फैसिलिटी में बीते कई सालों से रखे थे। केलेस्टिस के सह-संस्थापक और सीईओ चार्ल्स शेफर ने बताया कि अमेरिका के इन पूर्व राष्ट्रपतियों के डीएनए अंतरिक्ष में भेजकर हम अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने के मिशन की नींव रख रहे हैं। साथ ही यह अंतरिक्ष में इंसानों का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी रहेगा। जिस रॉकेट से बालों के सैंपल भेजे जाएंगे वह फ्लोरिडा के केप केनावेरल से उड़ान भरेगा। इसके साथ दो सैटेलाइट्स और चंद्रमा के लिए एक निजी लूनर लैंडर भी उड़ान भरेगा।

# पाकिस्तान और तालिबानी सेना के बीच झड़प, डूरंड लाइन पर तोरखम गेट बंद करने को लेकर हुआ विवाद

**काबुल ( अफगानिस्तान )।**

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर एक बार फिर झड़प का मामला सामने आया है। तालिबान द्वारा मुख्य व्यापारिक और क्रॉसिंग पॉइंट्स तोरखम गेट को बंद करने के बाद इस्लामिक अमीरात बलों और पाकिस्तानी सीमा रक्षकों के बीच झड़प शुरू हो गई। साथ ही सीमा के दोनों तरफ के लोगों ने ऊपरी इलाके में मारपीट शुरू कर दी।

तोरखम गेट पर मौजूद एक खुफिया अधिकारी करीमुल्ला आगा ने बताया कि उनमें से एक पाकिस्तान का है और दूसरा हमारे रक्षा मंत्रालय का है। फाटक बंद होने से विदेशों में चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाले कई लोगों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों को परेशानी हुई। उन्होंने गेट को फिर से खोलने पर सहमति बनाने के लिए दोनों पक्षों को बुलाया। एक मरीज नजीबुल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान पर मरीजों को अनुमति देने के लिए दबाव बनाना चाहिए। मरीजों के साथ दो से तीन लोग हैं। पाकिस्तान हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा है।

एक मरीज अब्दुल मलिक समसोर ने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जो समझौता हुआ है, उसके आधार पर 100 से 150 लोगों को गेट पार करने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह मामला अफगानिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंवेस्टमेंट के उस बयान के बाद आया है कि गेट बंद होने से देश प्रभावित होता है।

पाकिस्तान द्वारा अफगान के मरीजों को गेट पार करने से मना करने के बाद तालिबान ने तोरखम गेट बंद कर दिया। इस बीच डॉन ने बताया कि तालिबान ने इस्लामाबाद पर अपनी प्रतिबद्धताओं से मुकरने का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान के साथ लगने वाला गेट बंद कर दिया। डॉन ने यह भी कहा कि तोरखम में तालिबान के आयुक्त मौलवी मोहम्मद सिद्दीकी ने ट्वीट कर कहा कि पाकिस्तान ने अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं किया है और इसलिए हमारे नेतृत्व के निर्देश पर प्रवेश द्वार को बंद कर दिया गया है। उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों को सलाह दी कि वे पूर्वी नांगरहार प्रांत में सीमा पार करने के लिए यात्रा करने से बचें।

# विदेश राज्यमंत्री मुरलीधरन बोले- चुनाव प्रक्रिया में प्रवासी भारतीयों की भागीदारी पर ईसी करेगा फैसला

**सिंगापुर।**

**विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने सोमवार को कहा कि चुनाव प्रक्रिया में प्रवासी भारतीयों की भागीदारी पर चुनाव आयोग फैसला करेगा। मुरलीधरन दो दिवसीय दौरे पर सिंगापुर में हैं। प्रवासी भारतीयों के साथ यहां एक बैठक के दौरान एक सवाल के जवाब में मुरलीधरन इस बात पर सहमत हुए कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह अंततः चुनाव आयोग द्वारा ही इसका फैसला किया जाना है।**

मुरलीधरन ने कहा कि हमें उन्हें (चुनाव आयोग को) प्रक्रिया के तार्किक हिस्से पर काम करने और समाधान निकालने के लिए समय देना चाहिए। उन्होंने विदेशों में काम कर रहे भारतीय नागरिकों की चुनावों में भाग लेने और भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने की इच्छा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारतीय मूल के 3.4 करोड़ लोग फैले हुए हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन देशों में भारत के लिए सेतु मानते हैं, जहां वे काम कर रहे हैं और रह रहे हैं।

प्रवासी भारतीयों के साथ बैठक के दौरान मुरलीधरन ने यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत के रुख को भी दोहराया। यूक्रेन-रूस संघर्ष में भारत की भूमिका पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही जब यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष छिड़ा था, हमारा मानना है कि इसे कूटनीतिक तरीकों और बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए और उन्हें एक दूसरे से जुड़ना होगा।

भारत ने यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के लिए रूस की सार्वजनिक रूप से आलोचना नहीं की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं है। पिछले साल समरकंद में पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान पीएम मोदी की इस सार्वजनिक टिप्पणी का विश्व के नेताओं ने स्वागत किया था और यहां तक कि इंडोनेशिया में जी-20 घोषणापत्र में भी इसका उल्लेख किया गया था। इससे पहले दिन में मुरलीधरन ने सिंगापुर के दूसरे विदेश मंत्री डॉक्टर मोहम्मद मलिकी उस्मान से मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने द्विपक्षीय वार्ता के हिस्से के रूप में द्विपक्षीय मुद्दों, हरित ऊर्जा, स्टार्टअप और फिनटेक पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रतिभाशाली और कुशल भारतीय जनशक्ति और सिंगापुर की प्रगति में वे जो भूमिका निभा सकते हैं उस पर भी चर्चा की गई। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

### भारत और इराक के बीच कार्यालय परामर्श के दूसरे दौर का किया आयोजन, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

**बगदाद ।** भारत और इराक ने सोमवार को बगदाद में विदेश कार्यालय परामर्श का दूसरा दौर आयोजित किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव (सीपीवी और ओआईए) डॉ औसाफ सईद ने किया, जबकि इराक का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के राजनीतिक योजना मामलों के अवर सचिव डॉ हिशाम अल अलावी ने किया। सचिव (सीपीवी और ओआईए) ने इराकी उप प्रधान मंत्री, तेल मंत्री हय्यान अब्दुल गनी, व्यापार मंत्री अतीर दाऊद सलमान, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कासिम अल अराजी और सुन्नी अकाफ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ मेशान अल खजराजी से मुलाकात कर पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने मैत्रीपूर्ण पारंपरिक संबंधों, राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, विकास साझेदारी, छात्रवृत्ति कार्यक्रम, सांस्कृतिक संबंध और लोगों से सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा की। सईद ने ट्वीट किया, बगदाद के साथ एफओसी में भाग लेकर खुशी हुई, 2015 के बाद पहली बैठक है। समकक्ष डॉ. हिशाम अल अलावी के साथ बातचीत हुई, जो द्विपक्षीय संबंधों को ऊर्जा, सुरक्षा और रक्षा पर केंद्रित एक व्यापक साझेदारी में बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप है।

# आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिये सामुहिक प्रयासों की आवश्यकता : पुलिस महानिदेशक

**जयपुर, (हि.स.)।** राजधानी जयपुर में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में पांच राज्यों के अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें संगठित अपराध के संबंध में आयोजित इस बैठक में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, गुजरात और राजस्थान के पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा है कि आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिये पुलिस द्वारा भी संगठित होकर गंभीर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हार्डकोर क्रिमिनल्स के बारे में सभी आवश्यक सूचनाओं को पड़ौसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ साझा कर संगठित अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस महानिदेशक ने गैंगस्टर एवं हार्डकोर क्रिमिनल के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए गैंगस्टर की गिरफ्तारी के लिए पड़ौसी राज्यों में परस्पर समन्वय की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने संगठित अपराधियों के सम्बंध में क्रिमिनल डेटा व इंटेलिजेंस साझा करने व ऐसे असामाजिक तत्वों को सोशल मीडिया पर फॉलो व समर्थन करने तथा उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी निरन्तर कार्यवाही पर बल दिया।उन्होंने फायरिंग कर रंगदारी की मांग कर भय का वातावरण पैदा करने का प्रयास कर रहे दोषियों के विरुद्ध भी समन्वित कार्रवाई पर बल दिया। मिश्रा ने जेलों में बन्द अपराधियों द्वारा मोबाइल का उपयोग कर आपराधिक घटनाएं कारित करने को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण करने व बंद हार्डकोर अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी की घटनाओं के संबंध में भी गंभीरता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने बाल सुधार गृह में भिजवाये गए बाल अपचारियों के आचरण पर नजर रखकर उनमे वांछनीय सुधार के लिए व्यापक प्रयास का भी आग्रह किया। पुलिस महानिदेशक ने साइबर अपराधियों की धरपकड़ करने के लिए भी सूचनाओं के आदान प्रदान करने एवं सामूहिक प्रयास पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मेवात क्षेत्र में गत दिनों 60 हजार सिम ब्लॉक की गई है। उन्होंने कहा कि हार्डकोर अपराधियों के विरुद्ध प्रोफेशनल अप्रोच अपनायी जाए। उन्होंने अंतरराज्यीय गैंग्स व अपराधियों के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई करने व एक दूसरे राज्य की पुलिस को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने भारतमाला व ग्रामीण सड़कों पर पुलिस निगरानी व्यवस्था को सुदृढ करने को रेखांकित किया गया। उन्होंने तकनीकी के साथ ही मानवीय आसूचना एकत्रित करने को भी मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में विदेश में बैठकर गैंग संचालित करने वालों के विरुद्ध केन्द्र के स्तर पर केंद्रीय यूनिट गठित की आवश्यकता बताई गई। संगठित अपराधों को रोकने के लिए अंतरराज्यीय योजना पर हो रही है चर्चा में एडीजीपी एसओजी अशोक राठौड़, पुलिस आयुक्त आनन्द श्रीवास्तव, एडीजीपी दिनेश एमएन, हवासिंह घुमरिया व एस सेंगथ्थिर, आईजी ओमप्रकाश ने अपने विचार व्यक्त किए। हरियाणा एडीजीपी चारु बाली, पंजाब एडीजीपी अमित प्रकाश, दिल्ली के स्पेशल सीपी रविन्द्र सिंह यादव, गुजरात के मुकेश पटेल ने अपने राज्यों में संगठित अपराधों की रोकथाम के प्रयासों पर प्रकाश डाला। बैठक में आईजी नवज्योति गोगोई व सत्येंद्र सिंह, डीआइजी राहुल प्रकाश, अतिरिक्त सीपी कैलाश बिश्नोई, पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन सहित संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

# पारदर्शी शीशे से होंगे शीश के दानी के दर्शन, खाटूश्याम का लक्खी मेला आज से

**सीकर, (हि.स.)।** जिले के खाटू धाम में लखदातार बाबा खाटूश्याम का लक्खी फाल्गुन मेला 22 फरवरी से आरंभ होकर 4 मार्च तक भरेगा। देश विदेश के लाखों भक्तों के आराध्य बाबा श्याम की अलौकिक छवि श्रृंगार मंगलवार को बंगाल व बंगलुरु के फूलों से सजाया गया है। भक्तों के सुगम दर्शन एवं व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन एवं श्रीश्याम मंदिर कमेटी की ओर से इस बार विशेष व्यवस्था की गई है। तीस लाख से अधिक भक्तों के आगमन को देखते हुए करीब सात किलोमीटर तक आठ लाईन में झिगझेग एवं मुख्य मंदिर द्वार के अहाते को बेरिकेटिंग लगाकर भक्तों के दबाव को नियंत्रित किया जाएगा। पारदर्शी शीशे के सम्मुख विराजमान शीश के दानी बाबा श्याम के दर्शन सात सेकेण्ड तक भक्त कर

सकेगा। अपनी मनोकामना लेकर बाबा श्याम को अर्पित करने निशान एवं प्रसाद गर्भगृह तक लाने की बजाय मंदिर कमेटी की ओर से विभिन्न स्थानों पर बनाए गए तीस पॉईंटो पर अर्पित करने की व्यवस्था की गई है। रंगीन लाइटों एवं आधुनिक उपकरणों के साथ मंदिर की विशेष सजावट तथा श्याम भजनों के संगीतमय प्रसारण की व्यवस्था की गई है। कतारबद्ध भक्तों की सुविधा के लिए सेवकों की ओर से पानी की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन के अनुसार मंदिर विस्तार के लिए करीब दो माह तक श्याम दरबार के पट बंद रखने के बाद 14 नवम्बर को दर्शन आरंभ किए गए थे। 52 बीघा मैदान में गाड़ियों को पार्क करवाया जाएगा तथा 17 किलोमीटर लंबा रींगस-खाटू मार्ग नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। इस मार्ग पर होने वाले भंडारों के प्रवेश सड़क मार्ग से दूर किए जाएंगे। डीजे करे प्रतिबंधित करने के बाद श्रद्धालु ढोलक- मंजीरे के साथ आ सकेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं पर निगरानी के लिए मेले में नियुक्त मेला मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारी-कर्मचारी वॉकी-टॉकी के जरिये एक-दूसरे के संपर्क में रहेंगे।

## आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिये सामुहिक प्रयासों की आवश्यकता : पुलिस महानिदेशक

**जयपुर, (हि.स.)।** राजधानी जयपुर में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में पांच राज्यों के अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें संगठित अपराध के संबंध में आयोजित इस बैठक में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, गुजरात और राजस्थान के पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा है कि आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिये पुलिस द्वारा भी संगठित होकर गंभीर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हार्डकोर क्रिमिनल्स के बारे में सभी आवश्यक सूचनाओं को पड़ौसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ साझा कर संगठित अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस महानिदेशक ने गैंगस्टर एवं हार्डकोर क्रिमिनल के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए गैंगस्टर की गिरफ्तारी के लिए पड़ौसी राज्यों में परस्पर समन्वय की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने संगठित अपराधियों के सम्बंध में क्रिमिनल डेटा व इंटेलिजेंस साझा करने व ऐसे असामाजिक तत्वों को सोशल मीडिया पर फॉलो व समर्थन करने तथा उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी निरन्तर कार्यवाही पर बल दिया। उन्होंने फायरिंग कर रंगदारी की मांग कर भय का वातावरण पैदा करने का प्रयास कर रहे दोषियों के विरुद्ध भी समन्वित कार्रवाई पर बल दिया। मिश्रा ने जेलों में बन्द अपराधियों द्वारा मोबाइल का उपयोग कर आपराधिक घटनाएं कारित करने को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण करने व बंद हार्डकोर अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी की घटनाओं के संबंध में भी गंभीरता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने बाल सुधार गृह में भिजवाये गए बाल अपचारियों के आचरण पर नजर रखकर उनमे वांछनीय सुधार के लिए व्यापक प्रयास का भी आग्रह किया। पुलिस महानिदेशक ने साइबर अपराधियों की धरपकड़ करने के लिए भी सूचनाओं के आदान प्रदान करने एवं सामूहिक प्रयास पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मेवात क्षेत्र में गत दिनों 60 हजार सिम ब्लॉक की गई है।

## मोबाइल ऐप से होगा पेंशनर्स का वार्षिक सत्यापन

**झुंझुनू, (हि.स.)।** सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स को वार्षिक सत्यापन के लिए अब ई-मित्र के चक्कर नहीं लगाने पडेंगे। अब घर बैठे ही वार्षिक सत्यापन हो सकेगा। इसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने एसएसपी मोबाइल ऐप को लॉन्च किया है। इस सुविधा से झुंझुनू जिले के लाखों पेंशनर्स को लाभ मिलेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अशफाक खान ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से किसी भी एंड्रॉयड फोन से पेंशनर की ओर से घर बैठे ही वार्षिक सत्यापन किया जा सकता है। इसके लिए पेंशनर को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। यह सुविधा निःशुल्क है। उन्होंने बताया कि आरएजेएसएसपी मोबाइल ऐप को किसी भी एंड्राइड मोबाइल पर इंस्टॉल करना होगा। इसके माध्यम से सर्वप्रथम मोबाइल धारक को स्वयं का मोबाइल नम्बर डाल कर ओ.टी.पी. प्राप्त कर मोबाइल को सत्यापित करना होगा। इसके उपरांत पेंशनर का पीपीओ नम्बर एंटर करना होगा। फिर पेंशनर का नाम, पिता,पति का नाम, योजना का नाम, आधार नम्बर आदि प्रदर्शित होगा। फेस कैप्चर पर क्लिक करने के उपरान्त मोबाइल के आगे अथवा पीछे वाले कैमरे के द्वारा पेंशनर का लाइव फोटो कैप्चर करना होगा। फोटो कैप्चर करते समय पेंशनर को स्वयं की पलकें झपकानी होंगी। उन्होंने बताया कि आधार पोर्टल से पेंशनर का फोटो सत्यापित होने के उपरान्त पेंशनर के वार्षिक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण हो जाती है। इस सम्पूर्ण कार्य में एक मिनट से भी कम समय लगता है। पेंशनर के अत्यधिक वृद्ध होने अथवा मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवा चुके पेंशनर्स के इस ऐप के माध्यम से सत्यापन के कुछ अधिक समय लग सकता है।

## पचपदरा में निमार्णाधीन रिफाइनरी का केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने किया दौरा, परियोजनाओं की ली जानकारी

**बाड़मेर, (हि.स.)।** केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं स्थानीय सांसद कैलाश चौधरी ने पचपदरा में निमार्णाधीन रिफाइनरी का दौरा कर प्रगति समीक्षा बैठक में भाग लिया और आगामी परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने रिफाइनरी अधिकारियों से प्रगति समीक्षा बैठक में आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने बताया कि पचपदरा में बनने वाली यह रिफाइनरी एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है, जिसका 50 फीसदी कार्य पूर्णता की ओर हैं। इस परियोजना में प्रति वर्ष 9 मिलियन टन

रिफाइनिंग क्षमता और 2 मिलियन टन प्रति वर्ष पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स क्षमता की योजना बनाई गई है। साथ ही इस रिफाइनरी के माध्यम से 1 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इससे पहले केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंगलवार को संसदीय क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर के दौरे पर रहे। पुरी सोमवार को रात्रि विश्राम जोधपुर में करने के बाद सुबह जल्दी जोधपुर से रवाना हुए और पचपदरा में निमार्णाधीन रिफाइनरी का निरीक्षण करने पहुंचे। संसदीय क्षेत्र बाड़मेर में आगमन पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के नेतृत्व में डोली गांव में स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

## डीसी कठुआ ने श्री अमरनाथ जी यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की, सुधार कार्यों को पहले से शुरू करने पर दिया जोर

**कठुआ (हि.स.)।** उपायुक्त कठुआ राहुल पांडे ने आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा 2023 के सुचारू संचालन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में डीसी राज्य कर, अतिरिक्त उपायुक्त, आरटीओ, एसीपी, डीपीओ के अलावा अन्य अधिकारी शामिल हुए। आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने संबंधित विभागों को लखनपुर और सभी यात्रा मार्गों के माध्यम से अमरनाथ यात्रियों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं को शामिल करते हुए एक व्यापक योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने यात्रा शुरू होने से पहले सभी तैयारियों और अन्य व्यवस्थाओं को पूरा करने का आह्वान किया। डीसी ने हितधारक विभागों को सुरक्षित पेयजल, बिजली आपूर्ति, शौचालयों की व्यवस्था,

स्वच्छता सुविधाओं, ठहरने और लंगर की सुविधा, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था आदि से संबंधित कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा। उन्होंने आवश्यक रूप से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए विभागों को मिलकर काम करने का निर्देश दिया। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को किसी भी घटना से निपटने के लिए आकस्मिक योजना तैयार रखने का भी निर्देश दिया। डीसी ने पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई और पर्यटन विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिले के नामित लॉजमेंट केंद्रों पर उचित सूचना डिस्प्ले बोर्ड लगाने के अलावा यात्रा मार्गों पर लॉजिस्टिक व्यवस्था, डिजिटल स्क्रीन, होर्डिंग और साइनेज की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए कहा। डीसी ने डीआईओ कठुआ को यात्रियों के मनोरंजन के लिए चिन्हित यात्रा स्थलों पर आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की योजना बनाने का निर्देश दिया।

## एनआईए ने गैंगस्टर टेरर फंडिंग में हरियाणा समेत कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की

**चंडीगढ़ (ईएमएस)।** एनआईए ने गैंगस्टर टेरर फंडिंग मामले में हरियाणा समेत कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की है। यह छापामारी गैंगस्टर लॉरेंस और नीरज बवाना से पूछताछ के बाद हो रही है। पूछताछ में आर्म्स सप्लायर गिरोह व टेरर फंडिंग की बात सामने आई थी। हरियाणा में नारनौल में गैंगस्टर चिकू और नारनौल के सेक्टर 1 में उसके साले विकास के घर पर रेड की गई। यमुनानगर, सिरसा, झज्जर में एनआईए की छापामारी चल रही है। जहां सिरसा के कालावाली डबवाली और गांव मल्लेकां में एनआईए ने अपनी दबिश दी है। सुबह करीब 4 बजे एक साथ तीनों जगहों पर छापेमारी की गई। इस रेड में सिरसा पुलिस की 5 टीमें सहयोग कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक सिरसा में भी गैंगस्टर कनेक्शन के चलते की रेड की गई है और यहां कुल 70 पुलिस कर्मचारी ऑपरेशन में शामिल हैं। वहीं यमुनानगर और सिरसा की तरह ही नारनौल में भी एनआईए की रेड जारी है। यहां पर गैंगस्टर सुरेंद्र उर्फ चीकू के घर पर रेड की जा रही है। एनआईए की टीम ने सुरेंद्र उर्फ चीकू के गांव मोहनपुर में किला नुमा बना घर पर छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों में जारी है। एनआईए पूछताछ किए गए गैंगस्टरों के घरों और उनसे और उनके सहयोगियों से जुड़े अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक गैंगस्टरों के दूसरे देशों में संपर्क होने की बात सामने आई थी। लॉरेंस बिश्नोई और बवाना गैंग के नाम पर भारत में आतंक के लिए काफी फंडिंग हुई है।

## सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह की सेवानिवृत्ति मंजूर

**मानसा(ईएमएस)।** सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए मानसा नगर कौंसिल को पत्र लिखा था, जिसे कौंसिल की बैठक में स्वीकार कर लिया है। बलकौर सिंह दमकल विभाग में कार्यरत थे। वहीं मानसा नगर कौंसिल के ईओ तरुण कुमार ने बताया कि आज कौंसिल की बैठक हुई, जिसमें दमकल विभाग में चालक के पद पर तैनात बलकौर सिंह ने सेवानिवृत्ति का मांग पत्र दिया, जिसे कौंसिल ने मंजूर कर लिया। गौरतलब

है कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की मौत के बाद से उनके माता-पिता लगातार सरकार से अपने बेटे के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें न्याय की कोई किरण नजर नहीं आ रही है। मूसेवाला की मौत के बाद उसके माता-पिता बहुत टूट गए हैं।

# 25 फरवरी को करनाल में सरकार के खिलाफ गरजेंगे कर्मचारी

**भिवानी, (हि.स.)।** प्रदेश सरकार के कर्मचारी विरोधी रवैये एवं लंबित मांगों के समर्थन में हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी सोसायटी के कर्मचारियों ने अपना संघर्ष तेज कर दिया है। 25 फरवरी को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की तैयारियों भी जोर-शोर से शुरू कर दी है। मंगलवार को हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी सोसायटी के कर्मचारियों ने नगराधीश के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा। वर्ष 2019 में सेवा नियम लागू करने की मांग पर सहमति के तहत लागू किए जाने की मांग की। इस मौके पर हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ के जिला प्रधान पवन कौशिक ने कहा कि 11 सितंबर 2019 को भारतीय मजदूर संघ हरियाणा के साथ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीआईटीएस कर्मचारियों को सेवा नियम का लाभ दिए जाने पर सहमति बनी थी, लेकिन सरकार की लचर एवं कर्मचारी विरोधी कार्यप्रणाली के चलते कर्मचारी सेवा नियम के लाभ से वंचित है। इसके अलावा 12 सितंबर 2022 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा सिविल सचिवालय में हुई भारतीय मजदूर संघ हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल की बैठक में डीआईटीएस कर्मचारियों की मांगों पर विचार करते हुए सेवा नियम में संशोधन किए जाने व हरियाणा कौशल रोजगार निगम से बाहर रखने की मांग रखी गई थी, जिस पर भी आज तक सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया। जिसके चलते डीआईटीएस कर्मचारियों में भारी रोष है तथा 25 फरवरी को करनाल में मुख्यमंत्री आवास के घेराव का ऐलान किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि इसके बाद भी उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे अन्य कर्मचारी संगठनों को साथ लेकर प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन छेडऩे का काम करेंगे। इस मौके पर जिला महामंत्री गुरदीप सिंह ने कहा कि उनकी मांगों में 12 सितंबर 2019 को डीआईटीएस की बाईलाज जारी किए गए थे, उन्हें एनएचएम/एसएसए की तर्ज पर लागू किया जाए, कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु बजट का प्रावधान, डीआईटीएस में कार्यरत्त कर्मचारियों के पद स्वीकृत करने, डीआईटीएस में कार्यरत्त कर्मचारियों को 58 वर्ष तक सेवा सुरक्षा प्रदान किए जाने, गेच्युटी अधिनियम के तहत लाभ प्रदान किए जाने, जिन कर्मचारियों का डाट हरियाणा कौशल रोजगार निगम पोर्टल पर अपलोड किया गया है। उन्हें वापिस डीआईटीएस में किए जाने, आयुष्मान स्कीम के तहत लाभ दिए जाने, पदोन्नति का लाभ दिए जाने, मेडिकल अवकाश का प्रावधान किए जाने, वार्षिक वेतन वृद्धि एवं डीए का लाभ दिए जाने, समान काम-समान वेतन दिए जाने की मांग की।

## डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी का जनसंपर्क अभियान जारी, सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निकाली पदयात्रा

**कठुआ (हि.स.)।** डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी का जनसंपर्क अभियान जारी है। डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी ने जिला कठुआ में जनसंपर्क अभियान के तहत जम्मू को अलग राज्य, आर्टिकल 371 को लागू करना और लोगों की जमीनों पर चलाए जा रहे बुलडोजर के विरोध में पैदल यात्रा कर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज करवाया। मंगलवार को डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के संस्थापक चौधरी लाल सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकताओं ने जिला कठुआ के सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान के तहत 5 किलोमीटर के करीब पदयात्रा शुरू की। इस अभियान में सैकड़ों कार्यकताओं ने जम्मू को अलग राज्य, आर्टिकल 371 को लागू करने और लोगों को जमीनों से बेदखली के विरोध में सरकार के

खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर चौधरी लाल सिंह के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के कई गणमान्य लोग उनके साथ पदयात्रा में शामिल हुए। पत्रकारों को संबोधित करते हुए चौधरी लाल सिंह ने कहा कि जनसंपर्क अभियान के तहत पैदल मार्च कर लोगों से सीधा संवाद कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के मुख्य मांगे जम्मू को अलग राज्य, आर्टिकल 371 को लागू करना और जिस प्रकार यूटी सरकार जम्मू के लोगों को उनकी जमीनों से बेदखल कर रही है उन्हें रोकना है। चौधरी लाल सिंह ने कहा कि डोगरा स्वाभिमान संगठन हर एक विधानसभा क्षेत्र में 3 दिन पदयात्रा करेगी और लोगों के साथ सीधा संवाद कर उनके हक हकूकों के लिए जागरूक करेगी। उन्होंने यूटी सरकार से भी अपील की है कि जो लोग छोटा व्यापार कर रहे हैं या जो मकानों में रह रहे हैं और किसान जिन्होंने बंजर जमीनों को खेती-बाड़ी के लायक बनाया है उन्हें बचाया जाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ देश के प्रधानमंत्री रोजगार देने की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर लोगों की दुकानें तोड़ी जा रही हैं, लोगों के मकान तोड़े जा रहे हैं, किसानों की जमीन छीनी जा रही हैं। जिसका डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी विरोध करेगी और अपनी मांगों के लिए पुरजोर संघर्ष करेगी।

## सरकार ने 157 में से 103 लेक्ररर बाहर के लगा हरियाणवीं युवाओं से किया धोखा : बुवानीवाला

**भिवानी, (हि.स.)।** हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पूर्व मीडिया कॉर्डिनेटर अशोक बुवानीवाला ने वर्तमान में हरियाणा में लेक्ररर की नियुक्तियों की जारी की गई सूची में बाहरी लोगों को प्राथमिकता देना मनोहर सरकार पर सवालिया निशान लगा रहा है। कुल 157 पदों में से 103 पदों पर बाहरी लोगों को वरियता दी गई है। यह नियुक्तियां मनोहर सरकार की ईमानदार सरकार के दावों और हरियाणवी युवाओं को नौकरियां देने के वादों की पोल खोलती है। बुवानीवाला ने कहा कि हरियाणा एक हरियाणवी एक का नारा देने वाली मनोहर लाल खट्टर की सरकार का लेक्ररर की नियुक्तियों के बाद असली चेहरा सामने आ गया है। प्रदेश में प्रावइेट कंपनियों में 75 प्रतिशत हरियाणा के युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने वाली मनोहर सरकार हरियाणवी युवाओं को छल रही है। बुवानीवाला ने कहा मनोहर सरकार के कार्यकाल में ही हरियाणा को बेरोजगारी में नंबर वन

होने का तमगा मिला है। सरकार इन आंकड़ों को झूठे बताकर अपनी कमी छिपाने का काम करती रही है। अशोक बुवानीवाला ने मनोहर सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि खट्टर साहब हरियाणा वासियों की मौज कर दी। 157 में से 103 लेक्ररर बाहर के प्रदेशों के लगा दिए। जल्द ही चपड़ासी, सफाई कर्मचारी भी बाहर के ही लगेंगे। उन्होंने कहा कि बेरोजगार हरियाणवी युवाओं को निष्पक्ष नौकरियां देने की बात कहने वाले भाजपा के नेताओं को भी अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री से सवाल करने चाहिए। उन्हें पूछना चाहिए कि हरियाणा के युवाओं का क्या कसूर था। क्या हरियाणा के युवाओं की प्रतिभा, योगयता खत्म हो गई है जो इतनी आधे से ज्यादा पदों पर बाहर के प्रदेश वालों को नौकरी देनी पड़ी। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि सरकार ने लेक्ररर की नौकरियों में इस तरह से धांधली करके अपने लिए गड्ढे खोद लिए हैं। आने वाले समय में हरियाणा के युवा ही सरकार को सबक सिखाएंगे।

## 2024 में भाजपा के साथ ही चुनाव लड़ा जाएगा : अजय चौटाला

**यमुनानगर, (हि.स.)।** जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला कार्यकताओं के सम्मेलन में मंगलवार दोपहर को यमुनानगर पहुंचे। जगाधरी स्थित जिला कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि थोड़े समय में ही हमारी पार्टी ने पूरे प्रदेश भर में पार्टी का संगठन खड़ा किया है। और अब इसका विस्तार बूथ स्तर तक किया जाएगा। जिसके किए पर और कार्यकताओं को संगठित किया जाएगा। बुढ़ापा पेंशन 5100 रुपए किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव से पहले यह वादा पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने इनेलो महासचिव अभय चौटाला के सवाल पर कहा कि विधानसभा में असभ्य भाषा बोलना या किसी का तिरस्कार करना यह आपके चरित्र को दशार्ता है जो मर्यादित नही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी पूरे विश्व में ही एक

मुद्दा बना हुआ है। सरकार इसका आकलन कर लगातार रोजगार देने की और अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 2024 में हमारा और भाजपा का गठबंधन संयुक्त रूप से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि इनेलो और कांग्रेस का अगर गठबधन होता है तो यह उनका विषय है और राजनीति में यह सम्भव है। खेल मंत्री संदीप सिंह को लेकर उन्होंने कहा कि यह इस्तीफा देना उनका व्यक्तिगत सवाल है। मामले की अभी जांच जारी है। सरपंचों के विरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ई-टेंडरिंग प्रणाली को एक बार सरपंचों को देखना चाहिए। अगर कोई खामियां या सुझाव आते हैं तो उसमें भी बदलाव किया जा सकता है। इस मौके पर पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष निशान सिंह सहित सभी वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

## एनआईए का यमुनानगर में शराब कारोबारियों के घर पर छापा

**यमुनानगर, (हि.स.)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आठ राज्यों के 70 ठिकानों पर छापामारी कर रही है। इसी कड़ी में यमुनानगर में मंगलवार सुबह एक बार फिर से एनआईए ने कारोबारी तनु और मनु के घर पर छापेमारी की है। इससे पहले एनआईए ने काला राणा गैंगस्टर और उसके बाद उसी गैंग के गुर्गे सर्वजीत बाबा के घर पर छापा मारा था। यह तनु और मनु भी उन्हीं लोगों से जुड़े शराब कारोबार में संलिप्त बताए जा रहे हैं। एनआईए ने मंगलवार को यमुनानगर पुलिस और महिला पुलिस को साथ लेकर छापा मारा है। सुबह से ही टीमें परिवार के लोगों से घर में ही पूछताछ कर रही है। खबर लिखे जाने तक एनआईए का सर्च अभियान जारी है। उल्लेखनीय है कि तनु और मनु पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। ऐसे में एनआईए तनु और मनु को गैंगस्टर कला राणा से जोड़कर भी पूछताछ कर सकती है।

हालांकि पहले स्थानीय पुलिस ने एक हत्या के मामले में तनु और मनु से पूछताछ की थी। आज फिर स्थानीय पुलिस इस बात का हवाला भी दे रही है। हालांकि एनआईए अंदर क्या पूछताछ कर रही है। इसके बारे में अभी जिला पुलिस उप अधीक्षक प्रमोद कुमार ने कुछ भी बताने से मना कर दिया है।

# भारत का यूपीआई सिंगापुर के पे-नाऊ से जुड़ा

**नई दिल्ली।**
तेज गति भुगतान और आसान उपयोग की वजह से भारत का यूपीआई दुनियाभर में लोकप्रिय हो रहा है। सिंगापुर के पे-नाऊ और भारत के यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के बीच मंगलवार को सीमा पार कनेक्टिविटी लॉन्च हो गई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के पीएम हेसिन लूंग इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ के साक्षी बने।

**क्या बोले पीएम मोदी** - इस सुविधा का शुभारंभ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास और सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) के प्रबंध निदेशक रवि मेनन ने किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूपीआई-पेनाऊ लिंकेज (भारत और सिंगापुर के बीच) की शुरुआत दोनों देशों के नागरिकों के लिए एक उपहार है, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं इसके लिए भारत और सिंगापुर दोनों के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने आगे कहा, आज के दौर में टेक्नोलॉजी हमें कई तरह से एक-दूसरे से जोड़ती है। फिनटेक एक ऐसा सेक्टर है जो लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। आम तौर पर, यह एक देश की सीमाओं के भीतर सीमित है। लेकिन आज की लॉन्चिंग ने सीमा पार फिनटेक कनेक्टिविटी का एक नया अध्याय शुरू किया है। आज के बाद सिंगापुर और भारत के लोग अपने मोबाइल फोन से उसी प्रकार पैसे ट्रांसफर कर पाएंगे जैसे वो अपने अपने देश में करते थे। उन्होंने दोनों देशों की करीबी को लेकर कहा कि भारत और सिंगापुर की मित्रता बहुत पुरानी है और समय की कसौटी पर हमेशा खरी उतरी है। यह भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की ही ताकत है कि कोविड के दौरान हम करोड़ों लोगों के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर कर पाए। पांच साल पहले मैंने सिंगापुर में ही कहा था कि- फिनटेक इनोवेशन और युवा ऊर्जा में विश्वास का बहुत बड़ा उत्सव है।

**डिजिटल लेन-देन होगा आसान** - भारत और सिंगापुर के बीच पेमेंट सिस्टम के आपस में जुड़ जाने से दोनों देशों में रहने वालों लोगों को फायदा होगा। वे तेजी के साथ क्रॉस बार्डर रेमिटेंस बेहद तेजी और सस्ती दरों पर भेज सकेंगे। सिंगापुर में रहने वाले भारतीयों को सबसे ज्यादा इसका फायदा होगा, खासतौर से माइग्रेंट वर्कर्स और छात्रों को इससे जबरदस्त लाभ होगा। माइग्रेंट वर्कर्स अब यूपीआई और पे-नाओ के जरिए तेजी के साथ सस्ती दरों पर पैसा भारत भेज सकेंगे। वहीं, सिंगापुर में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को उनके अभिभावक यूपीआई के जरिए सिंगापुर में पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। अभी तक एनआरआई यूपीआई के जरिए भुगतान करने में असमर्थ थे, क्योंकि यह सुविधा केवल भारतीय सिम कार्ड फोन पर ही उपलब्ध थी। लेकिन अब एनआरआई या फिर विदेश में रहने वाले भारतीय अपने एनआरई या एनआरओ अकाउंट को इंटरनेशनल सिम के साथ लिंक करके आसानी से यूपीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### अमेरिका में भारतीयों का बढ़ता वर्चस्वः बोइंग डील से अमेरिका में भी भारतीयों को फायदा, कंपनी दे रही नौकरियां

**नई दिल्ली।** अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले बोइंग कंपनी ने एअर इंडिया के साथ 220 विमानों की 2.81 लाख करोड़ रुपए (34 अरब डॉलर) की डील की है। इस सौदे की अहम बात बाइडेन का मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए यह दावा है कि 44 राज्यों में नए रोजगार के लिए कॉलेज डिग्री की अनिवार्यता नहीं रहेगी। असल बात यह है कि बाइडेन का ये दांव अमेरिकियों से ज्यादा वहां रहने वाले भारतीयों के लिए फायदेमंद साबित होने वाला है। इसका सबसे बड़ा कारण है अमेरिकी छात्रों का पढ़ाई में पिछड़ना। न्यू स्टैनफोर्ड के एक शोध के अनुसार 2022-23 में 12वीं तक की कक्षाओं में 12 लाख कम दाखिले हुए। अमेरिका के कुल शिक्षितों में से एक चौथाई के पास ही कॉलेज की डिग्री है। दूसरी ओर, अमेरिका में हर साल लगभग ढाई लाख भारतीय छात्र चार साल का डिग्री कोर्स करते हैं। बाद में वही नौकरियां पाते हैं। इस सबके बीच अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रति अमेरिकियों का मोह भंग हो रहा है। जबकि, बोइंग डील के जरिये बाइडेन ने मिडिल क्लास अमेरिकियों को रोजगार के अवसर देकर वोट बटोरने का रणनीति बनाई थी। बोइंग की प्रवक्ता जेसिका केवल ने बताया कि कंपनी को फील्ड में कुशल कर्मियों की जरूरत है। इस साल बोइंग के 500 उच्च स्किल वाले इंजीनियर और 200 टेक्निकल कर्मचारी रिटायर हुए हैं। अमेरिका की अन्य टेक इंडस्ट्री से नौकरी से निकाले गए भारतीयों को ही यहां रोजगार मिल रहा है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रति अमेरिकियों का मोह भंग हो रहा है। डेलॉइट स्टडी के अनुसार 2030 तक अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 21 लाख पद खाली होंगे। बोइंग के सेंट लुई हेडक्वार्टर में रिटायर होने वाले श्वेत कर्मचारियों की तुलना में नए श्वेत नहीं के बराबर आ रहे हैं। मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के जे टिमन्स का कहना है कि यहां भारतीय स्किल्ड पेशेवर लगातार बढ़ रहे हैं।

### सोना-चांदी की कीमतों में गिरावटः 56 हजार के करीब आया सोना, चांदी भी 66 हजार के नीचे आई

**नई दिल्ली।** र्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड

ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 21 फरवरी को सर्राफा बाजार में सोना 154 रुपए सस्ता होकर 56,447 रुपए पर आ गया है। इस महीने के शुरुआत में सोना 59 हजार के करीब पहुंच गया था। अगर चांदी की बात करें तो इसमें मामूली गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 121 रुपए लुढ़ककर 65,639 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले सोमवार को ये 65,760 रुपए पर बंद हुई थी। 2 फरवरी को सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। हालांकि इसके बाद सोने में गिरावट देखने को मिली है।

### साबुन, तेल, शैम्पू जैसी रोज की जरूरतों में खतरनाक केमिकल्सः खरीदने से पहले तुलना करें किस ब्रांड में इनका कितना इस्तेमाल

**वॉशिंगटन।** हम रोज साबुन, क्रीम, डिओड्रेन्ट इस्तेमाल करते हैं, मगर इनमें मौजूद केमिकल्स के खतरे के स्तर को नजरअंदाज कर देते हैं। इनके रोजाना इस्तेमाल से कैंसर, अस्थमा, चर्म रोग, किडनी फेल्योर हो रहा है। हेयर ऑयल, लिप्सटिक, आइलाइनर, मॉश्चराइजर, क्रीम में ब्यूटिलेटेड हाइड्रॉक्साइनिसोल यानी बीएचए होता है। ये पेट के कैंसर, किडनी सेल्स डैमेज करने और प्रजनन प्रक्रिया पर असर डालते हैं। अब जब भी ऐसे पर्सनल केयर उत्पाद खरीदें तो यह जरूर देख लें कि किस ब्रांड में खतरनाक केमिकल का स्तर क्या है। कई कंपनियां कॉस्मेटिक्स, हेयर स्ट्रेटनर्स, नेल पॉलिश, शैंपू, बेबी सोप में पैराफॉर्मेल्डिहाइड केमिकल का अब भी इस्तेमाल कर रही हैं। अमेरिका सहित कई देशों में इस केमिकल पर पाबंदी लगी है। रिसर्चः इसके लंबे समय तक इस्तेमाल करने से आंखों में जलन, नाक-कान में खुजली और गले का कैंसर भी हो सकता है। इंटरनेशनल फ्रेगरेंस एसोसिएशन के अनुसार, जिन परफ्यूम में बेंजोफिनोन, बीएचए, नेप्थालीन और पैथालेट्स केमिकल का ज्यादा इस्तेमाल किया गया हो उन परफ्यूम से दूरी बनाएं। एक्जिमा, सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे अस्थमा, चर्म रोग और महिला-पुरुषों में प्रजनन क्रिया को नुकसान पहुंचाता है। अपने टूथ पेस्ट, फेश वॉश, शैंपू, कंडीशनर और दूसरे कॉस्मेटिक्स में देखिए कि पैराबेन कम्पाउंड, प्रोपी पैराबेन और मीथाइल पैराबेन जैसे घातक केमिकल का इस्तेमाल किस मात्रा में किया गया है।

### एअर इंडिया ने 470 विमानों के लिए शुरू की हायरिंग

# एयरलाइन पायलटों को ऑफर कर रही 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का सैलरी पैकेज

**नई दिल्ली।**
एअर इंडिया ने अपने 470 नए विमानों के लिए हायरिंग शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोइंग और एयरबस से विमानों की डिलीवरी के लिए तैयार एअर इंडिया ने विभिन्न रैंकों और भूमिकाओं में भर्ती करना शुरू किया है। एयरलाइन के पास वर्तमान में लगभग 140 विमानों का सपोर्ट स्टाफ है। दिलचस्प बात यह है कि एयर इंडिया कुछ रोल्स के लिए सालाना 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का सैलरी पैकेज भी ऑफर कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एअर इंडिया कैप्टन की तलाश कर रही है और इस रोल के लिए एयरलाइन सालाना 2 करोड़ रुपए से ज्यादा की सैलरी का भुगतान करती है। एयरलाइन हाई लेवल की क्षमता वाले टाइप रेटेड पायलटों से लेकर फ्लीट के लिए फर्स्ट ऑफिसर्स को जॉब दे रही है।

**2.08 करोड़ रुपए का सैलेरी पैकेज देगी एअर इंडिया** - इच्छुक उम्मीदवारों को एयरलाइन द्वारा प्रदान किए गए सैलेरी ब्रेक-अप के अनुसार, कंपनी 21,000 डॉलर यानी 17,39,118 रुपए प्रति महीने का भुगतान करेगी। इस हिसाब से सालाना आधार पर यह 2,08,69,416 रुपए (2.08 करोड़ रुपए) का सैलरी पैकेज बनता है। मार्टिन कंसल्टिंग के मार्क मार्टिन ने तर्क दिया कि इंडस्ट्री में कुशल पायलटों की कमी के कारण इस रोल के लिए हाई सैलरी पैकेज दिया जाता है। यह एविएशन सेक्टर में एक्सपर्टीज वाली एक फर्म है।

**क्रू मेंबर्स समेत अन्य भूमिकाओं के लिए भी हायरिंग होगी** - मार्टिन ने बताया, दुनिया भर में पायलट की कमी के कारण विशेष विमान पर कम से कम 5,000 से 7,000 घंटे तक योग्य पायलटों की भारी डिमांड है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, एयरलाइन पायलटों के अलावा केबिन क्रू मेंबर्स, ग्राउंड स्टाफ, सिक्योरिटी और टेक्निकल रोल्स समेत कई अन्य भूमिकाओं के लिए भी हायरिंग कर रही है। एअर इंडिया की डील के बाद इंडियन एविएशन सेक्टर में भारी मात्रा में नौकरियों के अवसर बनेंगे।

**टाटा ग्रुप की एअर इंडिया ने दिया है 470 विमानों का ऑर्डर** - बता दें कि 14 फरवरी को टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने अनाउंसमेंट की थी कि वह एयरबस और बोइंग से टोटल 470 वाइड-बॉडी और नैरो-बॉडी प्लेन खरीदेगी। कंपनी ने एयरबस और बोइंग को 470 फर्म एयरक्राफ्ट, 370 ऑप्शन और पर्चेसिंग राइट्स का ऑर्डर दिया है। यह किसी भी एयरलाइन द्वारा दिया गया सबसे बड़ा विमान ऑर्डर है।

**470 विमानों के लिए रखने होंगे 6,500 से ज्यादा पायलट** - एविएशन इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों ने बताया था कि 470 एयरक्राफ्ट को ऑपरेट करने के लिए एअर इंडिया को 6,500 से ज्यादा पायलटों को हायर करने की जरूरत होगी। एअर इंडिया के एयरबस को दिए ऑर्डर में 210 320/321 नियो और 40 350-900/1000 शामिल हैं। वहीं बोइंग फर्म को दिए ऑर्डर में 190 737-मैक्स, 20 787 और 10 777 शामिल हैं।

**अभी एअर इंडिया के पास हैं 1,600 पायलट** - वर्तमान में एअर इंडिया के पास अपने 113 एयरक्राफ्ट्स की फ्लीट को ऑपरेट करने के लिए लगभग 1,600 पायलट हैं। वहीं कुछ दिनों से क्रू मेंबर्स की कमी के कारण अल्ट्रा-लॉन्ग हॉल फ्लाइट्स कैंसिल या डिले होने के मामले भी सामने आए हैं। वहीं एअर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया इंडिया के पास अपने 54 एयरक्राफ्ट्स को उड़ाने के लिए लगभग 850 पायलट हैं। विस्तारा के पास 53 एयरक्राफ्ट्स के लिए 600 से ज्यादा पायलट हैं। यानी एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, विस्तारा और एयरएशिया इंडिया के टोटल 220 एयरक्राफ्ट्स के लिए 3,000 से ज्यादा पायलट हैं।

**एअर इंडिया को 350 के लिए 1,200 पायलट चाहिए** - सूत्रों के मुताबिक, एअर इंडिया 40 350 को प्रमुख रूप से अपने लंबी दूरी के मार्गों या 16 घंटे से ज्यादा समय तक चलने वाली उड़ानों के लिए ले रही है। एयरलाइन को हर विमान के लिए 30 पायलटों, 15 कमांडरों और 15 फर्स्ट ऑफिसर्स की जरूरत होगी। जिसका मतलब है कि एअर इंडिया को सिर्फ 350 के लिए लगभग 1,200 पायलट चाहिए होंगे।

**20 बोइंग 787 के लिए 400 पायलटों की आवश्यकता होगी** - सूत्र के अनुसार, एक बोइंग 777 विमान के लिए 26 पायलटों की आवश्यकता होती है। यदि एयरलाइन ऐसे 10 विमानों को अपनी फ्लीट में शामिल करती है, तो उसे 260 पायलटों की आवश्यकता होगी। जबकि, 20 बोइंग 787 के लिए लगभग 400 पायलटों की आवश्यकता होगी। क्योंकि हर एक बोइंग 787 विमान के लिए 20 पायलटों की जरूरत होती है, जिसमें 10 कमांडर्स और 10 फर्स्ट ऑफिसर्स की आवश्यकता होती है।

**400 विमानों के लिए 4,800 पायलटों की जरूरत पड़ेगी** - कुल मिलाकर एयरलाइन को 30 वाइड-बॉडी के बोइंग विमानों को फ्लीट में शामिल करने के लिए कुल 660 पायलटों की जरूरत होगी। वहीं एयरलाइन को हर नैरो-बॉडी प्लेन के लिए 12 पायलट की आवश्यकता होगी। जिसका मतलब है कि एयरलाइन को ऐसे 400 विमानों को ऑपरेट करने के लिए कम से कम 4,800 पायलटों की जरूरत पड़ेगी।

# भारत में गेहूं के उत्पादन पर मंडराया बढ़ती गर्मी का खतरा! मुसीबत बढ़ने से पहले सरकार की ये तैयारी

**नई दिल्ली।**
भारत ने गेहूं की फसल पर बढ़ते तापमान के प्रभाव का आकलन करने के लिए अधिकारियों का एक पैनल गठित किया है। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि प्रमुख उत्पादक राज्यों में तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है।

दुनिया की दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश ने इस महीने की शुरुआत में कहा है उसका उत्पादन इस वर्ष 4.1 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 112.2 करोड़ टन होने की संभावना है। इस बीच सर्दियों में बारिश की कमी ने भारत के उत्तरी राज्यों के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ा दिया है, जहां किसान गेहूं उगाते हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार पिछले हफ्ते दैनिक औसत तापमान मार्च के मध्य के स्तर तक पहुंच गया था। भारत गेहूं का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश भी है। भारत ने मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि तापमान में तेज और अचानक वृद्धि से उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई थी। यहां तक कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक कमी को पूरा करने के लिए निर्यात मांग में तेजी आई थी। बढ़ते तापमान के असर का अध्ययन करने के लिए सरकार ने बनाया पैनल आधिकारिक नियमों के अनुरूप नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, सरकार ने उच्च तापमान के प्रभाव की निगरानी के लिए एक समिति बनाने का फैसला किया है, लेकिन मौजूदा फसल की स्थिति अच्छी लग रही है। भारत के कृषि आयुक्त समिति के प्रमुख होंगे और देश के प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों के अधिकारी और सरकारी वैज्ञानिक भी पैनल में रहेंगे। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बीते सप्ताह कुछ राज्यों में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस तक अधिक है। विभाग ने कहा कि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। दिन के इस उच्च तापमान से प्रजनन वृद्धि अवधि के करीब आने वाले गेहूं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ये तापमान वृद्धि के प्रति संवेदनशील होते हैं। आईएमडी के अनुसार गेहूं के पौधे में फूल लगने के दौरान और परिपक्व अवधि के दौरान उच्च तापमान से उपज में कमी आने की आशंका रहती है। देश एक वर्ष में केवल एक गेहूं की फसल उगाई जाती है।

# सरकार ने शत्रु संपत्तियों से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जुटाई

**नई दिल्ली।**
सरकार ने शत्रु संपत्तियों के निस्तारण से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि अर्जित की है। इनमें ज्यादातर शेयर और सोने जैसी चल संपत्तियां हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शत्रु संपत्तियां उन लोगों की होती हैं जो विभाजन के दौरान भारत छोड़ गए थे और 1962 व 1965 के युद्ध के बाद पाकिस्तान और चीन की नागरिकता ले चुके हैं। गृह मंत्रालय (एमएचए) के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा, भारत के शत्रु संपत्ति संरक्षक (सीईपीआई) ने शत्रु संपत्तियों के निपटान से कुल 3,407.98 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं, जिसमें 2018-19, 2019-20, 2020-21 और 2021-22 में 152 कंपनियों के 7,52,83,287 शेयर (2,708.9 करोड़ रुपये) और राजस्व प्राप्तियों के रूप में 699.08 करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल मिलाकर भारत सरकार टकसाल, मुंबई के माध्यम से शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 के प्रावधानों के अनुसार

जनवरी 2021 में 49,14,071 रुपये में 1699.79 ग्राम सोना और 10,92,175 रुपये में 28.896 किलोग्राम चांदी के गहने बेचे गए हैं। सरकार ने अब तक किसी भी अचल शत्रु संपत्ति से धनराशि अर्जित नहीं की है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान और चीन की नागरिकता ले चुके लोगों ने कुल 12,611 प्रतिष्ठान या शत्रु संपत्ति छोड़ी हैं। इन 12,611 संपत्तियों में से 12,485 पाकिस्तानी नागरिकों से और 126 चीनी नागरिकों से संबंधित हैं। शत्रु संपत्तियां सीईपीआई के अधीन आती हैं, जो शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत गठित एक प्राधिकरण है। शत्रु संपत्तियों की सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश (6,255) में पाई गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल (4,088), दिल्ली (659), गोवा (295), महाराष्ट्र (208), तेलंगाना (158), गुजरात (151), त्रिपुरा (105), बिहार (94), मध्य प्रदेश (94), छत्तीसगढ़ (78) और हरियाणा (71) रहे।

# अदाणी पोर्ट्स एक हजार करोड़ रुपये के ऋण का करेगा समयपूर्व भुगतान

**नई दिल्ली।**
संकटग्रस्त अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन मार्च में परिपक्व होने वाले वाणिज्यिक पत्रों में करीब 1,000 करोड़ रुपये (120.8 करोड़ डॉलर) का समय पूर्व भुगतान करने की योजना बना रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने सोमवार देर रात एक ईमेल में कहा, यह यह समयपूर्व भुगतान मौजूदा नकदी शेष राशि और व्यावसायिक संचालन से प्राप्त धन से किया जाएगा। सूचना सेवा प्रदाता प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों से पता चलता है कि अदाणी पोर्ट्स के पास मार्च में परिपक्व होने वाले 2,000 करोड़ रुपये के वाणिज्यिक पत्र हैं। कंपनी की ताजा तिमाही रिपोर्ट के अनुसार बीते 31 दिसंबर तक उसके पास 6,257 करोड़ रुपये नकद रूप में मौजूद थे। बता दें कि कंपनी ने

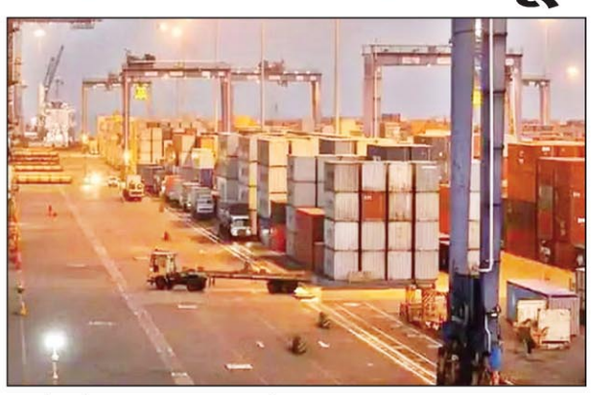

एसबीआई म्यूचुअल फंड को वाणिज्यिक दस्तावेजों पर 1,500 करोड़ रुपये का भुगतान किया है जो निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को परिपक्व हो गया था। वहीं सोमवार को मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया कि अदाणी पोर्ट्स ने आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड को परिपक्व होने वाले वाणिज्यिक पत्रों के बदले 500 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। हालांकि दोनों फंड हाउस इस मसले पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले हफ्ते मीडिया रिपोर्ट्स में ने बताया गया था कि अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स अपने अल्पकालिक वाणिज्यिक पत्रों के ऋण को आगे बढ़ाने की बजाय चुकाने का मन बना रही है। अदाणी पोर्ट्स ने इस महीने की शुरुआत में विश्लेषकों के एक कॉल में कहा था कि वह वित्तीय वर्ष 2023-24 में करीब 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने पर विचार कर रही है। इससे उसका शुद्ध कर्ज (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले आय) के अनुपात में मौजूदा तीन प्रतिशत से घटकर 2.5 प्रतिशत रह जाएगा। अदाणी पोर्ट्स के मुख्य वित्तीय अधिकारी डी मुथुकुमारन ने 7 फरवरी को कहा था हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हम नकदी पैदा कर रहे हैं और हम सभी विकास से जुड़े पूंजीगत व्यय को पूरा करने के बाद उस पैसे का उपयोग ऋण चुकाने के लिए करना चाहते हैं।

# कर्मियों-पेंशनभोगियों के लिए उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के निर्देश जारी किए

**नई दिल्ली।**
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कई दिनों की चर्चा के बाद सोमवार को अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को एक परिपत्र जारी किया है। इस परिपत्र में उच्च भविष्य निधि (पीएफ) पेंशन पर सुप्रीम कोर्ट के चार नवंबर के फैसले को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इस परिपत्र में मौजूदा कर्मचारियों और एक सितंबर 2014 के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में निर्धारित सीमा से अधिक वास्तविक वेतन के आधार पर उच्च पेंशन का दावा करने की प्रक्रियाओं और आवश्यक दस्तावेजों को सूचीबद्ध किया गया है। ईपीएफओ की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार कर्मचारी ईपीएफओ वेबसाइट के सदस्य अनुभाग का उपयोग करके नियोक्ताओं के साथ संयुक्त विकल्प का उपयोग कर पेंशन की राशि बढ़ाने का आवेदन दे सकते हैं। इसके लिए आवेदन जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।

नियोक्ता संगठनों ने जहां परिपत्र का स्वागत किया है, वहीं ट्रेड यूनियनों ने कहा कि इसमें उच्चतम न्यायालय की ओर से सुझाई गई तारीख से देरी हुई है। इससे पेंशनभोगियों को विकल्प का इस्तेमाल करने में असुविधा होगी क्योंकि संयुक्त

विकल्प जमा करने के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारित समयसीमा तीन मार्च को समाप्त हो जाएगी। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (पेंशन) अपराजिता जग्गी ने परिपत्र में कहा कि जिन कर्मचारियों ने ईपीएस के पैराग्राफ 11 (3) के अनुसार संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया है वे संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल करने के हकदार होंगे। जिन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों ने ईपीएस में योगदान दिया था और 1 सितंबर, 2014 से पहले वास्तविक वेतन पर उच्च पेंशन के लिए ईपीएस के पाराग्राफ 11(3) संयुक्त विकल्प का उपयोग नहीं किया था वे अब बढ़ी हुई पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भविष्य निधि से पेंशन कोष में समायोजन और निधि में किसी भी तरह की रिडिपॉजिट के लिए ईपीएफओ को नियोक्ता के साथ संयुक्त सहमति देना पड़ेगा।

बयान में कहा गया है, छूट प्राप्त भविष्य निधि न्यास से ईपीएफओ के पेंशन कोष में धन के हस्तांतरण के मामले में ट्रस्टी का एक हलफनामा जमा करना होगा। जग्गी ने परिपत्र में कहा, यह वचन इस आशय का होगा कि भुगतान की तारीख तक ब्याज के साथ देय योगदान निर्दिष्ट अवधि के भीतर जमा किया जाएगा।

परिपत्र में कहा गया है, गैर-छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के मामले में नियोक्ता के योगदान के आवश्यक हिस्से की वापसी, ईपीएफ योजना 1952 के पैरा 60 के घोषित दर पर वास्तविक रिफंड की तारीख तक ब्याज के साथ जमा की जाएगी।

नियोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय न्यासी बोर्ड के सदस्य केई रघुनाथन ने कहा कि परिपत्र ने अधिक वेतन पर पेंशन मांगने के लिए प्रक्रिया को स्पष्टता के साथ सरल बना दिया है। उन्होंने कहा, इससे अन्य सभी अटकलों पर विराम लग गया है। हमें जटिलता और वित्तीय प्रभावों की सराहना करनी चाहिए।

सीबीटी में कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य एके पद्मनाभन ने कहा कि ईपीएफओ ने संयुक्त विकल्पों के परिपत्र में देरी करके और कई पेंशनभोगियों को अपनी उच्च पेंशन वसूलने के लिए नोटिस देकर कर्मचारियों के साथ पहले ही अन्याय किया है। पीठ ने कहा, 25 जनवरी के परिपत्र को सही किया जाना चाहिए। नए परिपत्र में संयुक्त विकल्प जमा करने की तारीख अभी नहीं है।

### सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय समयसीमा 3 मार्च को समाप्त होनी है

सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई समय सीमा 3 मार्च के समाप्त होने में अब थोड़े ही दिन शेष हैं। 10 दिनों में पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को कई दस्तावेज जमा करने होंगे। ईपीएफओ को 29 दिसंबर से पहले प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए थी। ईपीएफओ सभी फैसले एकतरफा ले रहा है। सीबीटी की बैठक तुरंत बुलाई जानी चाहिए।

पेंशनभोगियों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले वकील एस. कृष्णा मूर्ति ने कहा कि ईपीएफओ ने उच्च पेंशन के लिए जो शर्तें रखी हैं वे सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों में शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा, इन शर्तों को संभवतः इस मौके का इंजतार कर रहे अधिकतर पेंशनभोगियों के दावे को विफल करने के मकसद से शामिल किया गया है।

# धर्मेंद्र, देव आनंद ने मना कर दिया था जंजीर के लिए

## -आखिकार यह मौका अमिताभ बच्चन के पास आया

**मुंबई (ईएमएस)।** फिल्म जंजीर में बालीवुड के पटकथा लेखक सलीम खान ने मुख्य भूमिका के लिए मुख्य दावेदारों का खुलासा किया, जिसमें धर्मेंद्र और देव आनंद शामिल थे। दोनों ही कलाकारों को अपने निजी कारणों से फिल्म को मना करना पड़ा। दिलीप कुमार ने सोचा कि मुख्य भूमिका बहुत ही एक-आयामी थी जिसमें प्रदर्शन की कोई गुंजाइश नहीं थी और देव आनंद ने पाया कि नायक के पास कोई गीत नहीं था। आखिकार यह मौका अमिताभ बच्चन के पास आया और उनके करियर को पुनर्जीवित किया, क्योंकि उन्होंने जंजीर से पहले लगभग 11 फ्लॉप फिल्मों का सामना किया था और फिल्मों को पूरी तरह से छोडऩे की योजना बना रहे थे। जंजीर सलीम खान और जावेद अख्तर की पटकथा-लेखन जोड़ी में से पहली थी, जिन्होंने 80 के दशक में अलग होने से पहले 70 के दशक की पटकथा के साथ भारतीय सिनेमा के दायरे को बदल दिया था। जंजीर के बारे में अरबाज खान से बात करते हुए सलीम खान ने कहा, ये तकदीर की बात थी, क्योंकि डायलॉग्स के साथ स्क्रिप्ट तैयार थी। जो भी इसे पसंद करता था - हमारे मन में धर्मेंद्र थे, और उसने ऐसा नहीं किया, जिसके लिए मुझे हमेशा थोड़ा दुख होता है। देव ने अपने निजी कारणों से इसे अस्वीकार कर दिया। मैंने दिलीप कुमार से बाद में पूछा कि उन्हें कौन सी फिल्म न करने का पछतावा है, और उन्होंने कहा कि यह जंजीर है। सलीम-जावेद ने अमिताभ बच्चन को चुनने का फैसला किया। वे अमिताभ की पिछली फिल्मों से प्रभावित थे, जिनमें बॉम्बे टू गोवा, परवाना और रास्ते का पत्थर शामिल हैं। हालांकि, निर्देशक प्रकाश मेहरा बॉक्स ऑफिस पर उनके फ्लॉप होने के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें फिल्म के लिए साइन करने के इच्छुक नहीं थे। यह बताते हुए कि अमिताभ फिल्म के कलाकारों में कैसे शामिल हुए, सलीम खान ने कहा, वह भी नए थे - वह एक अच्छे अभिनेता थे, इसमें कोई संदेह नहीं है, एक अच्छी आवाज और व्यक्तित्व के साथ। बाकी फिल्में जो असफल रहीं, उनका कारण यह था कि वे खराब फिल्में थीं, आमतौर पर अभिनेताओं को इसका दोष अपने ऊपर लेना पड़ता है। ग्यारह फिल्में फ्लॉप रहीं। उन्होंने पहले ही इंडस्ट्री छोडकर जाने का फैसला कर लिया था। सलीम खान ने खुलासा किया कि फिल्म की बिक्री क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें जया बच्चन को बोर्ड पर लाना पड़ा, जो उस समय एक शीर्ष स्टार थीं और उस समय भी, नायिकाएँ कम भूमिकाएँ नहीं लेना चाहती थीं।

अंततः मैंने जया बच्चन को फिल्म के लिए लेने का सुझाव दिया और वह उनके लिए यह करेंगी। मैंने उसे कहानी सुनाई, और उसने कहा मेरे लिए कुछ नहीं करना है..। मैंने कहा कि यहां ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन यह अमिताभ बच्चन के लिए है और यह उनके करियर के लिए विस्फोटक होगा। जंजीर बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित हिट फिल्मों में से एक बन गई।

# अंजलि ने की सोशल मीडिया पर वापसी

## - ट्रोल्स की वजह से इंस्टाग्राम छोड़ने को थीं मजबूर

**मुंबई (ईएमएस)।** टेलीविजन धारावाहिक निर्माता एकता कपूर के लॉक अप से अंजलि अरोड़ा अब घर-घर में जानी जाने लगी हैं। एक्ट्रेस अपने एक-से-एक बेहतरीन वीडियो और फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं, जिसके बाद कई दफे वह ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं। काचा बादाम गाने पर चंद सेकेंड की रील बनाकर फेमस हुईं अंजलि अरोड़ा आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। इस बार तो उन्होंने ट्रोल आर्मी के लिए एक मजेदार वीडियो बनाया है और उनको करारा जवाब दिया है। कुछ दिनों पहले, अंजलि अरोरा ने अपने मेंटल हेल्थ पर ट्रोलिंग के बुरे प्रभावों के बारे में बात की थी। बताया था कि इस वजह से उन्हें इंटरनेट छोड़ने के बारे में भी सोचना पड़ा था। हालांकि, अपने करीबियों की मदद से उन्होंने और मजबूती से सोशल मीडिया पर वापसी की। और अब ऐसा लग रहा है कि अंजलि ट्रोल्स को बख्शने के मूड में नहीं हैं और अपने अंदाज में उन्हें इसका जवाब देने के लिए तैयार हैं। उसने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक रील अपलोड की है। इसके जरिए उन्होंने उन लोगों पर तंज कसा है, जो उनके काम के बारे में बुरा बोलते हैं। सोशल मीडिया सेनसेशन ने हम तुम का वो पॉप्युलर गाने पर लिप सिंक किया है, जिसके बोल हैं, उसके बिना एक पल रह ना सकोगे तुम, उसको पता है ये कह ना सकोगे तुम। अंजलि ने ये लाइन ट्रोलर्स को फेंककर मारी है। साथ ही कैप्शन में लिखा है- न जाने क्यों अब सब अच्छा-सा लगता है। क्या कहते हो आप लोग?अंजलि अरोड़ा के इस पोस्ट पर लोगों ने कमेंट करना शुरू किया।एक ने लिखा- नफरत करने वालों अंजलि को पता है कि उस-के बिना एक पल नहीं रह सकोगे तुम। एक ने कहा- परेशान हो अंजलिए। हम हमेशा आपके साथ हैं। क्योंकि हमने लॉक अप देखा है और हम जानते हैं कि आप अच्छी इंसान हैं। एक यूजर ने फेवर में लिखा- जो अंजलि से जले, जरा साइड से चले। एक ने लिखा- नफरत करने वाले बेरोजगार हैं। चिढ़े हुए हैं। उन्हें नजरअंदाज करो।

# सरेआम रोमांटिक हुए सिद्धर्थ और कियारा

हाल ही में सिद्धर्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी शादी के बंधन में बंधे हैं। वहीं अब शादी के बाद सिद्धार्थ अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ रोमांटिक होते हुए दिखे। ये कुछ अनदेखी तस्वीरें रिसेप्शन की हैं जो कपल के फेवरेट ड्रेस डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने शेयर की हैं। फोटोज में सिद और कियारा स्वैग में पोज देते नजर आ रहे हैं। एक फोटो में वो अपनी वाइफ को किस करते हुए दिखे। वहीं कपल की ये अनसीन पिक्चर्स देखकर उनके फैंस का दिल गदगद हो गया। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत कपल, तो वहीं एक और ने लिखा, टचवूड और कईयों ने रेड हार्ट्स की बौछार की है। कमेंट में फैंस कपल पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। हर कोई इन्हें देखकर यही कह रहा है कि ये मेड फॉर ईच अदर हैं।

# सामंथा ने किया पुष्पा-2 में काम करने से इंकार

## -पुष्पा के निर्देशक सुकुमार हुए निराश

**मुंबई (ईएमएस)।** साउथ की अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु इन दिनों किसी न किसी कारण के चलते लगातार सुर्खी बनी हुई है। सामंथा रूथ प्रभु ने निर्देशक सुकुमार के साथ पुष्पा-2 में काम करने से इंकार कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सामंथा रुथ प्रभु को पुष्पा के निर्देशक सुकुमार ने पुष्पा-2 द रूल में एक आइटम नंबर करने का प्रस्ताव दिया लेकिन उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया है। बताया जा रहा है कि सुकुमार ने उन्हें कहानी में पिरोने के लिए एक छोटा सी भूमिका का भी प्रस्ताव दिया, लेकिन सामंथा रूथ प्रभु ने सुकुमार को प्रस्ताव को आसानी से इंकार कर दिया। सूत्रों का कहना है कि सामंथा करियर के इस मोड़ पर कोई भी आइटम नम्बर करने को तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि निमार्ता सामंथा को मनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही उन्होंने आइटम नम्बर के लिए दूसरी अभिनेत्री की तलाश भी शुरू कर दी है। सामंथा रुथ प्रभु, ऊ अंटावा को मिली सफलता से बेहद खुश थीं। उन्होंने खुद अपने एक सा-क्षात्कार में इस बात को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था कि लोग उनके बाकी कामों को भूल गए हैं। चारों तरफ बस इस गाने की ही चर्चा हो रही है। लेकिन, वह नहीं चाहती हैं कि वह एक और बोल्ड आइटम सॉन्ग कर टाइपकास्ट हो जाएं। इसलिए, वह अपने करियर के इस स्टेज पर एक और आइटम सॉन्ग नहीं करेंगी। काम के मोर्चे पर बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु दो माह बाद अपनी ऐतिहासिक फिल्म शाकुंतलम में दिखाई देंगी। उनकी यह फिल्म पिछले कुछ महीनों से लगातार पोस्टपोन होने के चलते काफी चचाओं में आ गई है। गत वर्ष नवम्बर में प्रदर्शित होने वाली यह फिल्म अपने प्रदर्शन को लेकर 3 बार स्थगित हो चुकी है। गौरतलब है कि सामंथा रुथ प्रभु ने पुष्पाः द रूल में अल्लू अर्जुन के कहने पर आइटम नम्बर ऊ अंटावा को किया था। यही गीत देश नहीं विदेशों में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। दर्शकों के लिए यह गीत मुख्य आकर्षण था। इस गीत की सफलता को देखते हुए पुष्पाः द रूल के निमार्ता चाहते थे कि सामंथा उनकी फिल्म के दूसरे भाग में भी एक आइटम नम्बर करें।

# सोनू सूद के नाम सबसे बड़ी थाली लांच

हैदराबाद के कोंडापुर में अभिनेता सोनू सूद को हाल ही में सम्मानित किया गया। सोनू सूद के लिए सभी 17 शाखाओं में भारत में सबसे बड़ी प्लेट सोनू सूद प्लेट लॉन्च की गई। सोनू सूद ने खाने को लेकर ऐसा इनोवेटिव आइडिया पेश करने के लिए जिस्मत जेल मंडी की सराहना की, जो लोगों के बीच आनंद ही बढ़ाएगा। जिस्मत जेल मंडी के संस्थापक गौतमी चौधरी ने यह भी कहा कि इसका नाम अभिनेता सोनू सूद के नाम पर रखा गया है क्योंकि अभिनेता का दिल बहुत बड़ा है। सोनू सूद की थाली में एक परिवार के 12 सदस्य एक साथ कई तरह के भोजन के साथ दावत दे सकते हैं। थाली पहले से ही आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक बड़ी सफलता बन गई है क्योंकि सोनू सूद की थाली खाने के लिए परिवार रेस्तरां में आते हैं। लॉन्च के समय, अभिनेता की एक झलक पाने, सेल्फी क्लिक करने और उनके लगातार किए जा रहे मानवीय कार्यों के लिए धन्यवाद देने के लिए प्रशंस-ाक रेस्तरां में मौजूद थे।

# चिंता में आए सुपरस्टार रामचरण

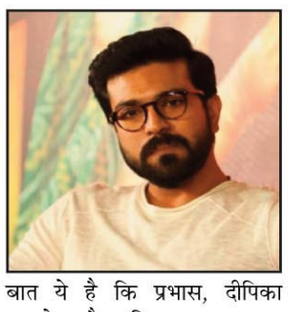

सुनने में आ रहा था कि सुपरस्टार राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर निर्देशक शंकर की अगली फिल्म आरसी 15 भी अगले साल जनवरी में ही रिलीज होने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट्स थीं कि मेकर्स इस फिल्म को साल 2024 की संक्रांति के दिन रिलीज करने की तैयारी में हैं। मगर इससे पहले ही प्रोजेक्ट के के मेकर्स ने ये बड़ी फेस्टिवल डेट लॉक कर दी है। अब ऐसे में या तो राम चरण और प्रभास के बीच अगली साल जनवरी में संक्रांति के मौके पर मेगा बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिल सकता है। या फिर... राम चरण की आरसी 15 की रिलीज डेट में ही मेकर्स बदलाव की सोचेंगे। दिलचस्प बात ये है कि प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन स्टारर निर्देशक नाग अश्विन की साई-फाई फिल्म भारी भरकम बजट में बन रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म को पूरे 500 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाया गया है। ऐसे में ये फिल्म से लोगों को भारी उम्मीदें हैं।

# भोजपुरी बादशाह रैपर हितेश्वर का बिहारी स्वैग वाला गाना "का बुझे गर्दा उड़ा दे" हुआ वायरल

भोजपुरी के एकमात्र रैपर हितेश्वर का नया गाना रिलीज के साथ ही वायरल होना शुरू हो गया है। यह गाना बेहद अलग अंदाज में बिहार और बिहारी स्वैग को दिखाता है। बिहारी स्वैग वाला गाना "का बुझे गर्दा उड़ा दे" में भी हितेश्वर का अपना अलग ही भोजपुरिया अंदाज देखने को मिल रहा है। जिसे लोग बेहद पसंद कर रहे हैं और खूब प्यार भी दे रहे हैं। गाने का टाइटल भोजपुरी में है जो इस बात की ओर इशारा करता है कि गाना वाकई धमाल मचाने वाला है और जो सही मायनों में मचा भी रहा है। हितेश्वर को भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में भोजपुरी का बादशाह भी कहा जाता है। रैपर हितेश्वर भोजपुरी के एकमात्र विशुद्ध इकलौते रैपर हैं, जिन्होंने भोजपुरी में रैप को इंट्रोड्यूस किया और यह लोगों के बीच इतना पसंद किया गया कि दूसरे कलाकार भी अब इस विधा को अपने संगीत में लेकर आने लगे हैं। बहरहाल बात अगर करें गाना "का बुझे गर्दा उड़ा दे" की तो गाना ऑडियंस को खूब कनेक्ट कर रहा है। इसमें हितेश्वर में बिहार के विशेषताओं के सकारात्मक पक्ष को एक विशेष अंदाज में प्रस्तुत किया है। इसको लेकर उन्होंने कहा कि यह गाना मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं अक्सर कोशिश करता हूं कि ऐसे रैप सॉन्ग लेकर आओ जो पहले कभी इंडस्ट्री में नहीं आया और जो जमाने के हिसाब से लोगों को सुनना पसंद है। उल्लेखनीय है कि रैपर हितेश्वर का गाना "का बुझे गर्दा उड़ा दे" मशहूर पी आर ओ संजय भूषण पटियाला ने प्रोड्यूस किया है। इस गाने को हितेश्वर के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। डायरेक्टर अनु पांडे हैं। म्यूजिक और मिक्सिंग अनिल पाजी का है जबकि लिरिक्स हितेश्वर और चंदन चौबे का है। गाने के म्यूजिक वीडियो में हितेश्वर और अनु पांडे साथ नजर आए हैं, जिनकी केमिस्ट्री बखूबी पसंद की जा रही है। डीओपी देवेश गुप्ता है।

# आलिया को मिला गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

फिल्म इंडस्ट्री में बेहद अहम माने जाने वाले "दादासाहेब फाल्के अवा-र्ड" का आयोजन कल रात यानी 20 फरवरी को किया गया। इसमें अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म "गंगूबाई काठियावाड़ी" के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। जबकि आलिया के पति अभिनेता रणबीर कपूर को फिल्म "ब्रह्मास्त्र" में शिव की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया है। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार समारोह कल मुंबई में धूमधाम से आयोजित किया गया। जहां आलिया समारोह में मौजूद थीं, वहीं रणबीर काम के सिलसिले में बाहर होने के कारण शामिल नहीं हो सके। दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड समारोह की तस्वीरें और वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस रेखा और आलिया के वीडियो ने सबका खूब ध्यान खींचा। अवॉर्ड फंक्शन में आलिया ने व्हाइट साड़ी पहनी हुई थी।

# सारा और कृति को लेकर कार्तिक का जवाब

कार्तिक आर्यन शुरूआत से ही फिल्मों के साथ अपनी पर्सनल लाइफ के लिए सुर्खियों में बने रहे हैं। हाल में जब वह अपनी फिल्म शहजादा के प्रमोशन के लिए राजस्थान में थे, तो पता चला कि वेलेंटाइन के मौसम में सारा अली खान भी वहीं थी। लेकिन बीते कुछ समय में कार्तिक का नाम कृति सैनन के साथ भी जुड़ा। कृति शहजादा में कार्तिक की हीरोइन हैं। हाल ही में एक मीडिया साक्षात्कार में कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने सारा को डेट किया है, तो उन्होंने चेहरे पर मुस्कान के साथ इस प्रश्न को नकार दिया। यही सवाल जब कृति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उसी अंदाज में कहा- नहीं।

# सोनू निगम पर मुंबई के चेंबूर इलाके में विधायक के बेटे ने किया हमला

मशहूर सिंगर सोनू निगम चेंबूर में एक कार्यक्रम में परफॉर्म कर रहे थे, तभी ठाकरे गुट के एक विधायक के बेटे ने उनके कार्यक्रम में धक्का-मुक्की की। उसने सोनू निगम को धक्का दे दिया। निगम के साथी कलाकारों को भी पीटा। इस मामले में देर रात मुंबई के चेंबूर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक चेंबूर में उत्सव का आयोजन सोमवार शाम को ठाकरे गुट के विधायक प्रकाश फातर्पेकर ने किया था। इस इवेंट में सोनू निगम की लाइव परफॉर्मेंस का आयोजन किया गया था। इस दौरान जब सोनू निगम गाना गाकर स्टेज से नीचे उतर रहे थे तो वहां मौजूद लोगों में सोनू निगम के साथ सेल्फी लेने की होड़ लग गई। इसमें सोनू निगम से ठ-ाकरे गुट के विधायक प्रकाश फातर्पेकर के बेटे स्वप्निल फातर्पेकर की धक्का-मुक्की हो गई। सोनू निगम मंच की सीढ़ियों से नीचे गिर पड़े। उनके बॉडीगार्ड और टीम के कुछ कलाकारों के साथ मारपीट भी की गई। इस घटना के बाद सोनू निगम को पास के जैन अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सोनू निगम सुरक्षित हैं। स्वप्निल फटरपेकर सोनू निगम को तस्वीरें लेने के लिए मजबूर कर रहे थे। मना करने पर उसने हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रहा है। इस बीच, सोनू निगम ने आधी रात को चेंबूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। सोनू निगम की शिकायत पर पुलिस ने विधायक प्रकाश फटरपेकर के बेटे स्वप्निल फटरपेकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

## सूडोकु नवताल- 6350

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | | | | 9 | 6 | | |
| | | | | | | 1 | 4 | |
| | | | 2 | 8 | | | | |
| | | | 8 | | | | 5 | 2 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| 1 | 4 | | | | 3 | | | |
| | | | | 4 | 1 | | | |
| | 2 | 5 | | | | | | |
| | | 3 | 7 | | | | | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -6349 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

## शब्दजाल- 7097

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कृ | श | मु | श | सी | क | हो | ना | प्या | र | हैं | |
| ष | क्रि | ल | ना | तु | म | जा | नो | ना | ह | म | |
| य | के | या | हे | नि | ल | ना | न | व | टि | रू | |
| इं | ट | दें | न | शा | वा | क्ष्य | क | ले | ज | क | |
| प | दा | ह | मी | ने | तो | हो | थ | गो | भी | त | |
| को | स | क | प | श | स | ए | व | खु | वॉ | व | |
| द | ई | न | न | जी | न | ह | शी | गो | ली | द | |
| क | र | मि | प | क्श | प | क | र | चो | आ | ख | |
| र | व | त | ल | रा | भी | त | श्मी | अ | शा | अ | |
| क | र | ल | प | ग | ज | ता | रे | र | ह | द | |
| क | ह | रि | म | श | या | चि | मु | की | फि | जा | |

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिजा, कहोना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

**शब्दजाल - 7096 का हल**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | दि | ल | का | रि | श्ता | ज | ब | न | र | ट | |
| दा | रा | यू | न | दी | वा | ग्री | द | इ | ह | ड | |
| वा | व | ना | पू | वा | जी | थ | न | ग | क | र | |
| दा | ची | न | ते | ना | ज | आँ | म | पा | त | ना | |
| म | त | ई | ड | प | व | खें | न | ग | र्क | ज | |
| र | ए | म | सु | न | दि | पू | न | ड्रॉ | र | रू | |
| ती | ज | क | मे | ता | क | ल | श | न | ज | री | |
| क | ल | ग | अ | सं | भ | व | है | ली | न | है | |
| ब्रे | बो | र्न | य | ज | चि | क | री | तु | प | ला | |
| ऐ | ला | न | न | ज | न | त्र | य | जी | म्हो | त | |
| बे | बी | लो | नि | या | ल | बी | र | रा | त | रा | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग- 6050

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 6 | 7 | | | 2 | |
| 6 | 31 | | 28 | 3 | 30 | 1 |
| 5 | | 3 | 4 | | | 7 |
| | 27 | 4 | 26 | | 39 | |
| 2 | | | 1 | 6 | | 4 |
| | 34 | 6 | 35 | | 40 | |
| 3 | 7 | | | 5 | 6 | |

*प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.*

**अष्टयोग 6049 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 2 | 23 | 1 | 26 | 6 | 40 | 6 |
| 5 | 7 | 2 | 4 | 1 | 6 | 3 |
| 4 | 38 | 4 | 24 | 4 | 29 | 4 |
| 3 | 7 | 6 | 1 | 2 | 4 | 5 |
| 6 | 47 | 7 | 35 | 7 | 26 | 2 |
| 7 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# इन्फ्लुएंसर सपना बोलीं-क्रिकेटर शॉ ने गलत तरीके से छुआ: वसूली के आरोपों पर कहा- 50 हजार क्या हैं, 2 रील बनाकर कमा लूंगी

**मुंबई।**

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से मारपीट और जबरन वसूली के केस में गिरफ्तार सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल को जमानत मिल गई। जमानत मिलते ही सपना ने पृथ्वी और उनके दोस्त के खिलाफ मुंबई पुलिस में केस दर्ज कराया है। हथियारों से हमला करने, आपराधिक साजिश रचने के आरोप लगाए। सपना ने कहा कि घटना के दौरान जब वो अपने दोस्त को बचाने गईं तो पृथ्वी शॉ ने उन्हें गलत तरह से छुआ। 15 फरवरी को मुंबई के होटल सहारा स्टार के बाहर सपना गिल और पृथ्वी शॉ के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पृथ्वी शॉ के दोस्त आशीष यादव की शिकायत पर सपना और उनके 3 दोस्तों को 17 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। आशीष ने सपना पर 50 हजार रुपए की वसूली के लिए धमकाने का आरोप भी लगाया था। सपना और उनके साथियों को मुंबई मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने 20 फरवरी को जमानत दे दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेल मिलने के बाद सपना ने कहा- 50 हजार होते क्या हैं, एक दिन में 2 रील बनाकर मैं इतना कमा लूंगी। जमानत के बाद सपना ने कहा, शॉ और उसका दोस्त मेरे दोस्त शोभित ठाकुर को मार रहे थे। ठाकुर बच्चा है। वह नशे में धुत भीड़ के हमले से अनजान था। वह खुद को बचाने में असमर्थ था। इसलिए मैं बीच बचाव के लिए आगे आई और शॉ को ठाकुर पर हमला करने से रोका। सपना गिल ने कहा, घटना के दौरान पृथ्वी शॉ ने मुझे गलत तरह से छुआ था।

जब हम लोगों ने कहा कि केस दर्ज करेंगे तो पृथ्वी शॉ गिड़गिड़ाने लगे थे। कहने लगे कि कोई शिकायत मत करना। इसके बाद हमने तब केस दर्ज नहीं कराया था। सपना ने कहा, उन लोगों ने मुझ पर 50 हजार रुपए की वसूली का आरोप लगाया है। आजकल 50 हजार हैं क्या मैं दो रील बनाऊंगी और इतना एक दिन में कमा लूंगी। आरोपों का भी कोई स्तर होता है। पृथ्वी शॉ के दोस्त आशीष यादव ने कहा था कि 15 फरवरी को सहारा स्टार के कैफे में वो और पृथ्वी शॉ डिनर कर रहे थे। गिल और उसके दोस्त सेल्फी लेने के लिए आए। पहले शॉ मान गए और फिर बाद में उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। आशीष ने शिकायत में कहा है कि डिनर के बाद एक व्यक्ति ने उनकी कार की विंड शील्ड पर बेसबॉल बैट मारा। इसके बाद कुछ लोग मोटरसाइकिल पर कार का पीछा करते भी नजर आए। उन्होंने कार को रोका और सपना गिल ने झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। उसने पृथ्वी शॉ से 50 हजार रुपयों की डिमांड भी की। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट मैच देखने स्टेडियम पहुंच सकते हैं पीएम नरेंद्र मोदी

**अहमदाबाद।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का चौथा व अंतिम टेस्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला 9 मार्च से शुरू होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट देखने के लिए अहमदाबाद के स्टेडियम में मौजूद रह सकते हैं। गुजराती जागरण के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मैच का आनंद स्टेडियम में आकर उठा सकते हैं। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री सुबह 8:45 पर स्टेडियम में प्रवेश कर जाएंगे। साथ ही इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मैच में शिरकत करेंगे। इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। उम्मीद यह भी की जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी टॉस से पहले ही स्टेडियम में पहुंच जाएंगे और अल्बनीज के साथ मैच का आनंद उठाएंगे। भारतीय टीम ने 1983 से अहमदाबाद में कुल 14 टेस्ट खेले हैं। जिसमें से भारत ने 6 टेस्ट जीते, 2 हारे और 6 ड्रॉ रहे। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में कभी टेस्ट नहीं खेला है। यहां दोनों देशों की पहली भिड़ंत होगी। बता दें कि भारतीय टीम इस समय बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2-0 की बढ़त पर है। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टेस्ट को एक पारी और 132 रन के विशाल अंतर से जीता। इसके बाद नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट को 6 विकेट से जीता। भारतीय टीम की कोशिश इंदौर में 1 मार्च से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट को जीतने की होगी ताकि वो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अपनी जगह पक्की कर सके। डब्ल्यूटीसी फाइनल लंदन में द ओवल पर 7-11 जून तक खेला जाएगा।

### इंटरनेशनल बॉक्सर पूजा आज लेंगी 7 फेरे: जींद के आकाश संग बिना दहेज के होगी शादी, सोशल मीडिया पर शुरू हुई थी बातचीत

**भिवानी।** हरियाणा के भिवानी की इंटरनेशनल बॉक्सर पूजा बोहरा जींद के आकाश के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। दोनों की शादी 22 फरवरी यानी आज बुधवार को होगी। सात फेरे लेकर दोनों एक दूसरे के जीवन साथी बनेंगे। पूजा बोहरा के घर में महिला संगीत कार्यक्रम होगा। ये कार्यक्रम शाम 7 बजे चहल पहल रेस्टोरेंट में होगा। 22 फरवरी को शादी मिनी बाइपास स्थित विदाई प्लेस में होगी। शादी बिना दहेज के होगी। इसमें हरियाणा के खिलाड़ियों के साथ-साथ नेता भी आशीर्वाद देने के लिए पहुंचेंगे। बॉक्सर पूजा बोहरा ने अपनी शादी को लेकर उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, कृषि मंत्री जेपी दलाल, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक राव दानसिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ, पूर्व विधायक शिवशंकर भारद्वाज, ओलिंपिक पदक विजेता बॉक्सर विजेंद्र सिंह बेनीवाल, निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, बॉक्सर मनोज कुमार, बजरंग पूनिया, बबीता फोगाट, संगीता फोगाट सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ही सेलिब्रिटी को निमंत्रण दिया है। सोशल मीडिया से शुरू हुई मुक्केबाज पूजा बोहरा व आकाश की प्रेम की कहानी अब शादी में बदलने जा रही हैं। शादी को लेकर दोनों परिवार काफी खुश हैं और सभी तैयारी हो चुकी हैं। शादी के निमंत्रण दिए जा चुके हैं। शादी की रस्में घर पर कराई गई। हरियाणा सरकार के भीम अवॉर्ड से सम्मानित महिला मुक्केबाज पूजा बोहरा ने अब तक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दर्जनों पदक जीते हैं। उन्होंने 2010 में गोवा में हुई जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक, 2012 में गुवाहाटी में हुई सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2013 में एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक, 2013 में एशियन गेम्स में कांस्य पदक, 2019 में बैंकॉक में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2021 में दुबई में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और वर्ष 2021 टोक्यो ओलिंपिक में प्रतिनिधित्व किया।

### मिस्र के टूर्नामेंट में भी नहीं खेलेंगे पहलवान विनेश, बजरंग और रवि दहिया, 27 पहलवानों की टीम घोषित

**नई दिल्ली।** भारत के शीर्ष पहलवानों विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने मिस्र में होने वाले रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग न लेने का निर्णय किया है। यह एक महीने में दूसरी बार है कि जबकि विनेश, बजरंग, रवि दहिया, दीपक पूनिया, अंशु मलिक, संगीता फोगाट और संगीता मोर जैसे पहलवान ने महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में न जाने का निर्णय लिया है।

### रोहित चुनेंगे टेस्ट टीम का नया उप कप्तान

# अब प्लेइंग-11 से भी बाहर हो सकते हैं केएल राहुल; कौन लेगा उनकी जगह

**नई दिल्ली।**

भारत की नई टेस्ट टीम में किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया। ओपनिंग बैटर केएल राहुल अब बतौर प्लेयर टीम में रहेंगे। ऐसे में उनके प्लेइंग-11 में बने रहने की उम्मीदें भी कम हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कप्तान रोहित शर्मा टीम का नया उप कप्तान चुनेंगे। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि टेस्ट टीम में कौन से प्लेयर्स उप कप्तान की भूमिका में आ सकते हैं। साथ ही जानेंगे कि प्लेइंग-11 में राहुल की जगह कौन ले सकता है।

**राहुल को क्यों हटाया गया** - केएल राहुल को दिसंबर 2021 में टेस्ट टीम का उप कप्तान बनाया गया। उन्होंने 3 बार टीम की कप्तानी भी की। 2 में जीत और एक में हार मिली, लेकिन इन टेस्ट में राहुल अपनी बैटिंग से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पिछली 9 पारियों में 23 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इस दौरान उन्होंने 8, 12, 10, 22, 23, 10, 2, 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैटिंग में उनके खराब प्रदर्शन को देखते हुए सलेक्शन कमेटी ने उनसे उप कप्तान का पद छीना है, ताकि ओपनिंग पोजिशन पर रोहित शर्मा के साथ किसी और को मौका दिया जा सके।

**राहुल नहीं तो प्लेइंग-11 में कौन** - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के 2 मैच खत्म हो चुके हैं। इनमें राहुल ने 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए। तीसरा टेस्ट एक मार्च और चौथा टेस्ट 8 मार्च को खेला जाएगा। अगर राहुल प्लेइंग-11 में नहीं चुने गए तो उनकी जगह शुभमन गिल से ओपनिंग कराई जा सकती है, क्योंकि भारत के मौजूदा स्क्वॉड में गिल को ही टेस्ट में ओपनिंग का अनुभव है।

**एक्सपर्ट्स ने किया राहुल का विरोध** - एक ओर सलेक्शन कमेटी ने राहुल से उप कप्तान का पद छीन लिया तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर फैंस और एक्सपर्ट्स खराब फॉर्म के बाद राहुल को टीम से बाहर करने की मांग कर रहे हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने राहुल के खराब फॉर्म पर कई ट्वीट

तक कर डाले थे। उन्होंने कहा कि राहुल की जगह मयंक अग्रवाल, अजिंक्य रहाणे, शिखर धवन या शुभमन गिल को मौके दिए जाने चाहिए।

**द्रविड़ और रोहित ने किया बचाव** - इस सब के बीच कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने राहुल की बैटिंग का बचाव किया। रोहित ने कहा कि खराब फॉर्म हर खिलाड़ी के करियर में आता है। राहुल ने विदेश में कई शतक जड़कर खुद को साबित किया है। अगर किसी खिलाड़ी में क्षमता होती है तो टीम मैनेजमेंट उन्हें मौके देती है। ऐसा सिर्फ केएल नहीं बाकियों के साथ भी होता है। रोहित का कहना इसलिए भी ठीक है क्योंकि वे खुद इसी दौर से गुजर चुके हैं। 2007 में डेब्यू करने के बाद 2013 में उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया। 2013 के बाद 2019-20 में वह टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर सके। ऐसे में राहुल का दर्द वे बहुत अच्छी तरह से समझते हैं।

**क्या कोहली नहीं बन सकते उप कप्तान** - नहीं, विराट कोहली ने 15 जनवरी 2022 को भारत की टेस्ट कप्तानी खुद से छोड़ी थी। उन्हें इस पद से हटाया नहीं गया। इससे साफ है कि विराट अब नेशनल टीम में किसी भी तरह की बड़ी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। ऐसे में टीम मैनेजमेंट उन्हें उप कप्तान नहीं बनाएगी।

**किसे बना सकते हैं उप कप्तान** - टीम इंडिया में इस वक्त उप कप्तान बनने के 3 मजबूत दावेदार नजर आ रहे हैं। अनुभवी बैटर चेतेश्वर पुजारा, बॉलर रविचंद्रन अश्विन और मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर में से कोई एक नया उप कप्तान बन सकता है। चेतेश्वर पुजारा: 35 साल के पुजारा भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और टेस्ट टीम के चुनिंदा परमानेंट मेंबर्स में से एक हैं। इंजर्ड कम होते हैं और अपने अनुभव से रोहित की गैरमौजूदगी में कमान संभाल सकते हैं। रविचंद्रन अश्विन: 36 साल के अश्विन भारत के लिए 90 टेस्ट खेल चुके हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव भी है। अश्विन नए उप कप्तान हो सकते हैं, लेकिन विदेश के टेस्ट में भारतीय टीम एक ही स्पिनर को प्लेइंग-11 में शामिल करती है। तब अश्विन और रवींद्र जडेजा में से किसी एक को ही मौका मिलता है। ऐसे में अश्विन का सेलेक्शन मुश्किल लगता है। श्रेयस अय्यर: 28 साल के श्रेयस ने पिछले कुछ सालों में भारत की वनडे और टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। जिम्मेदारी से बैटिंग करते हुए टीम को मुश्किल परिस्थितियों में जिताने की कला से वह टीम के नए उप कप्तान बन सकते हैं।

# नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने हासिल की एक और उपलब्धि, स्टेफी ग्राफ के बराबर पहुंचे

**नई दिल्ली।**

विश्व के शीर्ष पुरुष टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपने नाम एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह सबसे ज्यादा हफ्तों तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने के मामले में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। जोकोविच ने पिछले महीने ही 10वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। उन्होंने 22वां ग्रैंड स्लैम जीतकर स्पेन के राफेल नडाल की बराबरी की थी। अब उन्होंने एक और विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। स्टेफी ग्राफ 377 हफ्तों तक पहले स्थान पर रही थीं। जोकोविच उनके रिकॉर्ड को तोड़ने से एक हफ्ते दूर हैं। एटीपी द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में जोकोविच पहले पायदान पर हैं। दूसरे स्थान पर स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और तीसरे पायदान पर ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास हैं। दो पूर्व विश्व नंबर खिलाड़ियों ने पिछले हफ्ते सफलता हासिल की थी। रूस के दानिल मेदवेदेव ने रॉटरडैम खिताब पर दावा किया था। वहीं, कार्लोस अल्कारेज ने अर्जेंटीना में जीत से वापसी की थी। मेदवेदेव ने इटली जैनिक सिनर को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर अपने करियर का 16वां टाइटल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने टॉप-10 में वापसी की। वह तीन स्थानों की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फाइनल हारने वाले सिनर को दो स्थानों का फायदा हुआ। वह 12वें नंबर पर आ गए। दूसरी ओर, करीब चार महीनों तक टेनिस से दूर रहने वाले अल्कारेज ने अर्जेंटीना ओपन में जीत हासिल की। वह दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।

### ज्वेरेव की रैंकिंग में सुधार

ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच से हारने वाले सितसिपास तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं, जर्मनी के पूर्व विश्व नंबर दो अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पिछले साल फ्रेंच ओपन के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके रैंकिंग में लगातार गिरावट हो रही है। वापसी के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में बाहर हो गए थे। अब वह रॉटरडैम में भी दूसरे दौर में बाहर हो गए। उनके रैंकिंग में थोड़ा सुधार हुआ है। वह एक स्थान ऊपर चढ़कर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

# दिल्ली में अनाथ बच्चों को फुटबॉल सिखाने वाला स्लम सॉकर लॉरेस पुरस्कार के लिए नामांकित

**नई दिल्ली।**

**दिल्ली में अनाथ बच्चों को पढ़ाने और फुटबाल सिखाने वाली परियोजना स्लम सॉकर को प्रतिष्ठित लॉरेस अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। इसका नामांकन लॉरेस खेलों में अच्छाई वर्ग के लिए किया गया है। यह अवॉर्ड खेलों के जरिए बच्चों और युवाओं के जीवन में बदलाव लाने के लिए दिया जाता है। अवॉर्ड के लिए स्लम सॉकर का मुकाबला चार अन्य प्रतियोगियों से होगा।**

### मेसी, एम्बाप्पे, नडाल वर्ष का खिलाड़ी बनने की दौड़ में

वर्ष का खिलाड़ी वर्ग के लिए अर्जेंटीना को विश्वकप जिताने वाले लियोनल मेसी, फाइनल में हैट्रिक लगाने वाले फ्रांस के किलियम एम्बाप्पे, फार्मूला-1 ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन और पहले भी इस अवॉर्ड को जीत चुके राफेल नडाल के अलावा तीन बार पोलवॉल्ट का विश्वकीर्तिमान भंग कर चुके मोंडो डुप्लांटिस, एनबीए सितारे स्टीफन करी को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किए गए हैं।

### शैली फ्रेजर, स्वियातेक वर्ष की महिला खिलाड़ी के लिए नामांकित

वर्ष की महिला खिलाड़ी के लिए यूजीन विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली जमैका की स्प्रिंटर शैली एन फ्रेजर और अमेरिका की सिडनी मैक्लॉलिन के अलावा तैराक कैटी लेडेकी, फुटबालर एलेक्सिया पुटेलास, अल्पाइन स्कीअर मिकेला शिफरिन, टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक को नामांकित किया गया है। वर्ष की टीम के अवॉर्ड के लिए फुटबाल विश्वकप जीतने वाली अर्जेंटीना, 14वां ला लिगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड, एनबीए चैंपियन गोल्डन स्टेट वॉरियर्स, रेडबुल रेसिंग टीम, इंग्लैंड की महिला फुटबाल टीम, फ्रांस की रग्बी टीम को नामांकित किया गया है। टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज और एलीना रिबाकीना वर्ष के ब्रेकथ्रू अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है।

# 2 टेस्ट हारने के बाद 6 ऑस्ट्रेलियाई घर लौटे: वार्नर सीरीज से बाहर, वनडे टीम में शामिल मैक्सवेल की कलाई कैच लेते वक्त टूटी

**नई दिल्ली।**

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2-0 से पिछड़ चुकी ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं। टीम के 6 खिलाड़ी बीच सीरीज में ऑस्ट्रेलिया लौट चुके हैं। ओपनर डेविड वॉर्नर कोहनी की चोट के चलते सीरीज से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किए गए ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी चोटिल हो गए हैं। वे ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया के खिलाफ मैच में स्लिप में कैच लेते वक्त चोटिल हो गए। उनकी कलाई में फ्रैक्चर है। ऐसे में 17 मार्च से शुरू हो रही वन डे सीरीज में उनके खेलने पर संशय है। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस अपने घर सिडनी लौटे हैं। कमिंस की फैमिली में स्वास्थ्य संबंधी समस्या आई है, जिस वजह से टूर के बीच में उन्होंने घर जाने का फैसला लिया। हालांकि, वे 1 मार्च को इंदौर में खेले जाने वाला तीसरा टेस्ट खेलेंगे। टीम के

पेसर मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन फिट हो चुके हैं। वे अब इंदौर टेस्ट खेल सकते हैं। पेसर हेजलवुड एड़ी की चोट से पूरी तरह रिकवर नहीं हुए हैं। उन्हें पिछले महीने गेंदबाजी करने के बाद बाएं पैर में ये चोट लगी थी। हेजलवुड टीम के साथ भारत तो आए, लेकिन वे एक भी मैच नहीं खेल सके। अब वे रिकवर होने के लिए सीरीज छोड़ घर जा रहे हैं। वार्नर की जगह दूसरे टेस्ट में आए मैट रेनशॉ को हेयर लाइन फ्रैक्चर हुआ है, जिस कारण उनके आगे सीरीज में खेलने पर संशय बना हुआ है। सीरीज में डेब्यू करने वाले स्पिनर टॉड मर्फी भी अब साइड स्ट्रेन से जूझ रहे हैं, जबकि मिचेल स्वेपसन अपने बच्चे के जन्म के लिए पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं। साथ ही एश्टन एगर और लांस मॉरिस को टीम मैनेजमेंट ने फॉर्म में नहीं होने के कारण पहले ही घर भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर दिल्ली टेस्ट के दूसरे दिन टीम से बहार हो गए थे। उन्हें इंडियन पेसर मोहम्मद सिराज की गेंद पर सिर में चोट लगी थी। उन्हें कोहनी में भी चोट आई थी। इस कारण वे अब घर जा रहे हैं।

पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरून ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मैट कुह्नमैन, मारनस लाबुशेन, नाथन लायन, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ , स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिचेल स्टार्क, मिशेल स्वेपसन, डेविड वार्नर।

### भारत लगातार तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

# आयरलैंड को डीएलएस मैथड से 5 रन से हराया; मंधाना ने खेली करियर की बेस्ट पारी

**केबेरा।**

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका में चल रहे विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने ग्रुप-2 में अपने आखिरी मुकाबले में आयरलैंड को डकवर्थ-लुइस मैथड के तहत 5 रन से हराया। भारत ने लगातार तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले, टीम 2018 और 2020 के सीजन में अंतिम-4 में पहुंची थी। 2020 में तो भारतीय ने फाइनल भी खेला, लेकिन तब उसे ऑस्ट्रेलिया से हारकर खिताब गंवाना पड़ा था। केबेरा के सेंट जॉर्जिया मैदान पर टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए ओपनर स्मृति मंधाना की करियर बेस्ट (87 रन) की पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में आयरिश टीम ने 8.2 ओवर तक 54 रन ही बनाए थे कि बारिश आ गई। जब टीम इंडिया डीएलएस मैथड के तहत 5 रन आगे थी। बारिश नहीं थमने के कारण भारत को विजयी घोषित किया गया।

**इंग्लैंड-पाकिस्तान मैच से तय होगा भारत का प्रतिद्वंद्वी** - इस जीत से भारतीय टीम ग्रुप-2 से सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर गई है। इंग्लैंड पहले ही टॉप-4 में प्रवेश कर चुकी है। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मैच है। इस मैच के नतीजे से तय होगा कि सेमीफाइनल में टीम इंडिया का प्रतिद्वंद्वी कौन होगा।

**पहले ही ओवर में आयरलैंड ने गंवाए दो विकेट** - 156 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड ने पहली ही बॉल पर ओपनर एमी हंटर का विकेट गंवा दिया। एमी दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हुईं। इसी ओवर की 5वीं बॉल पर रेणुका सिंह ठाकुर ने ओरला प्रेंडरग्रास्ट को शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया।

इन 2 विकेट के बाद आयरिश टीम का कोई

और विकेट नहीं गिरा। ओपनर गेबी लुईस और कप्तान लौरा डिलेनी ने शुरुआती झटकों के बाद पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी की। दोनों ने अपने शॉट्स खेलने शुरू ही किए थे कि बारिश होने लगी और खेल रोकना पड़ गया। गेबी 32 और लौरा 17 रन बनाकर नाबाद रहीं।

**ऐसे गिरे आयरलैंड के विकेट...**

पहला : एमी हंटर पारी की पहली ही बॉल पर एक रन बनाकर रनआउट हुईं। दूसरा : पहले ओवर की 5वीं बॉल पर रेणुका ठाकुर ने ओरला प्रेंडरगास्ट (0 रन) को बोल्ड कर दिया। मंधाना ने बनाए 87 रन, भारत ने दिया 156 रन का टारगेट टीम इंडिया ने 155 रन बनाए। स्मृति मंधाना (87 रन) ने करियर की बेस्ट पारी खेली। यह उनका टी-20 इंटरनेशनल में सर्वाधिक स्कोर है। उन्होंने 22वां अर्धशतक जमाया। मंधाना ने पारी में 9 चौके और 3 छक्के जमाए। उनके अलावा शेफाली वर्मा ने 24 और जेमिमा रोड्रिग्ज ने 19 रन का योगदान दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 14 रन बनाए। इसके साथ ही कौर ने टी-20 इंटरनेशनल में 3 हजार रन पूरे कर लिए। आयरलैंड की ओर से लौरा डिलेनी ने 3 विकेट लिए। ओरला प्रेंडरगास्ट को 2 और एरलीन केली को एक विकेट मिला।

**शेफाली-मंधाना के बीच 62 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप** - भारत की ओपनर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना के बीच 57 गेंदों पर 62 रनों की पार्टनरशिप हुई। इस साझेदारी को लौरा डिलेनी ने तोड़ा। उन्होंने शेफाली को हंटर के हाथों कैच कराया। इस साझेदारी में शेफाली ने 29 गेंद पर 24 रन बनाए, जबकि मंधाना ने 28 गेंद पर 33 रन का योगदान दिया।

**ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट**

पहला : लौरा डिलेनी ने शेफाली वर्मा को एमी हंटर के हाथों कैच कराया। दूसरा : डिलेनी की बॉल पर हरमनप्रीत कौर प्रेंडरगास्ट को कैच दे बैठीं। तीसरा : रिचा घोष को लुईस लिटिल ने डिलेनी की बॉल पर कैच किया। चौथा : बड़े हिट के प्रयास में स्मृति मंधाना ओरला प्रेंडरगास्ट की बॉल पर लुईस को कैच दे बैठीं। पांचवां : दीप्ति शर्मा ओरला प्रेंडरगास्ट की बॉल पर जार्जिना डैमप्सी के हाथों कैच हुईं।

## क्या डायबिटीज से बचने के लिए चीनी का सेवन पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए?

डॉक्टरों के अनुसार चीनी में कैलोरी भरपूर मात्रा में पाई जाती है। खाने-पीने की चीजों में चीनी का ज्यादा इस्तेमाल करने से भूख कम लगती है। शरीर को फिट रखने के लिए और चाय और दूध जैसी चीजों को स्वादिष्ट बनाने के लिए चीनी मिलाना फायदेमंद होता है। तो इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है। लेकिन अगर आप इस चीज को अधिक मात्रा में खाना शुरू कर दें तो आपकी सेहत बिगड़ते देर नहीं लगती। हाई ब्लड शुगर लेवल मधुमेह का कारण बनने में अधिक समय नहीं लेता है। कई लोगों का कहना है कि फिट रहने के लिए शुगर बंद कर देनी चाहिए। लेकिन क्या यह वैज्ञानिक रूप से सही है? क्या यह वास्तव में बीमारियों के खतरे को कम करता है? चीनी प्राकृतिक रूप से फलों, सब्जियों और डेयरी खाद्य पदार्थों (लैक्टोज) में पाई जाती है। यह खाद्य निर्माताओं द्वारा या घर पर स्वयं द्वारा भोजन और ड्रिंक्स में अलग से मिलाया जाता है। इस प्रकार की एक्स्ट्रा शुगर को *मुक्त शर्करा* कहा जाता है और ये शुद्ध फलों के रस, स्मूदी, सिरप और शहद में भी मौजूद होती हैं। चीनी और स्वास्थ्य के बारे में बहस मुख्यत: शुगर फ्री के आसपास है। ब्रिटिश डायबिटिक एसोसिएशन के मुताबिक मधुमेह के दो मुख्य प्रकार हैं-टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेहज्हम जानते हैं कि चीनी यानि शुगर टाइप 1 मधुमेह का कारण नहीं बनती है, न ही यह आपकी जीवनशैली में किसी और चीज के कारण होती है। टाइप 1 मधुमेह में आपके अग्न्याशय में इंसुलिन उत्पादक कोशिकाएं आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा नष्ट हो जाती हैं। टाइप 2 मधुमेह के साथ, उत्तर थोड़ा अधिक जटिल है। हालांकि हम जानते हैं कि चीनी सीधे टाइप 2 मधुमेह का कारण नहीं बनती है, अगर आपका वजन अधिक है तो आपको इसके होने की संभावना अधिक होती है। जब आप अपने शरीर की जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं तो आपका वजन बढ़ता है और मीठे खाद्य पदार्थों और पेय में बहुत अधिक कैलोरी होती है। प्रोसेस्ड फूड खाने से बढ़ सकती है गट सिंड्रोम की समस्या, एक्सपर्ट से जानिए सेवन करने के बाद शरीर में क्या होता है? तो आप देख सकते हैं कि अगर बहुत अधिक चीनी आपका वजन बढ़ा रही है, तो आप टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा बढ़ा रहे हैं। लेकिन टाइप 2 मधुमेह जटिल है, और स्थिति विकसित होने का एकमात्र कारण चीनी होने की संभावना नहीं है। हम यह भी जानते हैं कि डिब्बाबंद शीतल पेय जैसे मीठे पेय, टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं, और यह जरूरी नहीं कि शरीर के वजन पर उनके प्रभाव से जुड़ा हो। जरूरी नहीं!

## द कश्मीर फाइल्स को मिला नकली दादासाहेब फाल्के अवार्ड!

दादा साहेब फाल्के के नाती चंद्रशेखर पुसालकर दादा साहब इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्डस नाराजगी जाहिर की है। मुंबई में हाल ही में दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड 2023 का आयोजन किया गया। जिसमें बॉलीवुड के कई सितारों ने शिरकत की। इस दौरान रेखा, आलिया भट्ट, वरुण धवन, अनुपम खेर सहित कई दिग्गज नजर आए। इस दौरान जहां आलिया भट्ट और उनके पति रणबीर कपूर को बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा गया तो वहीं आरआरआर को इंटरनेशनल फिल्म ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया है और विवेक आग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को बेस्ट फिल्म का अवार्ड दिया गया है। वहीं अब दादासाहेब फाल्के के नाती चंद्रशेखर पुसालकर ने इस पर अवॉर्ड पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि दादा साहेब फाल्के पुरस्कार देश में सिनेमा का सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान है। लेकिन मुंबई में बीते दिन जिस संस्थान ने यह अवॉर्ड बांटे हैं वह दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स के नाम से हैं। दोनों में जमीन आसमान का फर्क है। यह संस्थान पैसे लेकर उन लोगों को अवॉर्ड दे रही हैं, जो उस काबिल भी नहीं हैं। दादासाहेब फाल्के के नाती चंद्रशेखर पुसालकर ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए बताया कि मुझे मुंबई में आयोजित हुए दादा साहेब फाल्के अवार्ड्स में खास मेहमान के तौर पर लोगों ने बहुत आमंत्रित किया। मैने देखा कि पैसे लेकर ऐसे लोगो को अवार्ड दिए जा रहे जो इस अवार्ड के काबिल भी नहीं हैं। जब मैंने यह सब देखा तो मैने ऐसे किसी भी अवार्ड कार्यक्रम में जाना बंद कर दिया।

# मां, मैं आपको आज भी हर जगह खोजती हूं

## जान्हवी कपूर

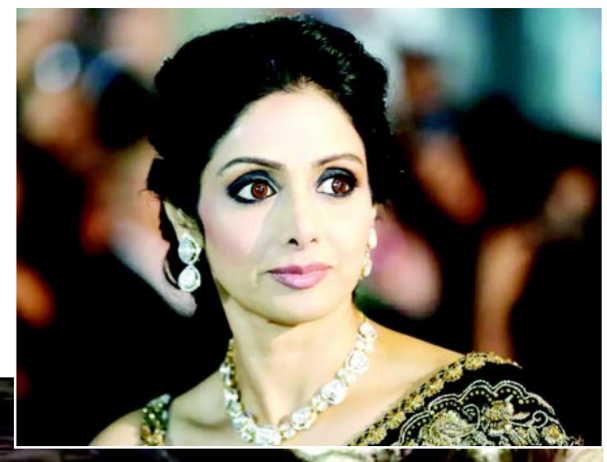

दिग्गज एक्ट्रेस श्रीदेवी की 24 फरवरी को पांचवी पुण्यतिथि है। इस पहले पर उनकी बेटी जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। दरअसल जान्हवी ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मां श्रीदेवी के साथ फोटो शेयर की है। इसके अलावा जान्हवी ने कैप्शन में लिखा कि वो अपनी मां को आज भी बहुत याद करती हैं और उन्हें प्राउड फील करवाना चाहती हैं। जान्हवी ने कैप्शन में लिखा कि मां मैं आपको आज भी हर जगह खोजती हूं। मैं जब भी कुछ करती हूं, इस उम्मीद के साथ करती हूं कि आपको मुझ पर प्राउड फील होगा। जहां जाती हूं और जो भी करती हूं, मैं हमेशा आपके बारे में भी ही सोचा करती हूं। मेरी सब कुछ आप से ही शुरू होता है और आपसे ही खत्म होता है। जान्हवी के इस पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट में लिखा कि आप जब भी अगली बार सेट पर जाएं, अपना 200 फीसदी दें। आपकी मां के लिए एक्टिंग हमेशा पहला प्यार था। जब भी लगे कि आप अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हैं, हमेशा ये सोचकर परफॉर्म करें कि आपकी मॉम आपको डांट रही हैं। ऐसे शॉट दें कि लोग देखें तो उन्हें आप में श्रीदेवी की झलक दिखाई दे, ऐसा महसूस हो कि वो आप में अब भी जिंदा हैं। दूसरे यूजर ने लिखा कि श्रीदेवी जी आज भी सभी के दिलों में जिंदा हैं। तीसरे यूजर ने लिखा कि वो आज भी आपके साथ ही हैं। चौथे यूजर ने लिखा कि आप अपनी मां की कॉपी हो, बिल्कुल उन्हीं के जैसे दिखती हो। श्रीदेवी का निधन 24 फरवरी, 2018 को दुबई के एक होटल में हुआ। दरअसल, वो एक फैमिली फंक्शन के लिए दुबई गईं थीं, जहां के एक होटल के बाथटब में उन्हें मृत पाया गया। वो जान्हवी की डेब्यू फिल्म धड़क देखना चाहती थीं, लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो सका। जान्हवी को इस बात का अफसोस आज भी होता है।

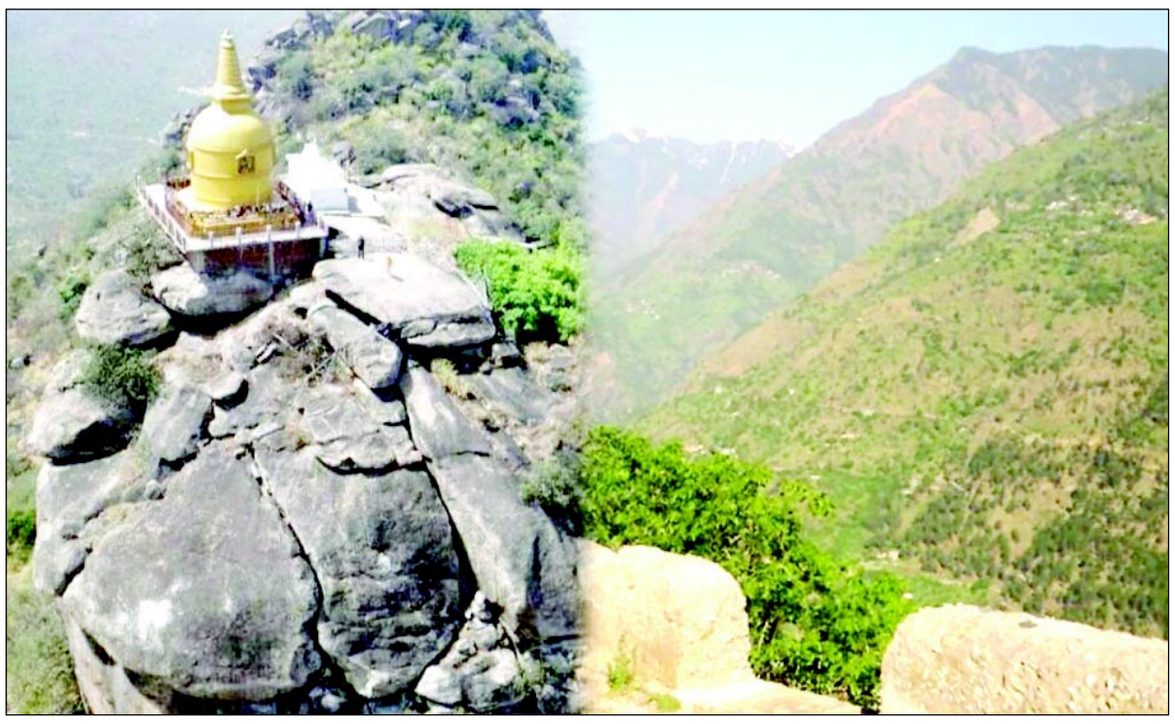

## बिहार के इन खूबसूरत हिल स्टेशनों पर एक बार आए तो बार-बार करेगा आने का मन

जब भी कहीं घूमने जाने का मन करता है या फिर किसी ट्रिप पर जाना होता है, तो पहाड़ों की सैर करना लोगों की पहली पसंद में आता है। पहाड़ों की सैर करना लोगों को काफी पसंद आता है। वैसे भी प्रकृति ही एक ऐसा स्थान है, जहां पर लोगों को चैन और सुकून मिलता है। हमारे आसपास कई ऐसे राज्य हैं, जहां आप जा सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बिहार के कई खूबसूरत हिल स्टेशंस के बारे में बताएंगे। बिहार में बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन होने के साथ ही सुकून देने वाली वादियां भी हैं। बिहार को प्राचीन काल में सत्ता, विद्या और संस्कृति की धुरी माना जाता था।

**रामशिला पहाड़ी :** रामशिला पहाड़ी बिहार के टॉप हिल स्टेशनों में से एक है। यह गया के विष्णुपद मंदिरों से मात्र 5 किमी. की दूरी पर स्थित है। ट्रेकिंग के बाद यहां पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। आसपास के लोग यहां पर हर वीकेंड को मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। रामायण काल में भी इस स्थान का जिक्र देखने को मिलता है। मान्यता है कि यहां पर भगवान राम ने इसी जगह पर अपने पिता दशरथ का पिंड किया था। जिस कारण यहां पर कई श्रद्धालू पिंडदान भी करने आते हैं। अक्तूबर से फरवरी के बीच का समय रामशिला पहाड़ी घूमने के लिए बेस्ट है।

**गुरपा चोटी :** गया के गुरपा नाम गांव के पास बसे गुरपा चोटी को स्थानीय लोग कुक्कुटपदगिरि के नाम से पुकारते हैं। गुरपा चोटी को एक पवित्र पर्वत शिखर माना जाता है। सुकून पाने के लिए यह जगह बेस्ट है। गुरपा चोटी खूबसूरत हिंदू मंदिरों और बौद्ध अवशेषों से घिरा हुआ है। साथ ही इस स्थान का अपना ऐतिहासिक महत्व है। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध के उत्तराधिकारी महा कश्यप ने इस पहाड़ी पर अपना ध्यान लगाया था। साथ ही मान्यता है कि अभी भी महा कश्यप बुद्ध के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रागबोधि : प्रागबोधी बिहार का एक पवित्र स्थान है। जिसे धुंगेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। बिहार में किरियामा गांव के पास स्थित प्रागबोधी सबसे ज्यादा देखे जाने वाला स्थान है। बताया जाता है कि यहां पर ज्ञान प्राप्त करने से पहले भगवान बुद्ध यहां पर रुके थे। यहां पर आप पहाड़ी के ऊपर कई प्राचीन स्तूपों को भी देख सकते हैं। गया शहर से देखने पर प्रागबोधी बेहद ही खूबसूरत लगता है। इसके अलावा ज्ञान की खोज में राजकुमार सिद्धार्थ ने यहां पर 6 वर्षों तक घोर तपस्या की थी। तब उन्होंने खाना-पानी भी छोड़ दिया था।

**प्रेतशिला पहाड़ी :** प्रेतशिला पहाड़ी रामशिला पहाड़ी से 10 किलोमीटर की दूर स्थित है। यहां से आप गया शहर का नजारा देखने के साथ ही सुंदर ब्रह्म कुंड भी देख सकते हैं। बता दें कि प्रेतशिला की चोटी पर एक चट्टान है। मान्यता है कि प्रेतशिला वेदी पर अकाल मृत्यु के कारण प्रेतयोनि में भटकते प्राणियों का श्राद्ध करने से उनको मुक्ति मिल जाती है। यहां पर अहिल्या बाई का एक ऐतिहासिक मंदिर है। यह मंदिर शानदार स्थापत्य शैली का अद्भुत नजारा पेश करता है। प्रेतशिला पहाड़ी से आप गया शहर और हरे भरे घास के मैदान का अद्भुत नजारा देख सकते हैं।

**ब्रह्मजुनी हिल :** बिहार के गया जिले में स्थित ब्रह्मजुनी हिल ऐतिहासिक मंदिरों से घिरी पहाड़ी जगह है। ब्रह्मजुनी हिल से आप हरे-भरे घास के मैदानों और विष्णुपद मंदिर के खूबसूरत नजारे देख सकते हैं। यह पहाड़ी विष्णुपद मंदिर से 1 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। ब्रह्मजुनी पहाड़ियों पर ऐतिहासिक गुफाओं को देखकर आपका दिन बन जाएगा। पत्थर की दीवारों पर उकेरी गई आकर्षक नक्काशियां पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां पर बुद्ध ने 1000 पुजारियों को अपने अग्नि उपदेश दिए थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय ) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, ( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )